अधिकतम तापमान 19.00* » न्यूनतम तापमान 10.00* » सूर्योदय 7:03 » सूर्यास्त 17:46 » डॉलर 72.99 » यूरो 88.85 »

छोटीबड़ीबात

आज ही के दिन 1897 में भारत के स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाषचंद्र बोस का जन्म उड़ीसा के कटक में हुआ था।

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

देहरादून | वर्ष-4, अंक-158 | शनिवार 23 जनवरी 2021 | कुल पृष्ठ 12 | मूल्य 5.00 रुपये

dainikbhaskaruk.com

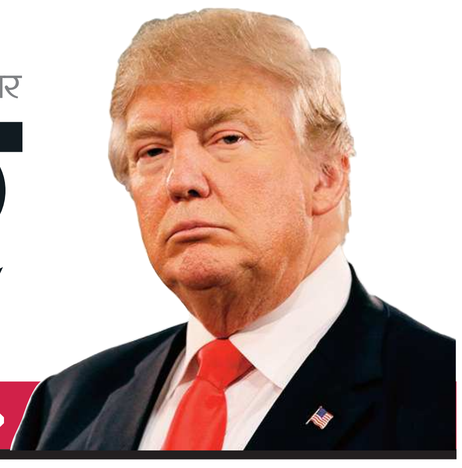

शेयर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स 746 अंक लुढ़का पेज 11›

फरवरी में डोनाल्ड ट्रंप पर महाभियोग की सुनवाई पेज 12›

सारसुर्खियां

प्रभु श्रीराम मंदिर और केदारखंड की झांकी

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस पर राजपथ पर होने वाली परेड में इस वर्ष उत्तर प्रदेश श्रीराम मंदिर की झांकी और उत्तराखंड से केदारखंड की झांकी पेश की जाएगी। यूपी की इस झांकी के प्रथम भाग में महर्षि वाल्मीकि को रामायण की रचना करते दर्शाया गया है। मध्य भाग में जनभावनाओं एवं भक्ति से जुड़े अयोध्या की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक श्रीराम मन्दिर की प्रतिकृति प्रदर्शित है। वहीं, उत्तराखंड की 'केदारखंड' झांकी में राज्य पक्षी मोनाल, राज्य पशु कस्तूरी मृग और राज्य पुष्प ब्रह्मकमल के दर्शन होंगे।

एंटी एयरफील्ड वेपन का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। डीआरडीओ ने एक और उपलब्धि हासिल करते हुए देश में निर्मित स्मार्ट एंटी एयरफील्ड वेपन का सफल परीक्षण किया है। इस हथियार का गुरूवार को ओडिशा में समुद्र तट से कुछ दूर सफल 'कैप्टिव एंड रिलीज' उड़ान परीक्षण किया। यह परीक्षण एचएएल के हॉक-I विमान के जरिए किया गया। इसने अपने सभी लक्ष्य हासिल किए। इसका वजन 125 किलोग्राम है जो जमीन पर शत्रु की एयरफील्ड संपत्तियों जैसे राडार, बंकर, टैक्सी ट्रैक और रनवे को 100 किलोमीटर की दूरी से निशाना बना सकता है।

विदेशी मुद्रा का भंडार 1.84 अरब डॉलर घटा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 1.84 अरब डॉलर घटकर 584.24 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले आठ जनवरी को समाप्त सप्ताह में यह 75.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 586.08 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर रहा था।15 जनवरी को समाप्त सप्ताह में स्वर्ण भंडार में 1.53 अरब डॉलर की जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई और यह 36.06 अरब डॉलर रह गया। विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 28.4 करोड़ डॉलर घटकर 541.51 अरब डॉलर पर आ गई।

यूपी के जिलों में बम की सूचना से हड़कंप

लखनऊ। यूपी के कई जिलों में शुक्रवार सुबह को कई जिलों में बम रखे जाने की सूचना से हड़कंप मच गया। वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, मथुरा और नोएडा में बम रखे जाने की सूचना मिलने पर पुलिस डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते के साथ जांच की, लेकिन कहीं भी बम नहीं मिले। पुलिस सूचना के श्रोत की तलाश कर रही है।

राम मंदिर उत्तर प्रदेश के अयोध्या में प्रस्तावित मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर की झांकी।

उत्तराखंड की 'केदारखंड' झांकी

गुजरात राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस के लिये तैयार की गई गुजरात की झांकी।

सरकार-किसान नेताओं में ठनी

किसान नेता कानून रद कराने पर अड़े, सरकार ने किया साफ इंकार, बातचीत बेनतीजा

- **नहीं तय की गई अगली बैठक की तारीख**

नई दिल्ली। केंद्र सरकार और किसान नेताओं के बीच शुक्रवार को हुई 11वें दौर की वार्ता भी बेनतीजा रही। नए कृषि सुधार कानूनों को लेकर सरकार और किसान नेताओं में ठन गई है। किसान नेता कानून को रद किये जाने की बात पर अड़े हैं। जबकि सरकार ने इससे साफ इंकार कर दिया है। अगली बैठक को लेकर कोई तारीख तक तय नहीं हो सकी।

विज्ञान भवन में करीब पांच घंटे तकचली वार्ता में कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसानों को साफ-साफ कह दिया की कानून को डेढ़ साल के लिये स्थगित करने से ज्यादा हम कुछ नहीं कर सकते। अब तक हमने जो प्रस्ताव दिए हैं, वह आपके हित के लिए हैं। इससे बेहतर हम कुछ नहीं कर सकते। अगर आप का विचार बने तो एक बार सोच लीजिए। उन्होंने कहा कि हम फिर मिलेंगे, लेकिन अभी अगली कोई तारीख तय नहीं की गई है। बैठक में दोनों पक्ष अपने-अपने रुख पर अड़े रहे, जिससे बैठक बेनतीजा रही।

तोमर ने कहा कि भारत सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है और रहेगी। विशेष रूप से पंजाब के किसान और कुछ राज्यों के किसान कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। इस आंदोलन के दौरान लगातार यह कोशिश हुई कि जनता के बीच और किसानों के बीच गलतफहमियां फैलें। इसका फायदा उठाकर कुछ लोग जो हर अच्छे काम का विरोध करने के आदि हो चुके हैं, वे किसानों के कंधे का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए कर सकें। किसान यूनियन कानून वापसी पर अड़ी है। वार्ता के दौर में मर्यादाओं का तो पालन हुआ, लेकिन किसानों के हक में वार्ता का मार्ग प्रशस्त हो, इस भाव का सदा अभाव था। इसलिए वार्ता निर्णय तक नहीं पहुंच सकी। इसका मुझे भी खेद है।

विज्ञान भवन में नए कृषि कानून को लेकर कृषिमंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से वार्ता करते किसान संगठन। एजेंसी

26 को दिल्ली में जरूर होगी ट्रैक्टर रैली: टिकैत

भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि 26 जनवरी को ट्रैक्टर रैली जरूर होगी। शुक्रवार की बैठक में सरकार ने तीनों कृषि सुधार कानूनों को एक से डेढ़ वर्ष तक स्थगित रखने के प्रस्ताव पर जोर दिया और कहा कि यदि किसान संगठन इस प्रस्ताव को स्वीकार करने को तैयार होंगे तो अगले दौर की बातचीत हो सकती है। कृषि कानूनों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे किसानों की योजना है कि 26 जनवरी को दिल्ली में आउटर रिंग रोड पर ट्रैक्टर रैली का आयोजन करेंगे। ट्रैक्टर परेड को लेकर दिल्ली पुलिस और किसानों के बीच तीसरे दौर की बैठक भी बेनतीजा रही थी। पुलिस का कहना है कि ट्रैक्टर रैली को दिल्ली से बाहर किया जाए।

हठ और अहंकार छोड़ हो वार्ता: उमा

भोपाल। भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने कहा कि अपनी बात रखने का सरकार और किसान, दोनों के पास ही बेहतर अवसर है। लगभग 30 सालों बाद किसान एक जगह एकत्रित हुए हैं। सरकार को अपनी बात किसानों तक और किसानों को अपनी बात सरकार तक पहुंचाने का यह सुनहरा अवसर है, लेकिन इस मामले में हठ और अहंकार छोड़ना होगा।

वैक्सीन पर लिया निर्णय राजनीतिक नहीं: मोदी

- **वैक्सीन को लगवाने वाले स्वास्थ्यकर्मियों से की बात**

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र में कोरोना टीका लगवाने वाले स्वास्थ्यकर्मियों से बात करते हुए कहा कि किसी भी वैक्सीन को बनाने के पीछे हमारे वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत होती है। वैक्सीन के बारे में निर्णय करना राजनीतिक नहीं होता, हमने तय किया था कि जैसा वैज्ञानिक कहेंगे, वैसा ही हम करेंगे।

प्रधानमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला महिला अस्पताल कबीरचौरा, दीनदयाल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हाथी बाजार में स्वास्थ्यकर्मियों से बातर टीकाकरण के बाद के प्रभावों की जानकारी ली। स्वास्थ्य कर्मियों ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार भी जताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि टीका पूरी तरह सुरक्षित है। यह संदेश जन-जन तक बांटने की जरूरत है।

काशी का सेवक होने के नाते वह चाहेंगे कि यहां के शत-प्रतिशत लोगों को शीघ्र से शीघ्र कोरोना वैक्सीन लगाई जाए। वर्ष 2021 की शुरुआत बहुत ही अच्छे शुभ संकेत से हुई है। दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकण कार्यक्रम भारत में चल रहा है। देश अपना स्वयं का वैक्सीन बना रहा है, जो देश के कोने-कोने में ही नहीं, दूसरे देशों में भी मुहैया कराई जा रही है।

छात्र भारतीय क्रिकेट टीम से लें प्रेरणा

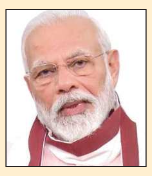

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री न मोदी ने कहा कि छात्रों को भारतीय क्रिकेट टीम से प्रेरणा लेने की जरुरत है। मोदी ने असम के तेजपुर विश्वविद्यालय के 18वें दीक्षांत समारोह के वर्चुअल सम्मेलन के दौरान छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की टीम अनुभवहीन थी और वरिष्ठ खिलाड़ी घायल थे, इसके बावजूद उनका दृढ़ निश्चय कम नहीं हुआ।

वन मंत्री ने भी छोड़ा ममता का साथ

- **राजीव बनर्जी ने दिया मंत्रिमंडल से इस्तीफा**
- **जल्द भाजपा में हो सकते हैं शामिल**

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के वन मंत्री राजीव बनर्जी ने विधानसभा चुनाव से पूर्व ममता बनर्जी नीत मंत्रिमंडल से शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। वह ममता का साथ छोड़ने वाले राज्य के तीसरे मंत्री हैं। माना जा रहा है कि राजीव जल्द ही भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

राजीव बनर्जी ने ममता को लिखे पत्र में कहा कि मुझे आपको सूचित करते हुए खेद है कि मैंने वन विभाग के कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। पश्चिम बंगाल के लोगों की सेवा करना बड़े सम्मान और सौभाग्य की बात है। मैं इस अवसर को प्रदान करने के लिए दिल से आभार व्यक्त करता हूं। मैंने इस्तीफे की एक प्रति आवश्यक कार्रवाई के लिए राज्यपाल को भी भेजी है। कृपया मेरा इस्तीफा स्वीकार करें और अनुग्रहित करें। राजीव ने अपना इस्तीफा भेजने के बाद राज्यपाल जगदीप धनखड़ से मुलाकात की, जिन्होंने उनके मंत्री पद से इस्तीफे को स्वीकार कर लिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 30 जनवरी को राज्य के दौरे पर आने वाले हैं। अटकलें लगाई जा रही हैं कि राजीव शाह की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

टीएमसी की विधायक वैशाली पार्टी से बाहर

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। बीते डेढ़ साल में चार सांसद और 14 विधायक समेत सैकड़ों कार्यकर्ता ममता का साथ छोड़कर भाजपा का दामन छोड़ चुके हैं। ऐस में शुक्रवार को टीएमसी ने बेल्ली से विधायक वैशाली डालमिया को पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

भजन गायक नरेंद्र चंचल का निधन

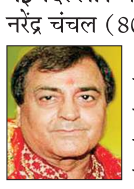

नई दिल्ली। मशहूर भजन गायक नरेंद्र चंचल (80) का शुक्रवार को अपोलो अस्पताल में निधन हो गया। उनके मस्तिष्क में रक्त का जमाव हो गया था। प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी समेत तमाम दिग्गजों ने शोक व्यक्त किया है।

चंचल का जन्म अमृतसर के धार्मिक पंजाबी परिवार में 16 अक्टूबर 1940 को हुआ था। गुलशन कुमार की कंपनी टी सीरिज से उनका करीबी नाता रहा। चंचल के 1980 में फिल्म 'आशा' के 'तूने मुझे बुलाया' तथा 1983 में 'अवतार' के 'चलो बुलावा आया है' गीतों ने धूम मचा दी।

लखनऊ के बूथ अधिवेशन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अभिवादन स्वीकार करते भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा।

मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने उद्घाटन के बाद की घोषणा, बच्चों की सुरक्षा के लिये एक करोड़ रुपये का राहत कोष

उत्तराखंड के पहले बाल मित्र थाने का हुआ उद्घाटन

- **सभी जिलों में खुलेंगे बाल मित्र थाने: ऊषा**

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने देहरादून स्थित डालनवाला पुलिस थाने में शुक्रवार को राज्य के पहले बाल मित्र थाना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों की सुरक्षा के लिए एक करोड़ के राहत कोष की भी घोषणा की।

त्रिवेंद्र ने कहा कि उत्तराखंड में बाल मित्र थाने के रूप में एक नई शुरूआत की गई है। यह पुलिस का एक महत्वपूर्ण सुधारात्मक कदम होगा। बच्चों को जिस माहौल में ढालना चाहें, वे उस माहौल में ढल जाते हैं। इसलिए बच्चों को बेहतर माहौल मिलना जरूरी है। बाल मित्र पुलिस थाने से लोगों को ये लगे कि बच्चों के संरक्षक आ रहे हैं। जो बच्चे अनजाने में अपनी दिशा से भटक जाते हैं, इन थानों के माध्यम से इनको सही दिशा देने के प्रयास किये जा सकते हैं। राज्य सरकार द्वारा निराश्रित बच्चों के लिए सरकारी सेवाओं में पांच प्रतिशत तथा दिव्यांगजनों के लिए भी चार प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है।

उत्तराखंड बाल संरक्षण अधिकार आयोग की अध्यक्ष ऊषा नेगी ने कहा कि पुलिस के सहयोग से राज्य के सभी 13 जिलों में बाल मित्र पुलिस थाने खोले जाएंगे। इन थानों में बच्चों के काउंसलिंग की व्यवस्था भी की जाएगी।

बच्चों के मन से दूर होगा भय: डीजीपी अशोक कुमार ने कहा कि बाल मित्र पुलिस थाना के माध्यम से प्रदेश में एक नई मुहिम शुरू की गई है। प्रयास है कि हर थाने को महिला एवं चाइल्ड फ्रेंडली बनाया जाए। इससे थाने के नाम से बच्चों के मन में जो भय रहता है, वह दूर होगा। राज्य में ऑपरेशन 'मुक्ति' के तहत लगभग 2200 बच्चे चिन्हित किये गए हैं। इनको सड़को से भीख मांगने के प्रचलन से बाहर निकाला गया। इस अभियान के तहत 'भिक्षा नहीं शिक्षा दो' की मुहिम चलाई गई। आज इनमें से अधिकांश बच्चे स्कूलों में पढ़ाई कर रहे हैं।

डालनवाला में बाल मित्र थाने का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत।

पुरकुल में सैन्यधाम का शिलान्यास आज

मुख्यमंत्री शनिवार को पुरकुल गांव में राज्य स्तरीय सैन्य धाम का शिलान्यास करेंगे। देश के लिये अपना बलिदान देने वाले वीर सपूतों का विवरण यहां अंकित होगा। सैन्यधाम में राज्य की गौरवशाली सैन्य परंपरा के साथ ही इससे संबंधित जानकारी भी आम जनता को उपलब्ध होगी। देहरादून में सैन्य धाम बनने जा रहा हैं। इसके लिये पर्याप्त भूमि व धनराशि की व्यवस्था की गई है।

फरवरी में भरेगी राम मंदिर की नींव

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण की नींव अब फरवरी से भरना शुरू होगी।

श्रीराम मंदिर निर्माण तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की हुई दो दिवसीय बैठक में शुक्रवार को यह निर्णय लिया गया कि राम मंदिर नींव की डिजाइजन मुंबई की एक लैब में बन रही है जो फरवरी में प्रिंट होकर आएगी, उसी समय राम मंदिर की नींव भरने का काम शुरू हो जाएगा।

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि मंदिर निर्माण के लिए 40 फिट का गड्ढा खोदकर मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया गया है। टाटा और एलएनटी के इंजीनियरों द्वारा राम मंदिर के नींव की डिजाइन का प्रेजटेंशन मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र समेत ट्रस्ट के पदाधिकारियों सदस्यों के सामने दिया गया, जिस पर नींव की डिजाइन को लेकर सहमति बन गई।

परिवारवाद पर विश्वास नहीं करती भाजपा: नड्डा

- **उत्तर प्रदेश में बूथ स्तर को मजबूत करने की नसीहत**

लखनऊ। कांग्रेस और अन्य दलों पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि देश में करीब 1500 राजनीतिक दलों के बीच भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो परिवारवाद पर विश्वास नहीं करती और यहां आम कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री तक बन सकता है।

नड्डा ने शुक्रवार को बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की सदस्यता हासिल करने वालों को खुद को भाग्यशाली समझना चाहिये। क्योंकि देश के राजनीतिक दलों में सिर्फ भाजपा ही है, जहां आम कार्यकर्ता को भी आगे बढ़ने का मौका मिलता है। यहां परिवारवाद नहीं चलता। यहां सामान्य कार्यकर्ता राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बन भी सकता है और बनवा भी सकता है। भाजपा इकलौती पार्टी है जो विचारों, सिद्धांतों को लेकर आज तक चल रही है और परिवारवाद से बची हुई है।

उत्तर प्रदेश में बूथ स्तर को मजबूत करने की नसीहत देते हुए कहा कि पार्टी पदाधिकारियों को इस काम को अविलंब शुरू करना होगा। लद्दाख से लेकर केरल तक और पूरब से पश्चिम तक भाजपा का डंका बज रहा है। बूथ स्तर पर स्थिति को और मजबूत करने की जरूरत है, क्योंकि बूथ से मिली जीत से कोई भी चुनाव जीता जा सकता है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा ने अपने सिद्धांतों, राष्ट्रीय निष्ठा के बल पर राजनीतिक दलों के सामने नए मानक तय कर दिए हैं।

page-2_page 1 1/22/2021 9:39 PM Page 1

देहरादून

आज ही के दिन 1565 में टेलीकोटा के युद्ध में हिन्दू साम्राज्य विजयनगर का पतन हुआ था।

सारसुर्खियां

युवाओं के प्रेरणा स्रोत हैं नेताजीः त्रिवेंद्र सिंह

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती पर जारी अपने शुभकामना संदेश में कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अग्रणी स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उन्होंने कहा कि करोड़ों युवाओं के प्रेरणा स्रोत, आजाद हिंद फौज के नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी के नारों दिल्ली चलो और तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा से युवा वर्ग में एक नये उत्साह का प्रवाह हुआ था। भारत की स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्ष और अतुल्य योगदान के लिए नेताजी सदा याद किए जाएंगे।

पंजीकरण निरस्त

देहरादून। जिलाधिकारी समुचित प्राधिकारी पीसीपीएनडीटी डॉ आशीष कुमार श्रीवास्तव ने जिलाधिकारी शिविर कार्यालय से वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से पीसीपीएनडीटी (गर्भाधान पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (विनियम एवं दुरुपयोग निवारण) जिला सलाहकार समिति की बैठक में समिति के सदस्यों को निर्देश दिए कि जनपद में संचालित सभी अल्ट्रासाउंड केंद्रों और क्लीनिकों पर बारीकी से निगरानी रखें तथा औचक निरीक्षण करें ताकि किसी भी केंद्र पर अल्ट्रासाउंड तकनीक का दुरुपयोग और अवैध तरीके से संचालित क्लीनिक और अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर रोक लगाते हुए संबंधित के विरूद्ध अधिनियम में प्राविधानों के अंतर्गत कार्यवाही की जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने अल्ट्रासाउंड सेंटर के दो केन्द्रो के पंजीकरण निरस्त किए जाने का निर्णय सलाहकार समिति की सहमति पर लिया गया।

लोक अदालत 30 को

देहरादून। सिविल जज (सीडि) व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अवगत कराया है कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देशानुसार 30 जनवरी को देहरादून, विकासनगर, ऋषिकेश व चकराता, डोईवाला न्यायालय परिसर में परम्परागत लोक अदालत का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है। लोक अदालत में फौजदारी के लघुवाद, दीवानी वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, परिवार वाद, 138 एनआई एक्ट वाद आदि के आधार पर निस्तारित किए जाएंगे।

भाजपा ने दिया प्रदेश प्रवक्ताओ को जिलों का दायित्व

- मीडिया और सोशल मीडिया को अधिक सक्रिय करने की कवायद

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। भाजपा ने मीडिया को अधिक सक्रिय करने की कवायद के तहत प्रदेश प्रवक्ताओं को जिलों का दायित्व सौंपकर 27 जनवरी से जिलो में प्रवास के लिए कहा है। प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर भगत व प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय के निर्देश पर पार्टी के मीडिया व सोशल मीडिया तंत्र को और अधिक सशक्त करने के लिये भाजपा मीडिया विभाग के सभी पदाधिकारियों को ज़िलों के प्रवास करने को कहा गया है। इसके तहत सभी प्रवक्ताओं को जिलों के प्रभारी बनाये गए हैं। प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने बताया कि प्रदेश में मीडिया और सोशल मीडिया विभाग को और अधिक सक्रिय व मजबूत करने के लिए मीडिया व सोशल मीडिया के सभी पदाधिकारियों को जिलों में अधिकाधिक प्रवास करने के लिए कहा गया है। इसके लिए उन्हें जिलों के प्रभारी बनाया गया है। साथ ही प्रदेश मुख्यालय में संगठन के आवश्यक वक्तव्यों व बयानों की विज्ञप्ति जारी करने के लिए प्रदेश प्रवक्ताओं व सह मीडिया प्रभारियों को दिवस अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए कहा गया है।

मंडल स्तर और बूथ स्तर तक सक्रियता

मीडिया तंत्र को मंडल स्तर व सोशल मीडिया तंत्र को बूथ स्तर तक सक्रिय करने के लिए उत्तरकाशी व पौड़ी जिले के लिए प्रदेश प्रवक्ता विनोद सुयाल, चमोली में विपिन कैंथोला, रुद्रप्रयाग में कमलेश उनियाल, टिहरी में नवीन ठाकुर, देहरादून ग्रामीण जिला में सुनील सैनी, देहरादून महानगर मयंक गुप्ता, हरिद्वार में संजीव वर्मा, उधमसिंह नगर में विनय ग़ोयल, नैनीताल, अल्मोड़ा में सुरेश जोशी, बागेस्वर में प्रकाश रावत, चंपावत में रवि कुरिया, पिथौरागढ़ में उमेश शर्मा को जिलों के प्रभारी बनाये गये हैं।

प्रवक्ताओं व सह मीडिया प्रभारियों के दिवस तय

प्रदेश मुख्यालय में मीडिया के कार्यों के लिए सुचारू संचालन व आवश्यक बयानों व प्रेस विज्ञप्ति जारी करने के लिए प्रवक्ताओं व सह मीडिया प्रभारियों को कार्यालय में उपस्थित रहने के लिए उनके दिवस सुनिश्चित किये गए हैं। इसमें सोमवार को खजान दास, मंगलवार मयंक गुप्ता, बुधवार विपिन कैंथोला, गुरुवार नवीन ठाकुर, शुक्रवार विनय ग़ोयल व शनिवार के दिन विनोद सुयाल, नवीन ठाकुर व विपिन कैंथोला को क्रमवार कार्यालय में उपस्थित रहने के लिए कहा गया है। साथ ही सोमवार, मंगलवार को प्रदेश सह मीडिया प्रभारी कमलेश उनियाल, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार संजीव वर्मा, शनिवार, रविवार सुनील सैनी पार्टी के बयानों की विज्ञप्ति तैयार करने के लिए प्रदेश मुख्यालय में उपस्थित रहेंगे।

जिलों की रिपोर्ट तैयार करेंगे सह मीडिया प्रभारी

देहरादून। जिलों के मीडिया प्रभारियों से समन्वय बनाने व जिलों की मीडिया रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रदेश सह मीडिया प्रभारियों को जिलों की रिपोर्ट लेने के लिए कहा गया है। इसमें कमलेश उनियाल को उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, सुनील सैनी देहरादून महानगर, उधमसिंह नगर व टिहरी, संजीव वर्मा को देहरादून, हरिद्वार व पौड़ी, उमेश शर्मा को नैनीताल, पिथौरागढ़ व अल्मोड़ा, रवि कुरिया को चंपावत व बागेस्वर जिलों से प्रतिदिन जिला मीडिया प्रभारियों से समन्वय स्थापित कर मीडिया रिपोर्ट्स तैयार करके प्रदेश मुख्यालय को अवगत कराने के लिए कहा गया है।

कांग्रेस को तो अब तय करना होगा नेता प्रतिपक्षः डॉ भसीन

भास्कर समाचार सेवा

- अपने अस्तित्व को बचाने की जद्दोजहद में लगे हैं कांग्रेसी

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा के होने वाले चुनाव में चेहरे को लेकर कांग्रेस में मचे घमासान पर तंज करते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ देवेन्द्र भसीन ने कहा कि कांग्रेस चुनाव को लेकर चेहरा घोषित करे अथवा न करे चुनाव में विजय तो भाजपा की होनी तय है और स्वाभाविक तौर पर मुख्यमंत्री भी भाजपा का होगा। कांग्रेस को तो नेता केवल प्रतिपक्ष ही तय करना होगा। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ देवेन्द्र भसीन ने कहा कि अगले वर्ष होने वाले उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक विजय तय है। इसी के साथ मुख्यमंत्री भी भाजपा के होंगे। धरातल की इस सच्चाई के बीच कांग्रेस चुनाव के लिए चेहरा घोषित करे या न करे इसका कोई असर पड़ने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद कांग्रेस को तो एक ही काम करना होगा और वह है नेता प्रतिपक्ष तय करना। डॉ भसीन ने कहा कि भाजपा अगले चुनाव में प्रदेश सरकार की उपलब्धियों व केंद्र सरकार के सहयोग से हो विकास कार्यों के आधार पर चुनाव में उतरेगी। कांग्रेस नेता जहां प्रदेश स्तर चेहरे को लेकर आपस में उलझे हुए हैं वहीं भाजपा बूथ स्तर ही नहीं पन्ना टीम तक की रचना कर चुकी है। कांग्रेस नेता भी इस बात को समझ रहे हैं। इस लिए कांग्रेस नेता चेहरा घोषित करते हैं या नहीं यह बात भाजपा के लिए कोई मायना नहीं रखती।

प्रेमनगर में जल्द बनेगा मिनी स्टेडियमः त्रिवेंद्र

मुख्यमंत्री रावत ने किया 63.39 लाख की लागत से निर्मित बहुद्देशीय क्रीडा भवन का लोकार्पण

बहुद्देशीय क्रीडा भवन के लोकार्पण के दौरान मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता।

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने शुक्रवार को प्रेमनगर में 63.39 लाख की लागत से निर्मित बहुद्देशीय क्रीडा भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रेमनगर में मिनी स्टेडियम बनाये जाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि पिछले पौने चार साल में हर क्षेत्र में राज्य के विकास पर ध्यान दिया गया है। अटल आयुष्मान योजना में राज्य के सभी परिवारों को 5 लाख रूपए तक निशुल्क चिकित्सा सुविधा देने वाला उत्तराखंड, देश का पहला राज्य है। राज्य में हेल्थ सिस्टम को मजबूत किया गया है।

मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मात्र एक रूपये में पानी का कनेक्शन दिया जा रहा है। स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख तक एवं किसानों को 3 लाख रूपये तक ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है। राज्य में कुपोषित बच्चों को गोद लेने की प्रथा शुरू की गई। इसके काफी अच्छे परिणाम रहे, अनेक बच्चे कुपोषण से मुक्त हुए। स्वास्थ्य, शिक्षा पेयजल एवं यातायात की दिशा में अनेक प्रयास किये गये। राज्य में महिलाओं के सिर से घास की गठरी का बोझ हटे, इसके समाधान के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। इसके लिए अधिकारियों को ठोस नीति बनाने के निर्देश दिये गये हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की आर्थिकी में सुधार के लिए अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। सभी 670 न्याय पंचायतों पर रूरल ग्रोथ सेंटर बनाए जा रहे हैं। अभी तक 107 रूरल ग्रोथ सेंटर बनाये जा चुके हैं। विधायक हरबंस कपूर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से देश को आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत के नेतृत्व में राज्य सरकार हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रही है। इस अवसर पर मेयर सुनील उनियाल गामा, सीईओ कैंट बोर्ड तनु जैन, भाजपा महानगर अध्यक्ष सीताराम भट्ट, प्रदेश प्रवक्ता विनय गोयल, विजेन्द्र थपलियाल आदि उपस्थित थे।

सैनिकों का हित हमारे लिए सर्वोपरिः त्रिवेंद्र

मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि सैनिकों का हित हमारे लिए सर्वोपरि है। सैनिकों और पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए शासन स्तर अपर मुख्य सचिव और जिला स्तर अपर जिलाधिकारी को नोडल अधिकारी तैनात किया है। मुख्यमंत्री शनिवार को पुरकुल गांव में राज्य स्तरीय सैन्य धाम का शिलान्यास करेंगे। सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिये सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं। राज्य सरकार द्वारा शहीद सैनिकों व अर्ध सैनिकों के एक परिजन को योग्यता के अनुसार सरकारी नौकरी में समायोजित करने की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के हित में कई निर्णय भी लिये गए हैं। उत्तराखण्ड राज्य के वीरता पदक से अलंकृत सैनिकों के अनुदान में सबसे अधिक वृद्धि करने वाला राज्य हैं। वीरता पदक प्राप्तकर्ता सैनिकों एवं उनकी विधवाओं को दी जाने वाली वार्षिकी राशि 30 वर्ष के स्थान पर अब आजीवन दिये जाने की व्यवस्था की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं की पेंशन राशि को 4000 से बढ़ाकर 8000 प्रतिमाह किया गया है। राज्य के विभिन्न नगर निगमों-नगर पालिकाओं में निवास कर रहे पूर्व सैनिकों को गृहकर से मुक्त रखा गया हैं।

दिनेश रावत की पुस्तिका का विमोचन किया

मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत व विधायक हरबंस कपूर की ओर से प्रेमनगर में नव निर्मित बहुउद्देश्यीय इंडोर स्टेडियम का उद्धघाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कोरोना काल में वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश रावत व उनकी टीम के द्वारा किये गए कार्यो पर केंद्रित एक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। साथ ही महापौर सुनील उनियाल गामा, महानगर अध्यक्ष सीताराम भट्ट, प्रदेश प्रवक्ता विनय गोयल नेभी पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष विजेंदर थपलियाल, मंडल अध्यक्ष बबलू बंसल, भूपाल चंद, अनिता मल्होत्रा, बरखा कालरा, उषा रावत, पार्षद, जेष्ठ व श्रेष्ठ कार्यकर्ता व क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

विधायक प्रणव के कारनामों पर क्यों मौन है बीजेपीः उमा

देहरादून। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उमा सिसोदिया ने खानपुर से अपने कारनामों से चर्चा में रहने वाले विधायक प्रणव सिंह चैंपियन पर जमकर हमला बोला है। आप प्रवक्ता उमा सिसोदिया ने कहा कि प्रणव चैंपियन को पार्टी में रखना आखिर बीजेपी की कौन सी मजबूरी बन गया है, जो समय समय पर प्रदेश को शर्मसार करते रहते हैं और उसके बावजूद भी बीजेपी उनके काले चिटठों पर पर्दा डालकर बैठी है। प्रेस को जारी बयान में आरोप लगाते हुए आप प्रवक्ता उमा सिसोदिया ने कहा कि विधायक प्रणव के पुराने कारनामे अभी जनता नहीं भूली भी थी कि अब इनका दबंगई का एक नया वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें ये अपने ही यहां काम करने वाले कर्मचारियों के साथ दबंगई दिखा रहे हैं।मामला इनके अपने ही लोगों के साथ दबंगई का है , जिसमें ये अपने ही यहां 20 सालों से काम कर कर्मचारी के घर को जबरन कब्जा करवाते हुए उस कर्मचारी के घर में ताले लगवा देते हैं। उन्होंने कहा कि वायरल हो रहे इस वीडियो में वो कर्मचारी अपनी पीडा सुना रहा है कि प्रणव चैंपियन ने उनके घर में आप पार्टी ये मांग करती है कि सरकार पीडित को उसका घर प्रणव चैंपियन से मुक्त करवा कर दे।

छात्रों व शिक्षकों के हित में कार्य करेगी सपाः डॉ. सचान

- उच्च शिक्षा के बाजारीकरण का लगाया गया आरोप

भास्कर समाचार सेवा

पत्रकारों से वार्ता करते सपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सचान।

देहरादून। समाजवादी पार्टी (सपा) की ओर से समाजवादी शिक्षा सभा उत्तराखंड के पदाधिकारियों की घोषणा की गई। शुक्रवार को सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर व पूर्व कुलपति डीसी पांडे के निर्देशों पर शिक्षक सभा की घोषणा की गई। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एसएन सचान का कहना है कि समाजवादी शिक्षक सभा राज्य में प्राइमरी शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा की दशा व दिशा का अध्ययन कर छात्रों और शिक्षकों के हितों को लेकर सरकार को घेरेगी। शिक्षक सभा में सपा राष्ट्रीय सचिव डॉक्टर हरदयाल यादव, प्रदेश अध्यक्ष शंकरलाल कटियार, उपाध्यक्ष आरपी भारद्वाज व एसके शर्मा, महासचिव सुबोध यादव, रमेश सचान और एएल कटियार को जिम्मेदारी सौंपी गई।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि पलायन का एक कारण पहाड़ों में गुणवत्ता परक शिक्षा का अभाव भी है। पिछले 20 वर्षों में सरकारों ने स्कूलों, महाविद्यालय व विश्वविद्यालयों को नई तकनीक से नहीं जोड़ा। जिसके कारण पुस्तकालयों व विज्ञान की प्रयोगशाला में आधुनिकरण का अभाव है। कई दर्जन स्कूल छात्रों की संख्या कम होने के कारण दूसरे विद्यालयों में विलीन कर दिए गए हैं। माध्यमिक और उच्च शिक्षा में शिक्षकों के सैकड़ों पद खाली है। साथ ही गेस्ट फैकेल्टी के शिक्षकों से काम चलाया जा रहा है। उन्होंने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने विश्वविद्यालय अंब्रेला एक्ट लाकर राजभवन की गरिमा को कम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस कदम से 1973 से पहले की दशा हो जाएगी और शिक्षकों को तीन चार महीने बाद वेतन मिलेगा।

सब्जी और फलों का हाइजीन कैटेगरी में प्रवेश

देहरादून। देश की अग्रणी एफएमसीजी डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों में से एक एमवे इंडिया ने एमवे होम फ्रूट एंड वेजी वॉश के साथ अपने नवीनतम इनोवेशन-होम केयर कैटेगरी के लॉन्च की घोषणा की। होम-केयर समाधानों में अपनी दक्षता के दम पर और स्वास्थ्य परक उत्पादों की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपने प्रयास के तहत एमवे ने इस लॉन्च के साथ सब्जी और फलों की हाइजीन कैटेगरी में प्रवेश किया। इस सफाई समाधान में क्लोरीन, ब्लीच, अल्कोहल, कृत्रिम रंग या कोई भी पशु-आधारित तत्व नहीं हैं। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए एमवे इंडिया के सीईओ अंशु बुधराजा ने कहा कि हालिया वर्षों में उपभोक्ताओं की अच्छी घरेलू स्वच्छता संबंधी , बढ़ती आय और शहरीकरण के साथ-साथ उत्पादों की पहुंच में वृद्धि के कारण होम-केयर श्रेणी काफी विकसित हुई है।

पीएम एफएमई योजना से बढ़ेगी कृषकों की आयः सुबोध

- केंद्र और राज्य के किया जाएगा 90/10 के अनुपात में वित्तीय वहन

भास्कर समाचार सेवा

पीएम एफएमई योजना के संबंध में बैठक लेते कृषि मंत्री सुबोध उनियाल।

देहरादून। आत्म निर्भर भारत अभियान के अंतर्गत, खाद्य उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से केन्द्रपोषित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना प्रारम्भ की गई है, जिसका क्रियान्वयन केन्द्र एवं राज्य के मध्य 90:10 के अनुपात में वित्तीय वहन किया जायेगा। योजना का उद्देश्य कृषकों की आय बढाना और उद्यमी के रूप में स्थापित करना है।

प्रदेश के कृषि, कृषि विपणन, कृषि प्रसंस्करण, कृषि शिक्षा, उद्यान एवं फलोद्योग एवं रेशम विकास मंत्री सुबोध उनियाल ने विधान सभा स्थित सभागार कक्ष में कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग के अंतर्गत प्रधानमंत्री सुक्ष्म खाध उघोग उन्नयन योजना के संबंध में समीक्षा बैठक की।

बैठक में मंत्री सुबोध उनियाल को जानकारी देते हुए बताया गया प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाध उघोग उन्नयन योजना के तहत मजबूत परियोजना प्रबंधन फ्रेमवर्क की स्थापना की जायेगी। योजना के तहत पात्रता मापदण्ड, समूह श्रेणी हेतु सहायता, कॉमन इन्फ्रस्ट्रक्चर, ब्रांडिंग एवं विपणन, अनुदान के लिए बैंक के साथ समन्वय विषय पर भी विस्तार से समीक्षा की गई। प्रोसेसिंग, मार्केटिंग, ब्रेंडिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिये योजना बनाई जाएगी।

योजना के अंतर्गत उन्नयन के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को परियोजना लागत का 35 प्रतिशत अधिकतम 10 रूपए लाख तक की क्रेडिट-लिंक्ड राजसहायता प्रदान की जायेगी।

अर्थात अधिकतम 10 लाख तक की सब्सीडी दी जायेगी। इस योजना के अंतर्गत तकनीकी ज्ञान, कौशल प्रशिक्षण तथा हैंड-होल्डिंग सहायता सेवाओं के माध्यम से उद्यमियों की क्षमता निर्माण कराना है। इसके अलावा प्रौद्योगिकी उन्नयन के लिये मौजूदा सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमियों को ऋण दिलाना है। सूक्ष्म उद्योगों को साझा सेवाओं का लाभ देने के लिए कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) उत्पादक सहकारिताओं तथा सहकारी समितियों को उनकी सम्पूर्ण मूल्य श्रृंखला में सहायता करना है। योजना के अन्तर्गत एक जिला एक उत्पाद के चयन से कृषि उत्पादों की खरीद, साझा सेवाओं का लाभ लेने तथा उत्पादों के विपणन को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही दृष्टिकोण वैल्यू चैन व बुनियादी ढांचे के विकास के लिये रूप रेखा प्रदान करेगा। इस अवसर पर निदेशक, राम बिलास यादव सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

दैनिक भास्कर
स्वात्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार अग्रवाल द्वारा उत्तर भारत लाइव प्रिंटिंग प्रेस, एचसीएल कंपाउंड, सहारनपुर रोड, निरंजनपुर, देहरादून, उत्तराखंड से मुद्रित एवं 12/20, आशीर्वाद एनक्लेव, चकराता रोड देहरादून से प्रकाशित।
संपादक : संजय कुमार अग्रवाल
स्थानीय संपादक : गिरीश चंद्र तिवारी*
संपादकीय कार्यालय : 51/5 राजपुर रोड, नियर सीएन. आई. चर्च, देहरादून, 248001
कार्यालय : 0135-2655500
मोबाइल : +91-6396754808
website: dainikbhaskaruk.com
Editbhaskaruk@gmail.com
*इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी।
UTTHIN/2017/74028

आज का राशिफल

मेष : आज ऑनलाइन शॉपिंग कर सकते हैं। आपको आज सम्मान मिल सकता है। कारोबार में अच्छी खासी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। प्रगतिशील विचारों का प्रभाव आपके करियर को नये आयाम दे सकता है। परिजनों की कोई बात बुरी लग सकती है। कोशिश यह करनी होगी की निजी जीवन में अपनों को समझें और उनसे तालमेल बनाये रखें।

वृष : आमोद-प्रमोद में दिन बीतेगा। अधूरे कार्यों को शीघ्रता से पूरा करेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी ख्याति बढ़ेगी। सोच-समझकर ही किसी मुद्दे पर अपनी राय दें। किसी रिश्ते की ओर इच्छा बढाते चले जाने की बजाए अपनी मेहनत को सुदृढ़ करने की कोशिश करनी होगी।

मिथुन : जॉब और व्यापार में नयी तकनीकी का प्रयोग करेंगे। सही और गलत का निर्णय करने में चूक हो सकती है। अति आत्मविश्वास आपको भारी पड़ सकता है। दूर स्थान की यात्रा करने से बचें। प्रेम की अभिव्यक्ति में अतिश्योक्ति न करें।

कर्क : स्वास्थ्य को लेकर परेशानी रहेगी। दोपहर के बाद मन कुछ अशान्त हो सकता है। सहयोगी लोग आपकी भावनाओं का निरादर कर सकते हैं। जॉब में अस्थिरता जैसी स्थिति रहेगी। परिवार के सदस्यों के बीच अविश्वास की स्थिति बन सकती है। बहुत सारी अच्छाईयां भी हैं साथ जुडी हुई इसलिए अपनी कोशिशों से बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है ऐसा ही कहते हैं आपके तारे।

सिंह : अपने सामाजिक दायरे को बढ़ाने का प्रयास करेंगे। शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। मानसिक चिन्ता आज दूर हो सकती है। पुराने मित्रों से मिलाप होने के योग बन रहे हैं। आपका साहस और आत्मविश्वास बढ़ेगा। आय के स्रोतों से विशेष लाभ के योग धार्मिक यात्रा के योग जल विभागों से सफलता की प्राप्ति होगी।

कन्या : जीवनसाथी आपसे काफी प्रसन्न रहेगा। चुनौतियों का बेहतर सामना करेंगे। पारिवारिक मामलों में तनाव कम होगा। बच्चों की प्रगति से उत्साहित रहेंगे। सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रतिष्ठित लोगों से सहयोग मिलेगा। अपनी कोशिशों को थोड़ा सा भाव दे लेने से बहुत कुछ आपके हित में बन सकता है।

तुला : आपके कार्य की प्रशंसा होगी। गूढ़ विद्याओं और उच्च शिक्षा में रुचि लेंगे। आपका कोई कर्ज उतर सकता है। शरीर में उत्साह और ऊर्जा का प्रभाव रहेगा। आपकी आय बहुत ही अच्छी रहेगी। वैवाहिक जीवन में सुख की अनुभूति होगी। कोई भी कदम उठाने से पहले सोच लें की उसका असर कहाँ तक जाएगा ताकि फैसले सूझबूझ से किये जा सकें।

वृश्चिक : अनावश्यक खर्चे आपको परेशान कर सकते हैं। नजदीकी मित्रों का सहयोग मिलेगा। आपकी प्रतिभा का लोग सम्मान करेंगे। गुप्त बातें बाहर आ सकती हैं। भाग्य का साथ नहीं मिलेगा। धन के लेन-देन को लेकर परेशानी रहेगी। एक तरफ आप सामाजिक समारोह में बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहेंगे।

धनु : नौकरी में आपको प्रमोशन मिल सकता है। समाज की भलाई का काम करेंगे। आपके अधिकार और योग्यता में वृद्धि होगी। आपकी जीवनशैली बहुत रोमांटिक रहेगी। उधार लिया हुआ धन वापस मिलेगा। माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा नया संबंध लाभकारी रहेगा। कोई मित्र सहयोग नहीं करेगा।

मकर : नये कार्यों का शुभारम्भ होने की सम्भावना है। व्यापार में तेजी रहेगी। आपकी दिनचर्या बहुत ही अच्छी रहेगी। राजनीति से जुड़े लोगों का सम्पर्क बढ़ेगा। परिवार के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने का प्रयास करेंगे। मानसिक अस्थिरता को दूर करें और समय पर समाप्त करने का प्रयास करें।

कुंभ : ज्ञान-विज्ञान में रुचि लेंगे। धार्मिक क्रियाकलापों में रुचि लेंगे। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले लोगो को सफलता मिलेगी। दूर स्थान की यात्रा सौभाग्यदायी रहेगी। बुजुर्ग रिश्तेदारों से काफी कुछ सीखने को मिलेगा। परेशानी यह ही की कुछ समय से आपकी मेहनत में कमी आ चुकी है जिस ओर आप पूरी तरह से ध्यान नहीं दे पा रहे।

मीन : लोग आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं। माता की सेहत को लेकर चिन्ता रहेगी। व्यापार में आपको कुछ नुकसान उठाना पड़ सकता है। अनावश्यक मामलों में टांग न अड़ायें। वाहन चलाते समय सावधानी रखनी आवश्यक है। रोग, विपत्ति आदि में व्यय के योग।

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री, हरिद्वार
मो. 9837081951

सारसुर्खियां

सरकारी भूमि को किया अतिक्रमण से मुक्त

देहरादून। जिलाधिकारी डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव की ओर से जनपद में सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त किये जाने के लिए दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जिला प्रशासन की टीम की ओर से अब तक कुल 77.2648 हैक्टेयर सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त किया गया है। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही करें। बताया गया कि तहसील सदर अंतर्गत 10.8310 हैक्टेयर, डोईवाला अंतर्गत 40.5530 हैक्टेयर, कालसी में 2.0820 हैक्टेयर, ऋषिकेश में 22.4168 हैक्टेयर एवं विकासनगर में 1.3820 हैक्टेयर भूमि अतिक्रमणमुक्त की गई है।

गलत दिशा में जांच करने वाले दरोगा को मिलेगा दंडः नीरू

- पीड़ित की शिकायत पर की जाए निष्पक्ष जांच
- जनता के साथ पुलिस का होना चाहिए अच्छा बर्ताव

भास्कर समाचार सेवा

मातहतों से चर्चा करतीं डीआईजी गढ़वाल रेंज नीरू गर्ग।

देहरादून। पीड़ित की शिकायत पर एक दरोगा की ओर से सही जांच ना करना एवं सबूतों को छुपा कर दूसरी दिशा में जांच को मोड़ देने के मामले में जब अपील पुलिस उप महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र के पास आई तो उन्होंने सही तथ्यों के आधार पर जांच करने के आदेश देते हुए आरोपी दरोगा की भी जांच के आदेश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि गढ़वाल क्षेत्र में कोई भी पुलिस अधिकारी जांच को स्वयं मौके पर जाकर पूर्ण करें और सही तथ्यों के आधार पर रिपोर्ट भेजें जिससे आरोपी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा सके।
गढ़वाल परिक्षेत्र की डीआईजी नीरू गर्ग के पास सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत अपील की सुनवाई के दौरान एक प्रकरण संज्ञान में आया। जिसमें शिकायतकर्ता की प्रार्थना पत्र की जांच में जांचकर्ता अधिकारी ने सही तथ्यों को छोड़कर जांच को गलत दिशा में मोड़ दिया।
पीड़ित ने बताया कि उसका न तो पड़ोसी से कोई जमीनी विवाद है और न ही उसका चालान हुआ है। उसकी स्कूटी के साथ कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने हानि पहुंचायी और उसमें चीनी डाली गयी एवं स्कूटी का क्लच तोड दिया गया। इस मामले में जब निष्पक्ष जांच के लिए अपील डीआईजी के पास आई तो उन्होंने आनन-फानन में में पुलिस अधीक्षक चमोली को दोषी उपनिरीक्षक के विरूद्ध जांच कर सात दिन के अंदर रिपोर्ट भेजने के आदेश दिए। डीआईजी नीरू गर्ग ने कहा कि जनता के साथ थाना स्तर से इस प्रकार की सरसरी जांच कर आख्या प्रेषित करने के फलस्वरुप पीड़ित पक्ष को अनावश्यक रुप से परेशान न करे। किसी भी जांच को समाप्त करने के बाद सही तथ्यों को भेजा जाए। थाना स्तर पर उप-निरीक्षक की ओर से की गयी जांच को थाना प्रभारी स्वयं जांच कर उच्चाधिकारियों को भेजेंगे।

6 फरवरी से कुमाऊं रेंज में डीजीपी का भ्रमण

जनपद पुलिस के कामों की समीक्षा करने को लेकर पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार 6 से 8 फरवरी तक कुमाऊं परिक्षेत्र में दौरे पर रहेंगे। पुलिस मुख्यालय के अनुसार प्रदेश के डीजीपी अशोक कुमार 6 फरवरी को जनपद नैनीताल और ऊधमसिंहनगर, रामनगर, काशीपुर व 7 फरवरी को जनपद चम्पावत एवं पिथौरागढ 8 फरवरी को जनपद बागेश्वर एवं अल्मोड़ा में पुलिस कर्मियों एवं आम जन के साथ वार्ता करेंगे। डीजीपी इस दौरान कुमाऊं क्षेत्र के सभी जनपदों में पुलिस की गतिविधियों एवं कार्य की भी समीक्षा करेंगे। प्रदेश के कुमाऊं क्षेत्र में डीजीपी के आगमन को लेकर सभी जनपद प्रभारी अपनी अपनी तैयारियों में जुट गए हैं।

996 पदों पर प्रमोशन के लिए तय की गई तारीख

पुलिस मुख्यालय ने नागरिक पुलिस, अभिसूचना, सशस्त्र पुलिस, पीएसी एवं आईआरबी संवर्ग के कर्मियों की रैंकर्स उप निरीक्षक एवं प्रान्तीय योग्यता परीक्षा (मुख्य आरक्षी) पदोन्नति परीक्षा के कुल 996 पदों के लिए विज्ञप्ति जारी कर आवदेन पत्र ऑनलाइन आमंत्रित किये गए हैं। पुलिस मुख्यालय के अनुसार ऑनलाइन आवेदन पत्र उत्तराखंड पुलिस की वैबसाइट पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 27 जनवरी शाम 5 बजे तक है। परीक्षाओं की लिखित परीक्षा की संभावित तिथि 21 फरवरी है। जिसके चलते पदोन्नति पाने वाले परीक्षार्थी अपनी तैयारियों में जुट गए। बताया गया है कि पदोन्नति के लिए रैंकर उप निरीक्षक नागरिक पुलिस 36 व अभिसूचना 25, प्लाटून कमांडर पीएसी 77 पद, मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस व अभिसूचना 394 पद, मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस 215, मुख्य आरक्षी पीएसी व आईआरबी 249 पदों के लिए परीक्षा की जाएगी।

सचिवालय संघ के चुनाव में दीपक जोशी की हैट्रिक

देहरादून। उत्तराखंड सचिवालय संघ के द्विवार्षिक चुनाव में लगातार तीसरी बार अध्यक्ष पद पर दीपक जोशी ने कब्जा जमाया है। हालांकि महासचिव पद पर राकेश जोशी को मात देकर विमल जोशी ने जीत दर्ज की। शुक्रवार को सुबह 10 बजे से सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में सचिवालय संघ का चुनाव शुरू हुआ। शुरू से ही चुनाव को लेकर उत्साह की लहर नजर आई। अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए सदस्य कतारबद्ध नजर आए। कुल 1089 मतदाताओं में से 1008 में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। शाम चार बजे तक मतदान का समय था। इसके बाद शाम 4:30 बजे मतगणना शुरू हुई। जैसे-जैसे वोट खुलते गए, धड़कनें बढ़ती गईं। अध्यक्ष पद पर दीपक जोशी और नरेंद्र प्रसाद रतूड़ी के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। आखिरकार दीपक जोशी की नौ मतों से जीत हुई। अध्यक्ष पद पर जोशी की यह तीसरी जीत है।

कुंभ कार्यों के लिए मेला अधिकारी व कमिश्नर को दिए अधिकार

मैसर्स कैम्प को 132 नई एम्बुलेंस देने पर मुहर, उत्तराखंड राज्य औषधि नियंत्रण सेवा नियमावली को मंजूरी

भास्कर समाचार सेवा

- संतों को भू समाधि के लिए सरकार ने दी 43.84 हेक्टेयर भूमि
- बजट सलाहकार का नया पद सृजित, पंत को बनाया गया बजट सलाहकार
- उत्तराखंड मंत्रिमंडल की बैठक में 14 प्रस्तावों पर लगाई गई है मुहर

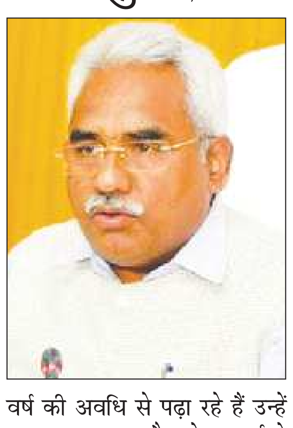

देहरादून। उत्तराखंड मंत्रिमंडल की बैठक में कुंभ के लिए मेला अधिकारी को दो करोड़ व कमिश्नर को 5 करोड़ की पावर देने के साथ ही 50 फीसदी कार्य को बढ़ाने की भी इजाजत दी गई है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिये गये है।
कैबिनेट बैठक के बाद शासकीय प्रवक्ता व शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक ने बताया कि कैबिनेट में कुल 15 मामले आये थे, जिनमें से एक को स्थगित रख बाकी सभी पर निर्णय ले लिया गया है। मदन कौशिक ने बताया कि प्रदेश में संस्कृति शिक्षा को बढ़वा देने केलिये संस्कृत शिक्षा विभाग में चार फैसले लिए गए।
कुम्भ मेला हरिद्वार 2021 कार्य के गति को तीव्र करने के लिये मेलाअधिकारी को 2 करोड़ और आयुक्त को 5 करोड़ तक के कार्य कराने की स्वीकृति दी गयी तथा मेलाअधिकारी स्वीकृत कार्यों को 50 प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं। इसके अतिरिक्त टैंडर की अवधि 7 दिन करने की अनुमति तथा कार्य को दो भाग में विभाजित करने की अनुमति दी गयी। संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिये संस्कृति शिक्षा के अन्तर्गत 155 शिक्षकों को प्रबंधकीय व्यवस्था के तहत जो 5 वर्षों से अधिक से पढ़ा रहे हैं उन्हें 15,000 रूपए, जो 5 वर्ष से 10 वर्ष की अवधि से पढ़ा रहे हैं उन्हें 25,000 रूपए. और जो 10 वर्ष से अधिक समय से पढ़ा रहे हैं उन्हें 30,000 रूपए प्रतिमाह दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त जो यू.जी.सी मानक के अनुसार पीएचडी एम. फिल करने वालों को 5,000 रूपए अतिरिक्त धनराशि दी जायेगी। अल्मोड़ा, विकास खण्ड चौखुटिया के अंतर्गत दिगौत स्थित सिंचाई खण्ड रानीखेत की भूमि को केन्द्रीय विद्यालय स्थापना को 0.25 हैक्टेयर की निःशुल्क भूमि दी जायेगी जिसकी लागत 21 लाख 65 हजार है।
चालू वित्त वर्ष के बजट से अनुसूचित जाति की नौवीं, दसवीं छात्रवृत्ति के अन्तर्गत पिछले वर्ष 2017-18, 2018-19 के संदर्भ में केन्द्र से छात्रवृत्ति न मिलने के कारण 22 हजार 492 छात्र वंचित थे, उनकी मांग के अनुसार मिले कम पैसे का भुगतान की अनुमति राज्य सरकार ने दी है।
यह धनराशि 3 करोड़ 79 लाख है। चालू वित्त वर्ष के बजट में ओ.बी.सी छात्रवृत्ति योजना में केन्द्र राज्य पोषित योजना के अन्तर्गत 4 करोड़ 36 लाख 17 हजार रूपए स्वीकृत किया गया है। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद में तकनीकी, अभियंत्रण विंग का गठन को 6 तकनीकि पदों का सृजन किया गया। राजकोषीय बजट नियोजन एवं संसाधन निदेशालय उत्तराखंड में बजट सलाहकार के निसंवर्गीय पद के सृजन एवं उक्त पद के सापेक्ष तैनाती को 28 फरवरी तक अनुमति दी गई है। उत्तराखंड राज्य औषधी नियंत्रण सेवा नियमावली, 2020 को स्वीकृति दिया गया।
शासकीय विभागों में विविध निर्माण कार्यों के सम्पादन को कार्यदायी संस्थाओं के निर्धारण के संबंध में उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम और उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निगम को लिस्ट से बाहर कर दिया गया है।
ग्रामीण अभियंत्रण सेवा को 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ तक के कार्य करने की स्वीकृति दी गई। यह शहरी निकाय, प्राधिकरण के अंतर्गत कार्य करने पर सेंटेज चार्ज नहीं लेगा। कोविड काल में छात्रवृत्ति का 100 प्रतिशत भौतिक सत्यापन ना होने के कारण जिलाधिकारी को अधिकार दिया गया कि रैंडम आधार पर 10 प्रतिशत लिस्ट का सत्यापन कर लेंगे। छात्रवृत्ति के सम्बन्ध में ऑनलाइन फॉर्म भरते समय त्रुटि पर फॉर्म को निरस्त नहीं किया जायेगा बल्कि त्रुटि ठीक करने का अवसर दिया जायेगा।
राज्य में कम्यूनिटी एक्सन थ्रो प्रोग्राम कैम्प की ओर से संचालित 108 आपातकालीन सेवा अनुबंध को नवीनीकृत करके पुनः स्वीकृति दी गयी जिसका भुगतान पूर्व के रेट पर होगा। उत्तराखण्ड पंचायती राज अधिनियम के तहत जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत चुने जाने पर निकाय बन जाने पर सदस्यता समाप्त नहीं होगी बल्कि वे उस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। कुम्भ मेला हरिद्वार 2021 के दौरान साधु महात्माओं द्वारा देहावसान की जाने की स्थिति में समाधि स्थल के लिए ध्यान कुंज के समीप हरिद्वार में 4.384 हैक्टेयर सिंचाई की भूमि आवंटित की गई है। उत्तर प्रदेश राज्य के आवंटित ऐसे कार्मिक जो दीर्घ अवधि से उत्तराखंड राज्य में कार्यरत हैं उनको राज्य सेवा संबंधी लाभ इस शर्त के साथ दिया जायेगा कि यहां की वरिष्ठता के क्रम में निचले स्तर पर रहेंगे।

स्पा सेंटरों पर पुलिस ने की ताबड़तोड़ छापेमारी

भास्कर समाचार सेवा

- पुलिस एक्ट में चालान कर आठ लाख रुपये का जुर्माना वसूला

देहरादून। दून में अनेक स्थानों पर चल रहे स्पा सेंटरों पर पुलिस ने छापेमारी की जिससे संचालकों में हड़कंप मच गया। अनियमितता मिलने पर पुलिस ने दर्जनों स्पा सेंटर के चालान किए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर योगेंद्र सिंह रावत ने देहरादून के विभिन्न स्पा सेंटरों की जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए थे। थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में नियमों का पालन नहीं करने पर 86 स्पा सेंटरों का पुलिस एक्ट में चालान कर 8 लाख 60 हजार का जुर्माना वसूल किया।
स्पा सेंटरों में कार्यरत कर्मियों के सत्यापन तथा उनके क्रियाकलापों के सन्दर्भ में जानकारी एकत्रित करने के लिए निर्देशित किया जिसके चलते पुलिस अधीक्षक नगर एवं ग्रामीण के निर्देशन में जनपद के नगर व देहात क्षेत्र में स्थित स्पा सेंटरों का पुलिस ने आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकांश स्पा सेंटरों में नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था तथा अपने यहां कार्यरत कर्मियों का सत्यापन तथा आने वाले ग्राहकों का रिकार्ड नियमित रूप से मेन्टेन नहीं किया जा रहा था।
पुलिस ने साथ ही सभी स्पा सेंटर संचालकों को अपने यहां कार्यरत कर्मियों का विस्तृत ब्योरा संबंधित थाने को उपलब्ध कराने स्पा सेंटर में आने वाले ग्राहकों का विवरण रजिस्टर में व्यवस्थित रूप से अंकित करने तथा स्पा सेंटरों में निर्धारित स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए सख्त हिदायत दी। स्पा सेंटरों की नियमित रूप से निगरानी करने को लेकर सभी थानों पर अलग से एक टीम गठित की गयी है। जिसके द्वारा नियमित रूप से स्पा सेंटरों का निरीक्षण कर वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को चेक की जाएगी।

भर्ती में आयोग की मनमानी बर्दाश्त नहींः संघ

- दोबारा परीक्षा आयोजित कराने की मांग पर अड़े हैं छात्र

भास्कर समाचार सेवा

आयोग पर मनमानी का आरोप लगा बैठक करते बेरोजगार संघ के पदाधिकारी।

देहरादून। उत्तराखंड बेरोजगार संघ के पदाधिकारियों ने फॉरेस्ट गार्ड भर्ती को लेकर आयोग पर मनमानी का आरोप लगाया है। शुक्रवार को संगठन की ओर से एक बैठक आहूत की गई। जिसमें छात्रों ने फॉरेस्ट गार्ड भर्ती को लेकर आयोग पर मनमानी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि फॉरेस्ट गार्ड भर्ती में धांधली का स्तर बहुत बड़ा है। साथ ही परीक्षा के दौरान धांधली सबके सामने उजागर हुई है। फिर भी आयोग पुनर्परीक्षा कराने के पक्ष में नहीं है। जो कि प्रदेश के छात्रों के साथ सरासर नाइंसाफी है। उन्होंने आयोग पर हमला करते हुए कहा कि आयोग और सरकार दोषियों को बचाने में मदद कर रही है। साथ ही फॉरेस्ट गार्ड के कई दोषियों को क्लीन चिट दे चुके हैं। जबकि भर्ती में भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले संगठन के पदाधिकारियों पर संगीन धाराओं के तहत मुकदमे किए गए हैं। जिसमें संघ के अध्यक्ष बॉबी पंवार पर धारा 147, 309, 332, 342, और 353 के तहत पांच धाराएं लगाकर मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं बॉबी पंवार का कहना है कि प्रदेश सरकार की ओर से 7 वर्ष बीत जाने के बाद भी अभी तक पुलिस सिपाही की विज्ञप्ति जारी नहीं की गई हैं। जिसमें सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए मानक आयु सीमा 18 से 22 वर्ष है। ऐसी स्थिति में प्रदेश के हजारों युवा बिना भर्ती दिए मानक आयु सीमा को पार कर गए हैं। जिस कारण इन युवाओं का पुलिस बनने का सपना सिर्फ सपना ही रह गया है। उन्होंने मांग की है कि जल्द से जल्द पुलिस सिपाही की विज्ञप्ति जारी कर कम से कम 5 वर्ष आयु सीमा को बढ़ाया जाए। संगठन ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों पर विचार नहीं करती है तो जल्द ही प्रदेशव्यापी आंदोलन होगा।

सड़कें होती हैं विकास का प्रतिबिम्बः जोशी

देहरादून। मसूरी विधायक गणेश जोशी ने न्यू कैंट रोड़ स्थित अपने कार्यालय में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की बैठक ली और मसूरी विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यो की समीक्षा की। विधायक जोशी ने कहा कि सड़क क्षेत्र में विकास का प्रतिबिम्ब होता है इसलिए सड़कों की स्थिति को प्राथमिकता पर ठीक करवाया सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जिला योजना, राज्य योजना, वार्षिक नवीनीकरण योजना जैसे अन्य मदों से क्षेत्र में हो रहे कार्यो की प्रगति जानी। उन्होंने कहा कि राज्य योजना के कार्यो का आगणन तैयार कर अतिशीघ्र शासन को भेंजे ताकि स्वीकृति प्राप्त कर निर्माण कार्य प्रारम्भ किये जा सकें। विधायक जोशी ने अधिकारियों को कहा कि वन विभाग में अटकी सड़कों के निस्तारण के लिए नोडल नामित कर कार्य किया जाए।

बढती महंगाई को लेकर महानगर महिला कांग्रेस का प्रदर्शन

- जुमला साबित हुआ सौ दिन में महंगाई कम करने का वायदाः रमन

भास्कर समाचार सेवा

गांधी पार्क के बाहर प्रदर्शन करती महिला कांग्रेस कार्यकर्ता।

देहरादून। महानगर महिला कांग्रेस ने बिजली, पानी, रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल, टमाटर सहित सब्जियों, एवं अनाजों के बढ़ते दामों तथा रोज-रोज बढती मंहगाई को लेकर शुक्रवार को गांधी पार्क में महानगर अध्यक्ष कमलेश रमन के नेतृत्व में खाली थाली लेकर विरोध प्रदर्शन किया।
कमलेश रमन ने कहा कि भाजपा के शासन में मंहगाई अपने चरम पर है तथा आम आदमी का जीना दूभर हो चुका है। बिजली, पानी एवं अनाजों के दाम बेतहाशा बढ़ते जा रहे हैं तथा भाजपा की केन्द्र व राज्य सरकारें मंहगाई पर काबू पाने में असफल साबित हुई हैं। 100 दिन में मंहगाई कम करने का वायदा करने वाली मोदी सरकार ने मंहगाई से देश की जनता का बुरा हाल कर दिया। बढ़ती मंहगाई के विरोध में कांग्रेस पार्टी आम जनता के साथ खडी होकर सरकार की नीतियों का विरोध करती है। उन्होंने कहा कि 2014 में 400 का रसोई गैस सिलेण्डर 714 पार कर गया है, पेट्रोल 82 रूपये तथा डीजल 75 रूपये से उपर पहुंच गया। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा सरकार बनने पर मंहगाई कम करने, दो करोड़ बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने का वायदा एक जुमला साबित हुआ। खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के कारण आम आदमी को दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है तथा मंहगाई का बोझ आम आदमी के जीने की राह और कठिन बना रहा है। विरोध प्रदर्शन में चन्द्रकला नेगी, संगीता गुप्ता, देविका रानी, मीना रावत, गायत्री, सुषमा, सरोज शर्मा, सरोज सैनी, ममता वर्मा, आशा पयाल, रूबिना चैधरी, ममता शाह, निर्मला देवी, कृष्णा देवी, ममता बसनेत, कांता क्षेत्री, सुशीला शर्मा आदि शामिल थीं।

निरीक्षकों को मिली नई तैनाती

देहरादून। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने शुक्रवार को कई निरीक्षकों के स्थानांतरण शाखाओं में किए गए। एसएसपी डॉक्टर योगेंद्र सिंह रावत ने स्थानांतरण करते हुए निरीक्षक महेंद्र सिंह चौहान को पुलिस लाइन से एसआईएस शाखा में तैनात किया है, निरीक्षक महेश चंद जोशी पुलिस लाइन देहरादून से प्रभारी डीसीसी बनाया। निरीक्षक सतवीर बिष्ट पुलिस लाइन देहरादून से प्रभारी डीसीआरबी व निरीक्षक मनोज असवाल पुलिस लाइन से प्रभारी मानवाधिकार प्रकोष्ठ पर नियुक्ति की। निरीक्षक बीएल भारती को पुलिस लाइन देहरादून से प्रभारी महिला हेल्पलाइन देहरादून बनाया।

पद संभालने के बाद विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल से मिले प्रमुख मुख्य वन संरक्षक राजीव भरतरी

उत्तराखंड में बर्ड फ्लू की स्थिति व कई अन्य मुद्दों पर चर्चा

भास्कर समाचार सेवा

प्रमुख मुख्य वन संरक्षक से चर्चा करते प्रेमचंद अग्रवाल।

देहरादून। वन विभाग के प्रमुख मुख्य वन संरक्षक की कमान संभालने के बाद शुक्रवार को पीसीसीएफ राजीव भरतरी ने विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल से विधानसभा भवन स्थित उनके कार्यालय कक्ष में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रभागीय वन अधिकारी राजीव धीमान भी मौजूद थे।
भेंटवार्ता के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने राज्य में बर्ड फ्लू के रोकथाम एवं सुरक्षा संबंधित विषय पर मुख्य वन संरक्षक से जानकारी प्राप्त की। जिस पर मुख्य वन संरक्षक ने बताया कि पक्षियों की मौत के मामलों को देखते हुए सतर्कता बढ़ा दी गई है। प्रवासी पक्षियों की निगरानी के लिए सभी संभावित क्षेत्रों में ड्रोन की व्यवस्था और 24 घंटे निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कुंभ मेले के दौरान हरिद्वार से ऋषिकेश के बीच के सड़क मार्ग पर वन्यजीवों का आवागमन न हो एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या ना हो इस संबंध में पहले से व्यवस्था बनाने की बात कही।
इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रायवाला एवं प्रतीत नगर में वन्य सीमा से सटे क्षेत्र में सोलर फेंसिंग लगाने के निर्देश दिए। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि रायवाला, प्रतीत नगर क्षेत्र राजाजी टाइगर रिजर्व की सीमा के साथ लगे होने के कारण वन्यजीवों से फसलों तथा अन्य संपत्ति को नुकसान पहुंच रहा है एवं गुलदार आदि हिंसक जानवरों से मनुष्य की जान का खतरा भी बना रहता है। अग्रवाल ने अधिकारियों से शीघ्र ही रायवाला, प्रतीत नगर क्षेत्र में सोलर फेंसिंग लगाये जाने के लिए कहा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वन क्षेत्र से सटे इन सभी संपर्क मार्गों का पक्का निर्माण करना अति आवश्यक है क्योंकि संपर्क मार्ग के पक्के ना होने के कारण स्थानीय लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा सरकार के खिलाफ आंदोलन करेगी कांग्रेसः शर्मा

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के सेवला ब्लॉक के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा की उपस्थिति में ब्लाक अध्यक्ष मुकीम अहमद की अध्यक्षता में हुई।
बैठक में भाजपा सरकार के किसान विरोधी, बेरोजगार विरोधी एवं गरीब विरोधी फैसलों की निंदा की गई तथा इसके खिलाफ प्रस्ताव पारित करते हुए किसान विरोधी बिलों के विरोध में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों तथा पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की तैयारी पर चर्चा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों ने अवगत कराया कि स्मार्ट सिटी कार्य चलने से महानगर की समस्याएं और बढ़ती जा रही हैं। स्मार्ट सिटी के निर्माण कार्यों के चलते सीवर लाईन, पेयजल लाईन, सडकों व नालियों के निर्माण से आवागमन में जगह-जगह अवरोध उत्पन्न हो रहा है। सीवर लाईनों की खुदाई के कारण सीवर का गन्दा पानी सडकों पर फैल रहा है तथा कहीं कहीं लोगों के घरों में घुस रहा है। जिसके लिए शासन प्रशासन पर दबाव बनाने का भी निर्णय लिया गया। ब्लाक अध्यक्ष मुकीम अहमद ने बैठक में उपस्थिति सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी में अभी से जुट जाने का आह्वान किया।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सपना तोमर पत्नी श्री शेर सिंह की दो मूल विक्रयपत्र जो भूमि/सम्पत्ति स्थित खतोनी स. 20 खसरा नं. 161ख, मौजा नागल हथनाला परगना परवादून तहसील देहरादून से सम्बन्धित है तथा जो सब रजिस्ट्रार कार्यालय, देहरादून के यहां बही नं0 1 की जिल्द 2299 के पृष्ठ 177 से 204 दस्तावेज न. 10915 दिनांक 05/11/2015 और दूसरा मूल (जो कि पुराना खसरा सं 111) बही न. 1, जिल्द न. 2081, पृष्ठ 237 से 258, दस्तावेज न. 2337 दिनांक 13/04/2018 विधिवत रुप से दर्ज है वास्तव में कहीं खो गयी है जो बहुत तलाश करने के पश्चात भी नही मिली। जिसे भी मिले/आपत्ति हो कृप्या सूचित करें।

एडवोकेट शम्मी टंडन
मो. 9897006975

आज ही के दिन 1924 में भारतीय राजनेता और शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का जन्म हुआ था।

सारसुर्खियां

रविवार को होगा धर्मार्थ चिकित्सालय का लोकार्पण

हरिद्वार। प्राचीन अवधूत मंडल आश्रम के गुरूदेव स्वामी रामप्रकाश महाराज की पुण्य स्मृति में स्थापित श्री स्वामी रामप्रकाश धर्मार्थ चिकित्सालय का लोकार्पण समारोह रविवार को पूज्य संतजनों की पावन सानिध्य में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए प्राचीन अवधूत मंडल आश्रम के परमाध्य महंत रूपेंद्र प्रकाश ने बताया कि जूना पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज की अध्यक्षता में लोकार्पण समारोह 24 जनवरी को प्रातः 10 बजे से आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरी महाराज, स्वामी वियोगानंद सरस्वती, स्वामी रामदेव, अति विशिष्ट अतिथि के रूप में हंस फाउंडेशन की अध्यक्ष मंगला माता, भोलेजी महाराज, स्वामी ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी महाराज, विजय कौशल महाराज सहित अध्यात्म जगत की महान विभूतियां उपस्थित रहेंगी। संघ परिवार से मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. दिनेश, डॉ. एसके वर्मा का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लोकार्पण की समस्त व्यवस्थाओं को पूर्ण करने में स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसायटी एवं संस्था के ट्रस्टीगण पूर्ण मनोयोग के साथ लगे हैं।

जानकारी देगी महासभा

हरिद्वार। उत्तराखंड ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष पंडित पदम प्रकाश शर्मा ने कहा है कि गणतंत्र दिवस लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है। इस दिन स्वतंत्र भारत का अपना संविधान लागू हुआ था। संविधान के निर्माण से लेकर लागू करने में ब्राह्मण समाज का बहुत बड़ा योगदान रहा है और गणतंत्र दिवस के अवसर पर हम सबको भारतीय संविधान के संरक्षण एवं सम्बर्धन का संकल्प लेना है।
वे भगत सिंह चौक स्थित जवाहरलाल नेहरु राष्ट्रीय युवा केंद्र के सभागार में उत्तराखंड ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में आयोजित युवा विंग की बैठक को अध्यक्षीय पद से संबोधित कर रहे थे। संविधान को लोकतंत्र की आत्मा बताते हुए उन्होंने कहा कि देश हो या धर्म, राज्य हो या परिवार, सभी को नियमानुसार संचालित करने के लिए एक नियमावली होती है, जिसे संविधान कहते हैं। हमारे देश का संविधान पूरे विश्व मे अद्वितीय है। उन्होंने ब्राह्मण समाज की युवा पीढ़ी का आह्वान किया कि अपने पूर्वजों से प्रेरणा लें।

रंगों के माध्यम से अपनी बात कहने का माध्यम है रंगोली: डॉ. बत्रा

- एसएमजेएन महाविद्यालय ने किया रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन
- अनवांडेट टच टीम को मिला प्रतियोगिता में ज्यूरी स्पेशल पुरस्कार

भास्कर समाचार सेवा

प्रतियोगिता के दौरान रंगोली बनातीं एसएमजेएन कॉलेज की छात्राएं।

हरिद्वार। एसएमजेएन कॉलेज में युवा चेतना पखवाड़े के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 28 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें टीम 1 में शबनम एमए प्रथम व आमिर बीए प्रथम, टीम 2 में कु. निधि, कु. गुंजन पांडेय, कु. नवनीत कौर, कु. युक्ता गुजराल, कु. ज्योति (बीएससी तृतीय), टीम 3 में कु. खुशी जैन, कु. सौम्या अग्रवाल, कु. खुशी केशवानी, कु. शगुन गोयल, कु. अक्षिता गोस्वामी, कु. विधि गौतम, कु. साक्षी, कु. आकांक्षा (बीकॉम प्रथम), टीम 4 में कु. मनीषा अग्रवाल, कु. नविशा अग्रवाल, कु. किरण, कु. पूजा (बीए प्रथम), टीम 5 में गौरव बंसल बीकॉम, टीम 6 में कु. निधि यादव, कु. आरती रावत, कु. रीतिका सिंह समस्त (बीकॉम प्रथम), टीम 7 में संतोष, अजय कुमार (एमए तृतीय) तथा टीम 8 में कु. रिया बड़ेवाल, कुलदीप व कु. अफशाना (बीकॉम पंचम सेमेस्टर) सहित अनेक छात्र-छात्राओं ने कोविड-19 के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रतिभाग किया।

छात्र-छात्राओं ने अपनी रंगोली की कला के माध्यम से विभिन्न संदेश देने का कार्य किया, जिसमें 'पीकॉक विद लेडी', 'कोरोना वारियर्स', नो ड्रग्स, नो चाइल्ड लेबर, स्टॉप रेप, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, अनवांटेड टच, फेस्टिवल रंगोली आदि आकर्षण का केंद्र रहे। रंगोली प्रतियोगिता में अनवांडेट टच टीम को ज्यूरी स्पेशल पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त कोरोना वारियर्स व नेताजी सुभाष चंद्र बोस की रंगोली बनाने वाली टीम 2 व टीम 5 ने प्रथम स्थान, नो ड्रग्स एंड नो चाइल्ड लेवर व स्टॉप रेप की रंगोली बनाने वाली टीम 3 व टीम 4 ने द्वितीय स्थान तथा पीकॉक विद लेडी व फेस्टिवल रंगोली बनाने वाली टीम 1 व टीम 7 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। टीम 8 को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। निर्णायक मंडल में सीए चित्रा नाहटा, सीए नितिन कुमार भटनागर, डॉ. विनीता चौहान, अंकित अग्रवाल, पंकज यादव आदि रहे।

इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने समस्त प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रंगोली की कला परंपरागत भारतीय कला देहातों से निकलकर शहरों तक में छाई हुई है।

रंगोली केवल रंग नहीं, अपितु अपनी बात कहने का सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि रंगोली प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपने-अपने संदेशों को रंगोली के माध्यम से प्रस्तुत किया। मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ. सरस्वती पाठक ने सभी प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि छात्र-छात्राएं अपनी कला के माध्यम से अपने महाविद्यालय व परिवार को नाम गौरवान्वित करेंगे। मुख्य अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय माहेश्वरी ने छात्र-छात्राओं को बधाई दी व कहा कि शैक्षणिक गतिविधियां महाविद्यालय में होनी चाहिएं। इनके बिना शिक्षा अधूरी है।

इस अवसर पर डॉ. जगदीश चंद्र आर्य, विनय थपलियाल, वैभव बत्रा, कार्यालय अधीक्षक मोहन चंद्र पांडेय, हेमवंती पोखरिया, संजीत कुमार, होशियार सिंह चौहान आदि ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

सांसद, विधायक, मंत्री भी लगवाएं कोरोना का टीका

हरिद्वार। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता सुनील अरोड़ा ने प्रेस बयान जारी करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रिमंडल, सभी संसद सदस्य, राज्यों के मुख्यमंत्री, मंत्रिमंडल व सभी विधायक कोरोना टीका लगवाएं, जिससे आम जनता में विश्वास पैदा हो। सुनील अरोड़ा ने कहा कि टीकाकरण की शुरूआत ही मंत्रिमंडल के सदस्यों को टीका लगाकर की जानी चाहिए थी। इससे जनता में भ्रम की स्थिति नहीं बनती। अन्य देशों में सबसे पहले शीर्ष पदों पर आसीन लोगों को टीका लगाकर टीकाकरण की शुरूआत की गई, जबकि भारत में ऐसा नहीं किया गया। आम जनता के सवाल उठाने पर अब अगले चरण में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों व केंद्र तथा राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों को टीका लगाने की बात की जा रही है। उन्होंने कहा कि हरिद्वार के सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, विधायक तथा शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक, योग गुरु बाबा रामदेव जैसी शख्सियतों को टीका लगवाकर जनता में भरोसा कायम करना चाहिए।

बोर्ड अधिवेशन शीघ्र आहूत कराएं मेयर: भाटी

मेयर व नगर आयुक्त की अनुपस्थिति में एसएनए महेन्द्र यादव को सौंपा ज्ञापन

- एक वर्ष से नहीं हो सका है आयोजन

भास्कर समाचार सेवा

एसएनए को ज्ञापन सौंपते भाजपा पार्षद दल के उपनेता अनिरुद्ध भाटी।

हरिद्वार। बोर्ड अधिवेशन शीघ्र आहूत कराने के लिए भाजपा पार्षदों ने भाजपा पार्षद दल के उपनेता अनिरूद्ध भाटी व राजेश शर्मा के नेतृत्व में मेयर व नगर आयुक्त की अनुपस्थिति में एसएनए महेंद्र यादव को ज्ञापन सौंपकर अति शीघ्र बोर्ड अधिवेशन बुलाने की मांग की। अनिरूद्ध भाटी ने कहा कि विगत एक वर्ष से नगर निगम की कार्यकारिणी व बोर्ड अधिवेशन आयोजित नहीं किया गया है। अब जब कोरोना महामारी समाप्ति की ओर है और कुंभ मेला प्रारंभ होने वाला है, ऐसे में शहर की बदहाल सफाई व पथ प्रकाश व्यवस्था को दुरूस्त करने व वार्डों में विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाने के लिए निगम की कार्यकारिणी व बोर्ड अधिवेशन एक सप्ताह के भीतर बुलाया जाना जनहित में अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि अफसोसजनक स्थिति यह है कि शहर की बदहाल सफाई व्यवस्था को सुधारने के स्थान पर मेयर कांग्रेसी नेताओं के हाथों की कठपुतली बनकर रह गई हैं, जिससे विकास कार्य बाधित हो रहे हैं।

उपनेता राजेश शर्मा ने कहा कि मेयर की अकर्मण्य कार्यशैली के चलते नगर निगम शहर की सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने में असफल साबित हो रहा है। मेयर शहर को कूड़े के ढेर बनाकर पुनः केआरएल को सफाई व्यवस्था सौंपना चाहती हैं। उन्हें यदि शहर की सफाई व्यवस्था की चिंता है तो तुरंत बोर्ड बैठक आहूत कर इस पर विचार-विमर्श होना चाहिए।

पार्षद शशिकांत वशिष्ठ व राधेकृष्ण शर्मा ने कहा कि मेयर ने स्वयं कार्यकारिणी की बैठक बुलाई। वहां शहर की समस्याओं पर विचार-विमर्श करने के स्थान पर एमएनए की अनुपस्थिति का बहाना कर स्वयं बैठक प्रारंभ करने से पूर्व ही चली गईं। इससे साबित होता है कि उन्हें शहरवासियों के समस्याओं के समाधान करने के स्थान पर राजनीति नौटंकी करने की आदत पड़ गई है। पार्षद सपना शर्मा व शुभम मैंदोला ने कहा कि अफसोसजनक स्थिति यह है कि मेयर सवा साल में बोर्ड की बैठक बुलाने में भी असफल साबित हो रही हैं। शहर की सफाई व्यवस्था राम भरोसे चल रही है।

पार्षद विनित जौली व विकास कुमार विक्की ने कहा कि सभी भाजपा पार्षद ज्ञापन के माध्यम से शीघ्र बोर्ड बैठक आहूत करने के लिए ज्ञापन देने आये हैं। यदि मेयर ने एक सप्ताह के भीतर बोर्ड अधिवेशन आहूत नहीं किया तो भाजपा पार्षद दल नियमानुसार स्वयं बैठक आयोजित करवाएगा। मेयर व नगर आयुक्त की अनुपस्थिति में एसएनए महेन्द्र यादव ने ज्ञापन प्राप्त कर पार्षदों को आश्वस्त किया कि वह उनकी भावनाओं से मेयर व नगर आयुक्त को अवगत कराएंगे।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से पार्षद विनित जौली, राधेकृष्ण शर्मा, शुभम मैंदोला, सचिन अग्रवाल, विकास कुमार विक्की, नितिन शर्मा माणा, आशा सारस्वत, प्रशांत सैनी, सपना शर्मा, पीएस गिल, लोकेश पाल, बबीता वशिष्ठ, सुनीता शर्मा, अनिल वशिष्ठ, योगेंद्र सैनी, ललित रावत, कमल बृजवासी, किशन बजाज, पुष्पा शर्मा आदि शामिल रहे।

नेताजी की जयंती के संबंध में चर्चा करते पं. अधीर कौशिक।

संतों के सानिध्य में मनाई जाएगी नेताजी की जयंती

भास्कर समाचार सेवा

- युवा पीढ़ी को नेताजी के जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत

हरिद्वार। देश की आजादी के नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पंडित गोविंद बल्लभ पंत पार्क में संत समाज के सानिध्य में मनाई जाएगी। जानकारी देते हुए श्री अखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष समाजसेवी पंडित अधीर कौशिक ने बताया कि युवा पीढ़ी को नेताजी के बारे में बताया जाएगा।

उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को उनके जीवन से सीख लेनी चाहिए। देश व राष्ट्र की उन्नति में युवाओं को अपना योगदान देना होगा। देश के अमर शहीदों के जीवन से जुड़ी जानकारियों को समाज के समक्ष रखना चाहिए। श्री अखंड परशुराम अखाड़े के संयोजन में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बाबा हठयोगी होंगे।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा स्वामी रामानंद महाराज, स्वामी भास्कर पुरी, भागवताचार्य पवन किशन शास्त्री, आचार्य विष्णु शर्मा शास्त्री, डॉ. शक्तिधर शास्त्री, सुमित चावला, सुनील प्रजापति, विनोद मिश्रा, देवभूमि सिविल सोसायटी के महासचिव जेपी बडोनी, तनुज आदि भी मौजूद रहेंगे।

रक्तदान से बड़ा नहीं कोई भी दान

- संकल्प वेलफेयार सोसायटी ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

भास्कर समाचार सेवा

रक्तदान करते संकल्प वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष रवीश भटीजा।

हरिद्वार। संकल्प वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष रविश भटीजा के संयोजन में रक्तकोष में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में सोसायटी के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रविश भटीजा ने कहा कि रक्तदान करने से किसी भी प्रकार की कमजोरी नहीं आती है। आपके द्वारा दिया गया रक्त किसी के प्राणों की रक्षा करता है। रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से समय समय पर सोसायटी के सदस्य रक्तदान करते चले आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि रक्तकोष की कमी को दूर करने के लिए समय-समय पर रक्तदान अवश्य करें। रक्तदान के प्रति लोगों को संकल्प लेना चाहिए। आज के परिवेश में कई तरह की बीमारियां शरीर में घर कर लेती हैं। रक्तदान करते समय से सभी जांच अवश्य करानी चाहिए।

इस अवसर पर रक्तदान करने वालों में रविंद्र नेगी, सुमित ठाकुर, विकास चौहान, कमल पाहवा, शुभम, निश्चल, आशीष, सौरभ वर्मा, हरिओम कुमार, योगेश कुमार आदि शामिल रहे।

भैरव सेना ने दी आंदोलन की चेतावनी दी

हरिद्वार। भैरव सेना के कार्यकर्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देकर प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजीव चौधरी सहित दर्जनों व्यापारियों पर दर्ज किए गए मुकदमे को वापस लेने की मांग की है। मुकदमे वापस नहीं लिए जाने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए चरणजीत पाहवा ने कहा कि कुंभ मेला नोटिफिकेशन जारी करने की मांग को लेकर प्रदेश व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजीव चौधरी सहित व्यापार मंडल के व्यापारियों ने 14 जनवरी को हरकी पैड़ी पर जाकर स्नान किया था। इसके चलते मेला प्रशासन की ओर से व्यापारियों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

भगवान बाल्मीकि ने जन-जन तक पहुंचाई श्रीराम की महिमा

- बाल्मीकि बस्ती में श्रीराम जन्मभूमि निधि समर्पण अभियान चलाया

भास्कर समाचार सेवा

श्रीराम जन्मभूमि निधि समर्पण अभियान चलाते आरएसएस स्वयंसेवक।

हरिद्वार। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निधि समर्पण अभियान के तहत शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक युद्धवीर सिंह ने सेवा बस्ती बाल्मीकि बस्ती ज्वालापुर में जनसंपर्क कर निधि समर्पण एकत्रित की। अभियान के तहत घर घर जाकर भगवान श्री राम के भव्य मंदिर में समर्पण निधि देने का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि जब जब प्रभु राम का नाम आता है, तब-तब भगवान बाल्मीकि का स्मरण होता है। भगवान बाल्मीकि ने रामायण की रचना कर आने वाली पीढ़ी को प्रभु राम एक चरित्र आदर्श मर्यादा संघर्ष को बताया।

उन्होंने कहा कि भगवान बाल्मीकि में माता सीता को धर्म पुत्री मान पितृत्व प्रदान किया। यही नहीं, उन्होंने प्रभु राम के बेटे लव-कुश को शिक्षा-दीक्षा देकर वीर ज्ञानी बनाया। ऐसे भगवान बाल्मीकि के वंशज भी हमारे लिए पूजनीय हैं। प्रभु राम हम सबके हैं। 500 वर्ष के बाद अब यह मौका आया है, जब प्रभु अपने भव्य मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं। प्रभु राम का मंदिर देश-दुनिया के लिए एक आदर्श बने, इसलिए हम सबको मिलकर सहयोग करना है। प्रत्येक हिंदू का मंदिर निर्माण में योगदान हो, इसी भावना से यह जन अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान प्रांत प्रचारक युद्ववीर ने छोटे बच्चों से प्रभु राम के बारे में कुछ प्रश्न भी पूछे जिनका उत्तर बच्चों ने बड़े उत्साहपूर्वक दिया। जन संपर्क में घरों की माता-बहनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी समर्थ के अनुसार सहयोग दिया।

इस मौके पर आरएसएस जिला कार्यवाह अंकित सैनी, जिला प्रचारक अमित कुमार, नगर प्रचारक रमेश मुखर्जी, नगर अभियान प्रमुख गुरमीत सिंह, डॉ. अनुराग वत्स, संजय शर्मा, अमित शर्मा आदि उपस्थित रहे।

गढ़वाल मंडल आयुक्त ने कुंभ मेला क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

आस्था पथ के निर्माण कार्यों में लाएं तेजी: रमन

भास्कर समाचार सेवा

आस्था पथ का निरीक्षण करते गढ़वाल मंडल अयुक्त रविनाथ रमन।

हरिद्वार। गढ़वाल मंडल आयुक्त रविनाथ रमन ने कुंभ मेला-2021 के अंतर्गत हरिद्वार में कराये जा रहे कार्यों की कुंभ की व्यवस्थाओं की तैयारियों की दृष्टि से समीक्षा बैठक एवं स्थलीय निरीक्षण किया।

समीक्षा बैठक के दौरान रविनाथ रमन को मेलाधिकारी दीपक रावत ने आस्था पथ पर गंगा का पानी पहुंचाने, पुलों के निर्माण की स्थिति, गौरी शंकर दीप व बैरागी क्षेत्र में हो रहे कार्यों की प्रगति, बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए रैन बसेरों, जनपद के अलग-अलग क्षेत्रों में बनाये जा रहे बस अड्डों के निर्माण की प्रगति, मुख्य-मुख्य भवनों तथा अन्य क्षेत्रों में कुंभ की थीम, उत्तराखंड के आइकॉन आदि से संबंधित चित्रकारी करवाना आदि निर्माण कार्यों की जानकारी दी। मंडलायुक्त ने बैठक के दौरान जिलाधिकारी सी रविशंकर, पुलिस महानिरीक्षक कुंभ मेला, संजय गुंज्याल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सैंथिल अबुदई कृष्णराज एस. से भी महाकुंभ के संबंध में विस्तृत चर्चा की।

समीक्षा बैठक के पश्चात मंडलायुक्त ने सर्वप्रथम आस्था पथ का निरीक्षण किया तथा कार्य करने की गति में तेजी लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। मेलाधिकारी ने मंडलायुक्त को बताया कि अंडरग्राउंड पाइप डालकर गंगा का पानी आस्था पथ पर लाया जाएगा। मंडलायुक्त आस्था पथ से जब चंडीदीप की ओर जा रहे थे, तो उन्होंने एनएच के ओवरब्रिज पर चित्रकारी बनी देखी तो उसके संबंध में भी उन्होंने अधिकारियों से जानकारी ली। तत्पश्चात मण्डलायुक्त ने गौरीशंकर एरिया का निरीक्षण किया। उसके बाद उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों से मौके पर गौरीशंकर दीप में बिजली की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली । उन्होंने गौरीशंकर व बैरागी में स्वीकृत कार्यों को द्रुत गति से पूर्ण किये जाने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर मेला अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, रामजी शरण शर्मा उप मेला अधिकारी, अंशुल सिंह, किशन सिंह नेगी, दयानंद सरस्वती, अपर पुलिस अधीक्षक, मनोज कत्याल, सेक्टर मजिस्ट्रेट अजय सिंह आदि सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जन-जन के आराध्य हैं भगवान परशुराम

- धर्मनगरी में परशुराम के नाम पर घाट एवं चौराहा बनाने की मांग

भास्कर समाचार सेवा

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते परशुराम भक्त।

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में भगवान परशुराम के नाम पर परशुराम घाट एवं परशुराम चौराहे का निर्माण कराने के साथ प्रतिमा लगाने की मांग को लेकर परशुराम भक्तों ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया। वरिष्ठ समाजसेवी पंडित संगम शर्मा के नेतृत्व में परशुराम भक्तों ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देकर हरिद्वार क्षेत्र में भगवान परशुराम के नाम पर परशुराम घाट एवं परशुराम चौराहा बनाने एवं भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थापित करने की मांग की।

इस मौके पर पंडित संगम शर्मा ने कहा कि कुंभ क्षेत्र में नए घाटों का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ शहर में चौराहों का भी सौंदर्यीकरण भी कराया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार हरिद्वार में 12 चौराहों पर निर्माण कार्य चल रहा है। ऐसे में हरिद्वार में रहने वाले लोगों ने हर की पौड़ी सहित अन्य किसी भी क्षेत्र में एक घाट और एक चौराहे का नाम भगवान परशुराम के नाम पर रखा जाए और उनकी प्रतिमा भी स्थापित की जाए। हरिद्वार संतों एवं तपस्वियों की नगरी है। जन-जन के आराध्य भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम लोगों की आस्था में बसे हैं। ऐसे में शीघ्र ही परशुराम घाट एवं परशुराम चौराहे का निर्माण किया जाए।

फार्मा कंपनी में चोरी के पांच आरोपी गिरफ्तार, एक हुआ फरार

भास्कर समाचार सेवा

- चोरी के माल सहित दबोचा, कबाड़ी भी पकड़ा, फरार की पुलिस कर रही तलाश

रुड़की/भगवानपुर। गत 18 जनवरी को थाना क्षेत्र के नन्हेड़ा स्थित बंद पड़ी फार्मा कंपनी में करीब चालीस लाख रूपये की चोरी के मामले में पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। पुलिस ने चोरी में शामिल पांच आरोपियों को चोरी के माल के साथ धर दबोचा, जबकि आरोपियों का एक साथी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। एसएसपी की ओर से आरोपियों को दबोचने वाली पुलिस टीम को ढाई हजार रूपये पुरस्कार की घोषणा की गई है।

सिविल लाइन कोतवाली में जानकारी देते हुए एसएसपी डी सैंथिल अबुदई कृष्णराज एस ने बताया कि गत 18 जनवरी की रात को भगवानपुर थाना क्षेत्र के नन्हेड़ा गांव के जंगल में स्थित केनकेयर फार्मास्यूटिकल्स में अज्ञात बदमाशों द्वारा कंपनी की दीवार तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने कंपनी के गार्ड की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी थी। बदमाशों की धर पकड़ के लिए अलग-अलग टीमें बनाने के साथ ही मुखबिरों का जाल फैलाया गया था। मुखबिर की सूचना पर पुहाना चौक से चोरी के पांच आरोपियों को पकड़कर पूछताछ की गई, जिन्होनें

मामले का खुलासा करते एसएसपी सैंथिल अबुदेई कृष्णराज एस।

अपने नाम अर्जुन पुत्र दौलतराम, विश्वजीत उर्फ टीपू व राजेश पुत्रगण रामशरण, प्रियांशु पुत्र राजपाल निवासी नन्हेड़ा अनंतपुर बताए।

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने चोरी किया गया माल एक कबाड़ी को बेचा था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने कबाड़ी फारूख पुत्र मुस्तकीम निवासी कैलाशपुर उत्तरप्रदेश को बेचे गए सामान के साथ धर दबोचा। एसएसपी ने बताया कि चोरी किये गए सामान की कीमत करीब चालीस लाख रूपये है। फरार आरोपी मिथुन उर्फ भिंडी पुत्र कुसुमपाल निवासी कुंजा बहादरपुर थाना भगवानपुर को शीघ्र गिरफ्तार करने के निर्देश दिये गए हैं। पकड़े गये आरोपियों के कब्जे से डाई पार्ट-58 पीस, तीन छोटी-बड़ी पुरानी मोटर, एक ग्राइंडर मशीन, चार एल्मूनियम की प्लेट, तीन लोहे के खोखले डाई, एक बंडल पुराना तार बरामद किया गया है।

ड्रग्स इंस्पेक्टर की थ्योरी पर पुलिस ने फेरा पानी

रुड़की। चार दिसंबर को ड्रग्स विभाग द्वारा सील की गई कंपनी में हुई करीब 40 लाख रूपये की चोरी के मामले में स्थानीय ड्रग्स इंस्पेक्टर की थ्योरी पर पुलिस ने पानी फेर दिया है। पुलिस ने दूध का दूध व पानी का पानी किया है। ड्रग्स इंस्पेक्टर मानवेंद्र सिंह राणा ने चोरी की वारदात के बाद भगवानपुर व सिविल लाइन कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर फैक्ट्री प्रबंधन पर शक का इजहार करते हुए सबूत मिटाने का षडयंत्र रचते हुए तहरीर दी थी। ड्रग्स इंस्पेक्टर इतनी जल्दी में थे कि उन्होंने मीडिया को बयान भी दिया था कि कंपनी प्रबंधन ने ही साजिश रचते हुए चोरी की कहानी रची है। अलबत्ता पुलिस ने पूरी सच्चाई सामने लाते हुए चोरी के आरोपियों को ही नहीं, बल्कि करीब 40 लाख रुपये के कीमत के सामान को भी बरामद कर ड्रग्स इंस्पेक्टर की थ्योरी को गलत साबित कर दिया है।

28 को होगा 45वां ज्योतिष महाकुंभ का आयोजन

भास्कर समाचार सेवा

- देशभर से सौ से अधिक ज्योतिषाचार्य एवं विद्वान होंगे शामिल

रुड़की। उत्तराखंड ज्योतिष परिषद द्वारा 45वां अखिल भारतीय ज्योतिष महाकुंभ आगामी 28 जनवरी को रुड़की में होगा। सम्मेलन के संयोजक एवं प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित रमेश सेमवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस ज्योतिष महाकुंभ में देशभर से सौ से अधिक ज्योतिषाचार्य एवं विद्वान लोग भाग लेंगे। महाकुंभ का आयोजन हरिद्वार में होना है, जिसके बारे में भी विशेष वैदिक पौराणिक ज्योतिषीय जानकारी इन विद्वानों के द्वारा दी जाएगी। वहीं भारतवर्ष के बारे में ज्योतिषीय भविष्यवाणी, प्राकृतिक आपदाएं, कोरोना महामारी संकट, देश-विदेश में होने वाले घटनाक्रम सहित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर भी ज्योतिष के माध्यम से प्रकाश डाला जाएगा।

आचार्य पंडित रमेश सेमवाल ने कहा कि ज्योतिष एक भारतीय प्राचीन विज्ञान है, जिसके माध्यम से भूत, भविष्य एवं वर्तमान का पता बड़ा सरल तरीके से लगाया जा सकता है। आज ज्योतिष की आड़ में कुछ तथाकथित तांत्रिक लोग इस विद्या को नुकसान पहुंचा रहे हैं। सरकार ऐसे कथित तांत्रिको एवं ज्योतिषी का झूठा प्रचार करने वाले लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई करे। उत्तराखंड ज्योतिष परिषद द्वारा ऐसे फर्जी तांत्रिकों को चिन्हित कर उनके खिलाफ अभियान छेड़ा जाएगा।

सारसुर्खियां

राशन की दुकान पर जेएम ने मारा छापा

पिरान कलियर। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नमामि बंसल ने शुक्रवार को कलियर नगर पंचायत के बेड़पुर में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान पर छापेमारी की। राशन की दुकान बिना अवकाश व बिना सूचना के बंद मिली, जिस पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान को सील कर दिया। शनिवार को पिरान कलियर पहुंची ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने बेडपुर में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान पर छापा मारा। उन्होंने बताया कि कलियर के बेडपुर में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान की ग्रामीणों की ओर से शिकायत मिल रही थी, जिस पर उन्होंने क्षेत्रीय लेखपाल से भी जांच कराई। ग्रामीण लेखपाल की जांच से संतुष्ट नहीं थे, जिस पर उन्होंने स्वयं मौके पर जा कर राशन की दुकान की जांच की, जहां पर उन्हें मौके पर सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान बंद मिली। दुकान घर के बाहर बनी एक दुकान पर चलाई जा रही थी और घर में सरकारी सस्ते गल्ले का राशन भी रखा था, जिसे उन्होंने सील कर दिया। दुकान संचालक के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं।

विधायक चैंपियन के पिता को लगाई ढाई करोड़ की चपत

मामला खुलने पर संपत्तियां सौंप देने का दिया था आश्वासन

भास्कर समाचार सेवा

विधायक कुंवर प्रणव चैंपियन।

- किराए पर दुकान देने के नाम पर कई व्यक्तियों से लिया कमीशन
- विधायक के पिता ने सिविल लाइन कोतवाली में दर्ज कराई तहरीर
- पूर्व कर्मचारी हैं दोनों आरोपी, अब दे रहे धमकी

रुड़की। जब जनप्रतिनिधियों के परिजन ही ठगी का शिकार हों तो आम जनता की कौन सुध ले। खानपुर विधानसभा विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन के पिता को उनके दो पूर्व कर्मचारियों ने दो करोड़ 44 लाख रुपए से अधिक की चपत लगा दी। दोनों कर्मचारियों ने लंढौरा में दुकानों का किराया और किराए पर दुकान देने के नाम पर कई व्यक्तियों से कमीशन लिया था। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

खानपुर विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन के पिता नरेंद्र सिंह की लंढौरा में कई दुकानें हैं। लंढौरा कस्बा निवासी अजय अग्रवाल और उसका भाई संजय अग्रवाल उनकी संपत्तियों की देखभाल करीब 20 सालों से कर रहे हैं। आरोप है कि काफी समय से इन्होंने किराए में हेराफेरी की, इसके अलावा उन्होंने कई व्यक्तियों को किराए पर दुकान देने के नाम पर करोड़ों रुपए का कमीशन लिया, जिसकी जानकारी कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन के पिता को नहीं लग सकी। जब यह मामला सामने आया तो उनके होश उड़ गए। हिसाब-किताब करने पर पता चला कि दो करोड़ 44 लाख 12 हजार की रकम दोनों कर्मचारियों ने हजम की है। इस मामले में दोनों पूर्व कर्मचारी ने मामला सामने आने के बाद विधायक चैंपियन के सामने आश्वासन दिया था कि वह रुड़की और अन्य जगह पर स्थित संपत्तियां उनके नाम कर देंगे, लेकिन आरोप है कि इसके बावजूद उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया। उल्टा आरोपी अब धमकी दे रहे हैं।

इस मामले में विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन के पिता कुंवर नरेंद्र सिंह ने सिविल लाइन कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने विधायक के पिता कुंवर नरेंद्र सिंह की तहरीर पर संजय अग्रवाल और अजय अग्रवाल निवासी लंढ़ौरा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

100 से अधिक जगहों पर पकड़ी बिजली चोरी

लंढौरा। विद्युत विभाग लंढौरा व विजिलेंस की टीम ने क्षेत्र में बिजली चोरी के खिलाफ महाअभियान चलाकर 150 अधिक स्थानों पर चेकिंग की, जिसमें 100 से अधिक स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी। वहीं विद्युत विभाग ने बिजली चोरी करते पकड़े गए लोगों के खिलाफ पुलिस को कार्रवाई हेतु तहरीर दी है।

शुक्रवार को विजिलेंस टीम व विद्युत विभाग लंढौरा की टीम ने बिजली घर से जुड़े क्षेत्रों में सुबह से चेकिंग अभियान चलाकर गाधारौना, पीरपुरा, भगवानपुर चंदनपुर, बिझौली, लंढौरा आदि गांव में 150 स्थानों पर चेकिंग की, जिसमें 100 से अधिक स्थानों पर विजिलेंस टीम ने बिजली चोरी करते हुए लोगों को पकड़ा। लंढौरा क्षेत्र में विद्युत विभाग द्वारा क्षेत्र में बिजली चोरी के खिलाफ सबसे बड़ी कार्रवाई की गई है। बिजली चोरी के खिलाफ सुबह से ही विद्युत विभाग की टीम ने क्षेत्र में छापेमार कार्यवाही शुरू की, जिससे गांव में बिजली चोरों में हड़कंप मचा रहा।

एसडीओ मयंक पंत ने बताया कि क्षेत्र में बिजली चोरों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कानूनी कार्श्रवाई की जाएगी।

घटनास्थल पर मामले की जानकारी लेती पुलिस।

ट्रक-कार की भिड़ंत में कार सवार की मौत

भास्कर समाचार सेवा

- मौके से फरार हुआ ट्रक चालक, दुर्घटना में कार के परखच्चे उड़े

धनौरी। भगवानपुर-बहादराबाद मार्ग पर तेज गति से आ रहे ट्रक व कार की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि कार चालक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस दौरान ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

सूचना पर पहुंची कलियर पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में लेकर शव का पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम हेतु सिविल अस्पताल भिजवा दिया। पुलिस चालक की तलाश कर रही है। भगवानपुर-बहादराबाद मार्ग पर शुक्रवार को ट्रक व कार की भिड़ंत हो गई। इस दौरान कार चालक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

धनौरी चौकी प्रभारी यसवंत सिंह खत्री के मुताबिक शिवकुमार वर्मा निवासी गुमानी वाला ऋषिकेश अपनी ससुराल सहारनपुर से अपनी निजी कार से वापस अपने घर जा रहा था। जैसे ही वह एचपी पेट्रोल पंप धनौरी के पास पहुंचा तो सामने बहदराबाद की तरफ से तेज गति से आ रहे ट्रक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि भिडंत होते ही कार के परखच्चे उड़ गए, जिसमे कार चालक की मौके पर ही मौत गई।

उन्होंने बताया कि ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। मृतक के शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के परिजनों को सड़क हादसे की सूचना दे दी गई है। ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। उसके बाद आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। तहरीर आने के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

ठंड में गरीबों का सहारा बनी यातायात पुलिस

- शहर में कई स्थानों पर बांटे खाने के पैकेट
- ठंड से बचाव को कंबल किए वितरित

भास्कर समाचार सेवा

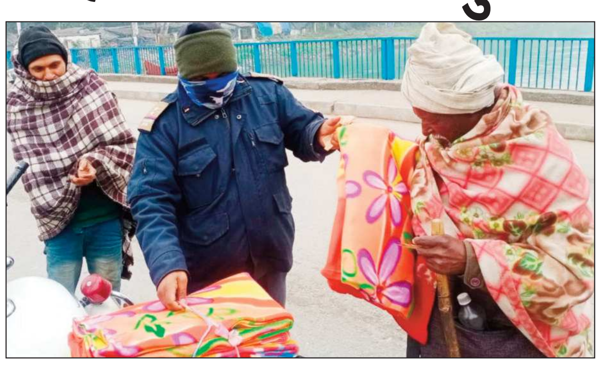

गरीबों को कंबल वितरित करते यातायात पुलिस के कर्मचारी।

रुड़की। यातायात पुलिस द्वारा गरीब असहाय लोगों को जनवरी माह की कड़कड़ाती ठंड में सीपीयू सब इंस्पेक्टर अनिल कुमार और कांस्टेबल सुभाष डबराल द्वारा शहर में कई स्थानों पर कंबल और खाने के पैकेट वितरित किए गए। इस अवसर पर सब इंस्पेक्टर ने कहा कि परेशानी के वक्त में सभी को गरीब, असहाय लोगों की मदद करनी चाहिए।

कड़कडाती ठंड गरीबों के लिये परेशानी का सबब बनी हुई है। ठंड में गरीबों को सामाजिक संस्था व राजनैतिक संगठनों के लोगों द्वारा समय-समय पर गर्म कपड़े वितरित किये जा रहे हैं। इस कार्य में पुलिस के जवान भी पीछे नहीं हैं। सीपीयू सब इंस्पेक्टर अनिल कुमार व कांस्टेबल सुभाष डबराल ने कड़कडाती ठंड से बेसहारा, असहाय दिव्यांग लोगों को महानगर के गणेशपुर, नगर निगम नया पुल, नेहरू स्टेडियम, रेलवे स्टेशन आदि पर ठंड से बचाने हेतु कंबल एवं भोजन का वितरण किया गया। जो लोग इस ठंड में खुले आसमान के नीचे रात को जागते हैं, उनको भी ठंड से बचाव के लिए कंबल आदि वितरित कर यातायात पुलिस ने गर्म कपड़े देकर सराहनीय पहल की है।

इसी दौरान सब इंस्पेक्टर यातायात अनिल कुमार ने कहा कि शहर में लोगों को गरीब, असहाय लोगों की मदद करनी चाहिए। ये लोग भी शहर का हिस्सा है तो हमारा फर्ज बनता है, हम उनकी मदद करें।

नारसन बॉर्डर पर रोका किसानों का काफिला

रुड़की। दिल्ली में चल रहे किसानों के धरने में शामिल होने के लिए जा रहे किसानों के ट्रैक्टर के काफिले को पुलिस ने नारसन बॉर्डर पर रोक दिया। यहां काफी संख्या में लगाए पुलिस बल ने उन्हें आगे जाने नहीं दिया। पुलिस बल किसानों के ट्रैक्टर के आगे लेट गया, लेकिन किसान आगे जाने की जिद पर अड़े हुए थे। पुलिस और किसानों के बीच धक्का मुक्की होने के बाद उन्होंने बॉर्डर पर पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेडिंग हटाकर काफिले को आगे बढ़ा लिया। किसान नेता विकेश बालियान व पदम सिंह रोड ने कहा कि उन्हें कोई भी ताकत दिल्ली जाने से नहीं रोक सकती। बाद में मौके पर एसपी देहात स्वपन किशोर व मंगलौर सीओ अभय प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और कानून का हवाला देते हुए नारसन बॉर्डर पुलिस चौकी से कुछ दूर जाकर ही रोक दिया।

कई स्थानों पर बाल मजदूरी करते दिखे मासूम

- जिला बाल कल्याण समिति ने किया बाल श्रम का सर्वेक्षण

भास्कर समाचार सेवा

रुड़की। श्रम विभाग के नेतृत्व में जिला बाल कल्याण समिति की ओर से लंढौरा क्षेत्र में बाल श्रम सर्वेक्षण किया गया। इस दौरान टीम ने कई स्थानों पर बाल श्रम करते तीन बालकों को चिन्हित किया। इस दौरान टीम ने बालकों के परिजनों से संपर्क कर उन्हें बाल श्रम छोड़ने व शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया।

शुक्रवार को श्रम विभाग के एरिया इंस्पेक्टर धर्मराज के नेतृत्व में जिला बाल कल्याण समिति के सदस्य व पुलिस के जवानों की एक टीम ने लंढौरा के बाजारों में बाल श्रम सर्वेक्षण किया। इस दौरान टीम जनता इंजीनियरिंग वर्कशॉप पर

क्षेत्र में बाल मजदूरों का चिन्हीकरण करते श्रम विभाग के अधिकारी।

पहुंची, जहां दो बालक कार्य करते देखे गए। पुलिस ने दोनों बालकों को चिन्हित किया। इसके बाद बाजार स्थित कल्लू मिस्त्री की दुकान पर पहुंची टीम ने एक बालक को चिन्हित किया। इसी दौरान टीम ने स्वरोजगार करते एक बालक को चिन्हित कर बालकों के परिजनो से संपर्क किया। टीम ने बालकों के परिजनों से कहा कि शिक्षा की उम्र में बच्चों से बाल श्रम कराया जा रहा है, जो नियमानुसार गलत है। टीम ने परिजनों को बालकों की शिक्षा ग्रहण कराने के लिए प्रेरित किया।

एरिया इंस्पेक्टर धर्मराज ने बताया कि विभाग क्षेत्र में बाल श्रम रोकथाम हेतु प्रतिबद्ध है। समय-समय पर अभियान चलाकर बालश्रम रोकने के लिए लोगों को प्रेरित करने के साथ ही कार्रवाई भी जाती है। टीम में बाल कल्याण समिति सदस्यों के अलावा श्रम विभाग व पुलिस के जवान भी मौजूद रहे।

एनसीसी कैडेट्स ने शहीदों की मूर्तियों व आसपास के क्षेत्र में की सफाई, लोगों को भी किया स्वच्छता के प्रति जागरूक

स्वच्छता अभियान चलाकर शहीदों को किया नमन

भास्कर समाचार सेवा

रुड़की। 84 यूके बीएन एनसीसी के प्रभारी कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल विवेक कंडारी द्वारा निर्देशित बीएसएम इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अरुण कुमार सिंह के मार्गदर्शन में एनसीसी कैडेटों द्वारा सिविल लाइन स्थित चंद्रशेखर आजाद एवं हरि सिंह थापा की मूर्ति और मूर्ति के आसपास स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया।

कॉलेज के प्रधानाचार्य अरुण कुमार सिंह ने कॉलेज से एनसीसी कैडेट को रवाना करते हुए कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत जो आज हमारे एनसीसी कैडेट हमारे शहीदों को याद करने जा रहे हैं, उनको नमन करने जा रहे हैं और स्वच्छता का संदेश देने जा रहे हैं। यह बहुत पुण्य कार्य है, इस तरह के कार्य बीएसएम इंटर कॉलेज हमेशा से करता है और करता रहेगा। सिविल लाइन स्थित चंद्रशेखर आजाद और कारगिल शहीद हरि सिंह थापा की मूर्ति पर सफाई अभियान के तहत उनको नमन करते हुए 84 यूके बीएन एनसीसी के प्रभारी कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल सेना मेडल विवेक कंडारी की

स्वच्छता अभियान के दौरान एनसीसी कैडेट्स।

उपस्थिति में स्वच्छ भारत अभियान का संदेश दिया गया।

लेफ्टिनेंट कर्नल सेना मेडल विवेक कंडारी ने कहा कि बीएसएम इंटर कॉलेज के एनसीसी ऑफिसर कैप्टन अजय कौशिक, थर्ड ऑफिसर कमल मिश्रा और तमाम एनसीसी कैडेट्स को शुभकामना देता हूं कि उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान के तहत शहीदों को याद करने का जो पुण्य कार्य किया है। एनसीसी ऑफिसर कैप्टन अजय कौशिक ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए कालेज के प्रबंधक पूर्व राज्यमंत्री उत्तराखंड सरकार मनोहर लाल शर्मा द्वारा समय-समय पर दिशा निर्देश दिए जाते हैं।

इस अवसर पर कार्यालय अधीक्षक ट्रेंनिंग रवि कपूर, नायब सूबेदार वीरेंद्र सिंह, हवलदार राकेश कुमार, विशाल शर्मा, हर्ष कुमार, जूनियर अंडर अफसर सागर कुमार, रोहित कुमार, मुकुल, अजय आदि उपस्थित रहे।

महिलाओं को दिलाई 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की शपथ

भास्कर समाचार सेवा

पिरान कलियर। मेहवड़ कलां गाव में आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण मेले के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाल विकास परियोजना अधिकारी धर्मवीर सिंह व सुपरवाइजर राखी सैनी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

शुक्रवार को मेहवड़ कलां गांव में बाल विकास परियोजना की ओर से आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण मेले के तहत आयोजित कार्यक्रम मे सबसे पहले महिलाओं की गोद भराई की रस्म कराई व 6 माह पूर्ण करने वाले बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। इसके बाद सीडीपीओ धर्मवीर सिंह व सुपरवाइजर राखी सैनी ने कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं को कोरोना से बचाव के लिए सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क लगाने, साफ-

छह माह पूर्ण करने पर बच्चों का अन्नप्राशन करातीं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां।

सफाई केंद्रों को सेनेटाइज करने के साथ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की शपथ भी दिलाई। वहीं डॉ. उषा ने कार्यक्रम में उपस्थित गर्भवती महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के विषय मे जानकारी दी। इस दौरान पोस्टर व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें वहां मौजूद बालिकाओ ने बेटी बचाव व बेटी पढ़ाओ, कोरोना से बचाव व पोषण पर पेंटिंग व रंगोली बनाई। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली सभी बालिकाओं को पुरस्कार दिया गया।

इस मौके पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री पूनम रानी, रेखा सैनी, लता, मोहिनी राणा, सुनीता, रंजना, नीलम, गोमती आदि मौजूद रहीं।

गढ़वाल-आसपास

आज ही के दिन 1976 में गौतम बुद्ध के नगर कपिलवस्तु को खुदाई में खोजा गया था।

सारसुर्खियां

लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में दो पर मुकदमा

पौड़ी। खिर्सू-बूंखाल मोटर मार्ग पर हुए सड़क हादसे में पुलिस ने चालक सहित दो अन्य व्यक्तियों पर लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है। वाहन दुर्घटना में दो महिलाओं की मौत हो गई थी, जबकि पांच घायल हो गए थे। बीते मंगलवार शाम को एक बोलेरो वाहन खिर्सू-बूंखाल मोटर मार्ग पर खंडखिल गांव के समीप अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया था। वाहन में चालक सहित 8 लोग सवार थे। वाहन दुर्घटना में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक महिला ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था। दो घायलो का उपचार मेडिकल कालेज श्रीनगर और तीन का उपचार जिला चिकित्सालय पौड़ी में चल रहा है। एसआई ममता मखलोगा ने बताया कि खिर्सू-बूंखाल मोटर मार्ग पर हुआ सड़क हादसा चालक व एक सवारी की लापरवाही से हुआ है। चालक वाहन को खंडखिल गांव के समीप पार्क कर लघुशंका के लिए उतरा। इसी बीच वाहन में सवार एक सवारी ने चालक के स्थान पर आकर वाहन स्टार्ट कर दिया। लेकिन वह वाहन को नियंत्रित नहीं कर पाया, जिसके चलते वाहन अनियांत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया था।

प्रशिक्षण हुआ समाप्त

थत्यूड़। टिहरी जिले के जौनपुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम मखडेत में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए चल रहे दस दिवसीय अचार पापड़ मसाले बनाने का 33 महिलाओं का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी के द्वारा सात प्रकार के अचार तथा चार प्रकार के पापड़ बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इसी के साथ ग्राम पंचायत ठीक किंसु में भी चल रहे दस दिवसीय डेरी फार्मिंग एवं वर्मी कंपोस्ट का प्रशिक्षण संपन्न हुआ, जिसमें आरसेटी द्वारा 26 महिलाओं को पशु आवास पशु नस्ल चारा प्रबंधन जैविक खेती वर्मी कंपोस्ट आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर आरसेटी के निदेशक बीएस चौहान ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार एवं बैंक के ऋण से संबंधित जानकारी दी।

तामेश्वर नागराजा मंदिर से नहीं लौटता कोई खाली हाथ

- भैंस के दूध से बनी चीजों का सेवन कर मंदिर में प्रवेश करना है वर्जित

भास्कर समाचार सेवा

उत्तरकाशी। जनपद के डुंडा ब्लाक के अंतर्गत दिखोली नामक स्थान पर गाजणा पट्टी के आराध्य देव तामेश्वर नागराजा का पौराणिक मंदिर स्थिति है, जहां शिवलिंग के रूप मे तामेश्वर नागराजा विराजमान हैं। माना जाता है कि जो भी भक्त यहां पर आस्था से जल चढ़ाते हैं, उनकी मनोकामनाएं जरूर पूरी होती हैं। यहां पर भैंस के दूध से निर्मित किसी भी सामग्री का सेवन कर आना वर्जित है।

स्थानीय निवासी शंभू प्रसाद नौटियाल इसके पीछे का कारण बताते हैं कि तामेश्वर नागराज लोग सात भाई थे। अपनी सौतेली माता से बचने के लिए ये नाग के रूप मे

तामेश्वर नागराजा मंदिर।

तांबे के बर्तन के नीचे छुप गए थे, जहां से इनका नाम तामेश्वर पड़ा। तामेश्वर नागराज जब वहां से बाहर निकले तो भैंस से उनका एक नाग दब गया था। तभी से यहां भैस के दूध से निर्मित सामग्री का सेवन कर जाने से नुकसान होता है।

मंदिर मे केवल तांबे के बर्तनों का इस्तेमाल होता है। मंदिर के गर्भगृह में केवल पुजारी ही जा सकते हैं, वह भी अपने शरीर पर सिर्फ एक सफेद धोती को लपेटकर पूजा अर्चना करते हैं। मंदिर के बगल मे एक विशालकाय बांज का पेड़ है, जिसकी बड़ी बड़ी टहनियां मंदिर परिसर के चारो तरफ फैली हुई हैं। शिवरात्रि एवं जन्माष्टमी के दिन यहां पर मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें भक्तगण 37 किलोमीटर दूर उत्तरकाशी से नंगे पांव पैदल चलकर यहां पर जल चढ़ाने को लाते हैं।

मंदिर के रावल देवी प्रसाद नौटियाल का कहना है कि जो भी निसंतान दंपति यहां पर जल चढ़ाते हैं, उन्हें संतान की प्राप्ति अवश्य होती है। गाजणा क्षेत्र के भेटियारा दिखोली लोदाडा सोड चोडियाट गांव के लोगों की आस्था के प्रतीक तामेश्वर मंदिर मे इस बार सौंदर्यीकरण का काम चोरंगी देवता मेला समीति के सानिध्य मे करवाया जा रहा है, जिसमें मिस्त्रियों को प्रतिदिन स्नान के बाद नंगे पांव कार्य करना पड़ता है।

मेला समिति के महेंद्र नौटियाल, चंदन सिंह, राजीव नौटियाल आदि का कहना है कि बहुत जल्दी ही सौंदर्यीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। प्रधान ग्राम सभा भेटियारा, प्रधान लोदाडा, प्रधान दिखोली, प्रधान सोड, प्रधान चोंडियाट गांव सहित क्षेत्र पंचायत भेटियारा एवं क्षेत्र पंचायत लोदाडा व क्षेत्रीय जनता के सहयोग से यहां पर अष्टादस पुराण का भव्य आयोजन किया जाएगा।

एमएसपी के कारण सरकारी गोदामों मे सड़ रहा अन्नः बहुगुणा

भास्कर समाचार सेवा

नई टिहरी। न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर रॉड्स अध्यक्ष एवं बीजेपी नेता सुशील बहुगुणा ने कहा कि आज जिस देश के गोदाम गेहूं, चावल से भरे पड़े हैं, वही देश हर साल एक लाख करोड़ रुपये का खाद्य तेल और दालें आयात करता है।

इसी तरह सरकार हर साल आठ लाख करोड़ रुपये का पेट्रोलियम पदार्थ आयात करती है। इस भारी भरकम आयात से बचने के लिए सरकार गेहूं, धान और गन्ने से एथनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने की नीति पर काम कर रही है। इससे एक ओर पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम होगी तो दूसरी ओर गेहूं, चावल के भंडारण में होने वाले भारी भरकम खर्च से बचा जा सकेगा। एमएसपी पर सरकारी खरीद के चक्रव्यूह के कारण ही किसानों ने गन्ने की खेती को

प्राथमिकता दी। इसका नतीजा चीनी के बंपर उत्पादन के रूप में सामने आया है।

इस साल सरकार ने 600 करोड़ रुपये की सब्सिडी देकर 60 लाख टन चीनी का निर्यात किया, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की कीमत 22 रुपये किलो है, जबकि भारत में समर्थन मूल्य पर गन्ने की खरीद से चीनी 34 रुपये किलो पड़ रही है। स्पष्ट है कि कृषि कानून में बदलाव कर सरकार एक फसली खेती को बढ़ावा देने वाली एमएसपी से आगे बढ़कर बहुफसली खेती की ओर कदम बढ़ा रही है।

ढोल, दमाऊं और रणसिंगे लेकर करेंगे दिल्ली कूच

विकासनगर। उत्तराखंड अधिकार संवैधानिक संरक्षण मंच के संयोजक दौलत कुंवर ने निजी होटल में पत्रकारों को जानकारी

देते हुए कहा कि शनिवार को मंच के हजारों कार्यकर्ता राजभवन का घेराव करेंगे। पिछले कई दिनों से सहसपुर, विकासनगर, चकराता विधानसभाओं के 373 किसान उत्तराखंड संवैधानिक अधिकार संरक्षण मंच के बैनर तले दिल्ली गाजीपुर बोर्डर पर कई दिनों से डेरा डाले हुए हैं। रविवार को 26 जनवरी के प्रस्तावित ट्रैक्टर रैली में शामिल होने के लिए हजारों किसान ढोल, दमाऊं, रणसिंगे के साथ दिल्ली के लिए रवाना होंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 60 दिनों से 132 किसान शहीद हो चुके हैं, लेकिन सरकार टस-से-मस नहीं हो रही है। उत्तराखंड के साथ-साथ पूरे देश से लाखों की संख्या में किसान 26 जनवरी की परेड के लिए दिल्ली पहुंच रहे हैं।

मांगों को लेकर फिर पेड़ पर चढ़ीं राज्य आंदोलनकारी महिलाएं

तबियत खराब होने पर दस घंटे बाद एक महिला उतरी, एक सप्ताह पूर्व भी प्रशासन ने दिया था आश्वासन, नहीं की कार्रवाई

भास्कर समाचार सेवा

पौड़ी। जनपद मुख्यालय पौड़ी में चिन्हित आंदोलनकारी दो महिलाएं एक बार फिर पेड़ पर चढ़ गईं। एक सप्ताह पूर्व भी दो महिलाएं पेड़ पर चढ़ी थीं, जो बाद प्रशासन के आश्वासन पर उतरी थी। प्रशासन ने एक आंदोलनकारियों की मांग पर कार्यवाही के लिए कए सप्ताह का समय दिया था। निर्धारित समयावधि में कोई कार्यवाही न होने पर आंदोलनकारी महिलाएं फिर पेड़ पर चढ़ गईं।

मौके पर पहुंचे पुलिस व प्रशासन ने आंदोलित महिलाओं को मनाने के कई प्रयास किए, लेकिन वे लिखित समाधान पर अड़ी रहीं। शाम पांच बजे स्वास्थ्य में गिरावट आने पर एक आंदोलित महिला पेड़ से उतरी, उन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पौड़ी में भर्ती किया गया। आंदोलनकारी महिलाओं ने कहा कि प्रशासन उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं ले रहा है। शुक्रवार

मांगों को लेकर पेड़ पर चढ़ी महिल आंदोलनकारी।

स्वास्थ्य बिगड़ने पर पेड़ से उतरी महिला आंदोलनकारी।

को जिला मुख्यालय पौड़ी में सुबह करीब 7 बजे आंदोलनकारी महिला सुषमा भंडारी व कांति देवी डीएम कार्यालय परिसर के बाहर देवदार के पेड़ पर चढ़ गईं। साथी आंदोलनकारी महिलाओं ने धारा रोड पर जाम लगा दिया। आंदोलनकारी महिलाओं ने प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। एसडीएम सदर एसएस राणा ने आंदोलनकारी महिलाओं से उनकी समस्याओं के समाधान के लिए 15 दिन का समय दिए जाने की अपील की, लेकिन आंदोलनकारी महिलाओं ने सिरे से नकार दिया। इस दौरान एडीएम डॉ. एसके बनवाल व एसडीएम सदर एसएस राणा से कई दौर की वार्ता आंदोलनकारी महिलाओं से हुई, लेकिन आंदोलनकारी पेंशन व चिन्हीकरण की मांग के समाधान पर अड़े रहे। हालांकि सुषमा भंडारी की तबियत बिगड़ने पर करीब शाम पांच बजे पांच बजे वह पेड़ से उतरी। उन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पौड़ी में भर्ती किया गया। वहीं दूसरी आंदोलनकारी कांति देवी पेड़ पर ही चढ़ी रहीं। पूर्व में 12 जनवरी को भी कांति देवी व रेवती देवी मांगों के समाधान को लेकर पेड़ पर चढ़ी थीं।

दबाकर रखी है आंदोलनकारियों की फाइलः चिन्हित राज्य आंदोलनकारी समिति की प्रदेश महासचिव बीरा भंडारी ने कहा कि जनपद पौड़ी में 139 चिन्हित राज्य आंदोलनकारियों को पेंशन नहीं दी जा रही है।

824 आंदोलनकारियों ने चिन्हीकरण के लिए आवेदन किया है, लेकिन शासन-प्रशासन ने फाइल दबाकर रखी है। कहा 115 दिनों से आंदोलन किया जा रहा है, लेकिन प्रशासन उनकी उपेक्षा ही कर रहा है।

भंडारी ने कहा कि 12 जनवरी को प्रशासन ने एक सप्ताह का समय समस्याओं के समाधान के लिए मांगा था, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई। जब फिर आंदोलनकारी पेड़ पर चढ़ गईं तो प्रशासन प्रशासन फिर से 15 दिनों की मांग कर रहा है। भंडारी ने कहा कि समस्याओं का समाधान नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान कोतवाल विनोद गुसाईं, रीना चौहान, सावित्री देवी, कमला रावत, शकुंतला देवी, पीतांबरी देवी सहित अन्य महिलाएं शामिल रहीं।

मनोज सैनी का स्वागत करते कॉलेज के शिक्षक।

राज्य शैक्षिक पुरस्कार से सम्मानित हुए मनोज सैनी

भास्कर समाचार सेवा

विकासनगर। गुरु राम राय इंटर कॉलेज सहसपुर के प्रधानाचार्य रविंद्र सैनी को राज्य शैक्षिक पुरस्कार(शैलेश मटियानी) से चंद्रमोहन थपलियाल एवं राम लखन गैरोला गुरु राम राय मिशन के सभी पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि परिश्रम, लगन और सामाजिक कार्य के क्षेत्र में निरंतर उन्होंने कार्य किया, जिसके लिए विद्यालय के समस्त स्टाफ ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य रविंद्र सैनी ने कहा कि शिक्षक ही छात्र का मार्गदर्शन कर सकता है। कहा कि छात्र का भविष्य सुधारने में शिक्षक का बड़ा हाथ होता है।

इस मौके पर आलोक बिजल्वाण, जयंत कुमार, अलका, हेमा, दीपक, विद्या, आशीष कंडवाल, मुकेश, सतपाल चौहान, इनायत अली, सुरेंद्र कुमार आदि शामिल थे।

सरकार शिकंजा कसे तो मिल सकती है बड़ी राहतः नेगी

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि सरकार की लापरवाही एवं अधिकारियों की मिलीभगत के चलते प्रदेश के ईमानदार विद्युत उपभोक्ताओं को बिजली चोरी, लाइन लॉस का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। अधिकारियों एवं बिचौलियों की सांठगांठ के चलते मांग के सापेक्ष अत्याधिक बिजली खरीदने में भी भारी खेल होता है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रतिवर्ष प्रतिपूर्ति करने के लिए बिजली के दामों में बढ़ोतरी कर रही है। आंकड़ों की बात की जाए तो वर्ष 2018-19 में सरकार द्वारा 14083.69 मिलियन यूनिट्स खरीदी गई, जबकि उसके सापेक्ष 12295.20 मिलियन यूनिट्स बेची गईं। इसी प्रकार वर्ष 2019-20 में 14139.31 एमयू खरीदी गई।

सरकार ने मांग न मानी तो उग्र होगा आंदोलन

भास्कर समाचार सेवा

कर्णप्रयाग। नंदप्रयाग घाट मोटरमार्ग को डेढ़ लेन तक चौड़ा किये जाने को लेकर 49 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष मनोज कठैत का कहना है कि 1962 में क्षेत्रीय जनता को मुख्य मार्ग से जोड़ने के उद्देश्य से यह मोटरमार्ग बनाया गया था। तब इस सड़क पर दिनभर में मुश्किल से दो या तीन वाहनों का आवागमन हुआ करता था, लेकिन आज बढ़ते यातायात के कारण सड़क छोटी व संकरी हो गई है, जिससे कई बार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। ऐसे में सड़क को चौड़ा किया जाना अत्यंत आवश्यक है। यदि सरकार हमारी मांग नहीं मानती है तो हम आंदोलन समाप्त नहीं करने वाले हैं।

क्षेत्र के दूर दराज के गांवों से आंदोलनकारियों को समर्थन देने के लिए घाट पहुंची क्षेत्रीय जनता के भोजन व्यवस्था को लेकर व्यापार संघ घाट की ओर से निःशुक भंडारा भी लगाया गया है। सभी व्यापारियो की ओर से दी जा रही सहयोग राशि से भंडारे को निशुल्क तौर पर चलाया जा रहा है।

सड़क के चौड़ीकरण को लेकर बीते 49 दिनों से चल रहे आंदोलन को समर्थन देने के लिए भाकपा माले के प्रदेश सचिव इंद्रेश मैखुरी घाट पहुंचे। क्षेत्रीय जनता की मांग को जायज बताते हुए इंद्रेश मैखुरी ने कहा कि दो-दो मुख्यमंत्रियों की घोषणा के वावजूद जनता की मांग पूरी न होना सरकारों की नाकामी को उजागर करता है।

समूह के माध्यम से बनेगा होली में प्राकृतिक रंग

विकासनगर। ग्राम ढकरानी में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र पंतनगर यूनिवर्सिटी ढकरानी डॉ. किरण पंत के नेतृत्व में प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर ढालीपुर ग्राम संगठन की अध्यक्ष पुष्पा त्यागी ने महिलाओं को विशेष प्रशिक्षण दिया, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। डॉ. किरण पंत ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की गुर सिखाए। महिला समूह की अध्यक्ष श्यामा चौहान ने कहा कि आगामी होली पर समूह प्राकृतिक रंग बनाकर बाजार में उतारेंगे। इस मौके पर सीता भट्ट, ममता राणा, संगीता राणा, रत्नी देवी, सुनीता देवी, शशि देवी आदि महिलाएं उपस्थित रहीं।

177 रनों का पीछा करते हुए गढ़वाल ग्रेट वंडर्स ने पौड़ीखाल पाइरेट्स को 6 विकेट से हराया

सुपर सिक्स में पहुंचा पौड़ीखाल पाइरेट्स

भास्कर समाचार सेवा

नई टिहरी। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम विचार मंच-टिहरी गढ़वाल एवं सम्राट क्रिकेट अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में गांधी स्टेडियम बौराड़ी में चल रही जनपद स्तरीय 'टिहरी प्रीमियर लीग', क्रिकेट चैंपियनशिप के चौथे दिन का पहला मुकाबला गढ़वाल ग्रेट वंडर्स व पौड़ीखाल पाइरेट्स के बीच खेला गया, जिसमे गढ़वाल-ग्रेट वंडर्स के कप्तान विनोद ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला लिया। पौड़ीखाल-पाईरेट्स ने निर्धारित ऑवर्स मे 4 विकट के नुकसान पर 176 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। पौड़ीखाल पाइरेट्स

विजेता टीम को पुरस्कृत करते मुख्य अतिथि।

की ओर से कप्तान संजय ने कप्तानी पारी खेलते हुए शानदार 46 रन मात्र गेंदों में बनाए। अमन ने 43 और सुमित ने 42 रनों का योगदान दिया। गढ़वाल ग्रेट वंडर्स के नितिन ने 2 विकेट झटके।

177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गढ़वाल ग्रेट वंडर्स की टीम ने 11.3 में ऑवर्स 178 रन बनाकर 6 विकेट से मैच जीत लिया। गढ़वाल ग्रेट वंडर्स की ओर से नितिन ने 67 और सन्नी ने 53 रनों का योगदान दिया। पौड़ीखाल पाइरेट्स की ओ से संजय ने 1 विकेट लिया। नितिन सिलवाल को खेम सिंह चौहान द्वारा मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। हालांकि इस जीत के बाद भी गढवाल ग्रेट वंडर्स को सुपर सिक्स का टिकट नहीं मिला। सुपर सिक्स में फाकोट-फाइटर्स, कीर्तिनगर नाइटर्स, चिन्याली चिलर्स, टिहरी टाइगर्स, चंबा चैलेंजर्स तथा पौड़ीखाल पाइरेट्स ने प्रवेश किया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि खेम सिंह चौहान पूर्व ब्लाक प्रमुख-थौलधार ने रिबन काटकर मैच का उद्घाटन किया और सभी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जनपद व प्रदेश का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं।

कार्यालय नगर निगम, हरिद्वार

पत्रांकः-530/नि0वि0/2020-21 दिनांक 22/01/2020

निविदा सूचना

नगर निगम, हरिद्वार द्वारा कुम्भ मेला-2021 के अन्तर्गत निम्न कार्य हेतु नगर निगम, हरिद्वार में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 05-02-2021 को सांय 3:00 बजे तक सील बन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। जो दिनांक 06-02-2021 को प्रातः 11:00 बजे गठित टेण्डर समिति एवं निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र अधिशासी अभियन्ता, नगर निगम, हरिद्वार के कार्यालय से दिनांक 27/01/2021 से दिनांक 02/02/2021 को 2:00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में निर्धारित शुल्क जमा कराकर क्रय की जा सकती है।

निविदा के साथ धरोहर धनराशि के रूप में भारत के किसी भी शैड्यूल बैंक द्वारा जारी एफ0डी0आर/सी0डी0आर0/टी0डी0आर0/राष्ट्रीय बचत पत्र जो लेखाधिकारी, नगर निगम, हरिद्वार के पदनाम से बन्धक हो, संलग्न करना अनिवार्य होगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार नगर आयुक्त, नगर निगम, हरिद्वार में निहित होगा। अन्य शर्तें नगर निगम, हरिद्वार के निर्माण विभाग कार्यालय में देखी/प्राप्त की जा सकती है। कार्यादेश मेलाधिकारी महोदय स्वीकृति के उपरान्त दिया जायेगा।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	आगणन धनराशि (लाख रु0 में)	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा की वैधता	कार्य अवधि
1.	हरिद्वार हरकी पैड़ी स्थित भूरे की खोल चैक डेम की सफाई एवं मलवा निस्तारण का कार्य।	19.11	57500.00	1500+ GST	45 दिवस	60 दिवस

सहायक नगर आयुक्त
नगर निगम, हरिद्वार

सारसुर्खियां

समाजसेवी राहुल ने किया महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन

भतरोखान। भतरोखान में महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेवी राहुल अरोड़ा द्वारा रिबन काटकर शुभारंभ किया गया। गांव में पहली बार महिला क्रिकेट का आयोजन किया गया किया गया जिसमें क्षेत्र की महिलाएं व बालिकायें काफी उत्साहित नजर आई। पहला उद्घाटन मैच सिरमोली ओर रानीखेत के बीच खेला गया। सभी बालिकाओं द्वारा लगन से मैच खेला गया। जिसमें राहुल अरोरा ने महिलाओं व बालिकाओ का उत्साहवर्धन हौसला बढ़ाया। उद्घाटन के मौके पर प्रताप बोहरा, दीप रिखाडी, तारा सिंह भण्डारी, जिला मंत्री भाजयुमो मोहित बिष्ट, भूपेंदर, मनोज पडलिया सहित दर्जनों गांव के लोग मौजूद थे। इस दौरान मुख्य अतिथि समाजसेवी राहुल अरोरा ने क्रिकेट कमेटी को प्रोत्साहन राशि के रूप में 5100 रुपये भेंट किए।

नशेड़ियों का जमघट

काशीपुर। बाजपुर रोड स्थित आवास विकास मार्केट के दर्जनों दुकानदारों ने अपर पुलिस अधीक्षक को एक शिकायती पत्र सौंपकर कर अराजक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भट्ट को सौंपे शिकायती पत्र में दुकानदारों ने कहा कि बाजपुर रोड स्थित आवास विकास मार्केट में शाम होते ही आवारा किस्म के युवक नशा करने के लिए यहां इकट्ठा हो जाते है। दुकानदारों का कहना है कि महिलाओं एवं संभ्रांत लोगों का यहां से गुजरना मुश्किल हो गया है। एएसपी से शिकायत करने वालों में योगेश बिश्नोई, सनी सैफी, हिमेश अदलखा, विशेष नरूला, शाहनवाज, आसिफ, शमीम अहमद, मोहम्मद इरफान, हरिओम, दीपक शर्मा, मुमताज, राज कुमार, अशोक कुमार, बैजू, पुनीत, राजीव आदि समेत दर्जनों दुकानदार शामिल रहे।

अभद्रता का आरोप

बनबसा। देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ की बनबसा इकाई ने अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत को ज्ञापन देकर पर्यावरण मित्रों से अभद्रता करने वाले सुपरवाइजर के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। पर्यावरण मित्र सचिन वाल्मीकि और प्रमोद वाल्मीकि ने नगर पंचायत ईओ को दिये ज्ञापन में लिखा कि 20 जनवरी को दोपहर लगभग 3 बजे सुपरवाइजर (कोर्णाक ग्लोबल कंपनी) ने उनके साथ अभद्र भाषा और उनके मारपीट करने की।

समाज के निर्माण के लिए सांस्कृतिक साक्षरता जरूरीः अरुण

भास्कर समाचार सेवा

- फेसबुक लाइव के जरिए आयोजित हुई बातचीत

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय की रामगढ़ स्थित महादेवी वर्मा सृजन पीठ में हिंदी की प्रमुख वेब पत्रिका 'समालोचन' के प्रकाशन के दस वर्ष पूर्ण होने पर फेसबुक लाइव के जरिए आयोजित ऑनलाइन बातचीत में पत्रिका के संपादक और वरिष्ठ कवि-आलोचक डा. अरुण देव ने कही। कि हम साठ-सत्तर करोड़ लोगों का कैसा हिंदी समाज बनाना चाहते हैं क्यों कोई समाज सिर्फ कविता-कहानी से तो नहीं बन सकता।

समाज को बनाने के लिए सांस्कृतिक साक्षरता की जरूरत है। एक ऐसा समाज जो अपने रंगकर्मियों, शास्त्रीय संगीतकारों, चित्रकारों, काष्ठ शिल्पियों, मूर्ति शिल्पियों आदि से भी प्रेम करे और साहित्यकारों से भी। 'समालोचन' के प्रकाशन का भी यही प्रमुख उद्देश्य रहा है। नजीबाबाद स्थित महाविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर डा. अरुण देव ने कहा कि दस साल पहले डिजिटल का शुरूआती दौर था। हिंदी में टाइप करने की सुविधा गूगल का हिंदी इनपुट एक क्रांतिकारी कदम है। कार्यक्रम में महादेवी वर्मा सृजन पीठ के निदेशक प्रो. शिरीष कुमार मौर्य, शोध अधिकारी मोहन सिंह रावत सहित वरिष्ठ साहित्यकार डा. ज्योतिष जोशी, जहूर आलम, महेश पुनेठा, दिनेश कर्नाटक, विजया सती, किरण अग्रवाल, रमेश चंद्र पंत, मुकेश नौटियाल, योगिता यादव, खेमकरण सोमन, अजेय अजेय, वृंदा पाण्डे, अपर्णा मनोज, हेमा जोशी, इंदु त्रिपाठी, अमिता प्रकाश, गोविंद नागिला, पुष्पलता जोशी, जसवंत सिंह प्रकाश, मीना पाण्डे, सुकृति द्विवेदी, डा. कमलेश कुमार मिश्रा, डा. शांति चंद, डा. अर्चिता सिंह, दयाशंकर सरन, शिव किशोर तिवारी, रमाकांत यादव सहित साहित्य-प्रेमी मोजूद थे।

भ्रांतियों को दरकिनार कर वैक्सीनेशन का बढ़ रहा प्रतिशत

भास्कर समाचार सेवा

- 'कोविड वैक्सीन जागरूकता' शीर्षक पर वेबीनार का आयोजन

नैनीताल। रीजनल आउटरीच ब्यूरो के तत्वावधान में ऑनलाइन 'कोविड वैक्सीन जागरूकता' शीर्षक पर एक वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का शुभारंभ व संचालन सहायक निदेशक डॉ. संतोष आशीष ने किया जिसमें सभी वक्ताओं का स्वागत कर किया गया। सर्वप्रथम विभाग के अपर महानिदेशक नरेन्द्र कुमार कौशल ने कोविड वैक्सीन की परिस्थिति, बचाव संबंधी सुझाव तथा इसकी जागरूकता की भूमिका पर प्रकाश डालकर किया गया। उन्होने कहा कि भ्रांतियों को दरकिनार करते हुए टीका लगवाने वालों का प्रतिशत बढ़ रहा है जो कि लोगों की सकारात्मकता को दर्शाता है। वेबिनार में मुख्य वक्ता एसआईओ-कोविड वैक्सीन अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह मर्तोलिया ने कहा कि इस टैक्नोलॉजी का इस्तेमाल और इस पर कार्य काफी लम्बे समय से चल रहा था जो कि बिल्कुल सुरक्षित है। उन्होने कहा कि इस वैक्सीन का दुष्परिणाम नहीं है। उपनिदेशक सूचना जनसंपर्क विभाग नितिन उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान में सबसे ज्यादा जरूरत जागरूकता की है। उन्होने कहा कि यह एक संयुक्त प्रयास है जिसके लिए हमसब मिलकर इस में सफलता की ओर बढ़ रहे है। आपने बताया कि भारत ने अपने साथ ही अपने 6 पड़ोसी देशों को भी इस वैक्सिन का निर्यात करना आरंभ कर दिया है। यह विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण है इसमें पहले टीके के 28 दिन बाद दूसरा और उसके 14 दिन बाद अर्थात टीकाकरण उच्च के 42 दिन बाद ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ पायेगी। इस महामारी के साथ ही गलत सूचनाओं से लड़ना भी हम सभी के लिये चुनौतिपूर्ण है। हम सबको मिलकर, समझदारीपूर्वक इससे लड़ना होगा। किसी भी भ्रांति के होने पर डॉ. सरकारी अधिकारियों तथा अन्य विश्वसनीय सूत्रों से जांच के उपरांत ही सूचनाओं को अग्रसरित करें जिससे कि किसी भी डर के माहौल को बढ़ावा ना मिलें।

खबर एक नजर

जेवर व नगदी लेकर विवाहिता प्रेमी संग फरार

काशीपुर। प्रेम-प्रसंग के चलते पुत्रवधू को भगा ले गये पड़ोसी युवक से पुत्र की जान को खतरा एवं पुत्रवधू के साथ अनहोनी की आशंका जताते हुए एक महिला ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस से कानूनी कार्यवाही करने की गुहार लगाई है। इससे पूर्व भी कई बार महिला पुलिस के आला अधिकारियों से कार्रवाई की मांग कर चुकी है लेकिन कोई नतीजा हासिल नहीं हुआ। कचनालगाजी अंतर्गत गड्ढा कालोनी निवासी नीलम पत्नी कल्लू सिंह शुक्रवार को न्याय की आस लेकर कोतवाली पहुंची, ओर प्रभारी कोतवाल ओमप्रकाश को बताया कि उसने अपने पुत्र दिनेश यादव का विवाह हस्तिनापुर जिला मेरठ निवासी युवती के साथ 24 नवम्बर 2017 को विधिवत किया था। आरोप लगाया कि पुत्रवधू के संबंध ससुराल के पड़ोसी युवक से हो गए और वह जबरन घर आने लगा तथा पुत्रवधू भी उसके साथ घूमने लगी। हालांकि पुत्रवधू ने एक बच्ची को जन्म दिया। किन्तु इसके बाद भी उसकी हरकतों में सुधार नहीं आया और वह अक्सर अपने प्रेमी युवक से मिलती रही। नीलम के मुताबिक उसके पुत्र दिनेश ने इस संबंध में उक्त युवक के परिजनों से शिकायत की तो उन्होंने भी उसकी पुत्रवधु का पक्ष लिया तथा उसके साथ गाली-गलौच करते हुए उसे जान से मारने की धमकी भी दी। उसके पुत्र ने जब इसकी शिकायत पुलिस में की तो पुत्रवधु ने आगे से ऐसा न करने की बात कही। बीती 19 दिसम्बर की रात्रि 12 बजे पड़ोसी युवक घर में घुस आया तथा उसकी पुत्रवधु व घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण व चार हजार की नकदी भी ले गया। इसके बाद उसने व उसके पुत्र ने उनकी काफी तलाश की परंतु वह नहीं मिले। आरोप लगाया कि जब उसके द्वारा पुलिस में इसकी शिकायत की तो पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। महिला ने तहरीर में उसकी पुत्रवधु को कहीं बेचे जाने की भी आशंका जताई है। जब पुत्रवधु के परिवार वालों को बताया तो उन लोगों ने उसे व उसके पुत्र को जान से मारने की धमकी दे डाली। शुक्रवार को एक बार फिर महिला ने उसकी पुत्रवधु को सकुशल बरामद करने व उसकी जान व माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लाखों की स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

पिथौरागढ़। पिथौरागढ़ पुलिस चरस, स्मैक व अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी व बिक्री करने वालों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए कड़ी कार्रवाई कर रही है। जिस क्रम में कोतवाली पिथौरागढ़ के प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार के नेतृत्व में पुलिस टीम व एसओजी प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश कम्बोज की टीम ने मुखबिर की सूचना पर संयुक्त रुप से कार्रवाई करते हुए चैकिंग के दौरान सिल्थाम तिराहे के पास स्थित एक होटल के कमरे में ठहरे दो आरोपियों को 18 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। इस संबंध में उनके विरुद्ध थाना कोतवाली पिथौरागढ़ में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। बरामद स्मैक की कीमत लगभग 4 लाख रुपये आंकी गई है। दोनों व्यक्ति दिल्ली से पिथौरागढ़ स्मैक बेचने आये थे। उनके कब्जे से इलेक्ट्रानिक तराजू व स्मैक पीने में प्रयुक्त होने वाला फोइल पेपर भी बरामद किया गया है। दोनों आरोपियों से विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

सुपर ओवर में जीती ठाकुर इलेवन

बनबसा। प्रथम स्व. कैप्टन भूपाल सिंह थापा मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता के पांचवे मुकाबले में सुपर ओवर में ठाकुर इलेवन ने यंग व्यापार मंडल को हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। मिनी स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता के पांचवे दिन के मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि व्यापार मंडल उपाध्यक्ष संजय ठाकुर ने खिलाडियों को परिचय प्राप्त कर किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए यंग व्यापार मंडल ने निर्धारित 16 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 102 रन ही बना सकी। रनों का पीछा करते हुए ठाकुर इलेवन निर्धारित 16 आवरों में सभी विकेट खोकर 102 रन ही बना पायी। जिसके बाद मैच बराबरी पर छूटा। मैच का निर्णय निकालने के लिए सुपर ओवर का सहारा लेना पडा। जिसमें पहले खेलते हुए ठाकुर इलेवन ने 1 ओवर में 2 विकेट खोकर 6 रन बनाये। रनो का पीछा करते हुए यंग व्यापार मंडल की टीम 1 ओवर में 1 विकेट खोकर 1 ही रन बना पायी। मैच में अंपायर की भूमिका जंग बहादुर थापा, विनोद चंद, आंखो देखा हाल योगेश चंद, गोल्डी ने सुनाया स्कोरर राजेन्द्र धामी रहे। इस मौके पर आयोजक समिति के जंग बहादुर थापा, दिपेन्द्र चंद, जगदीश चंद, राकेश चंद के अलावा सैकडों खेल प्रेमी मौजूद रहे।

अवैध खनन में आईटीआई पुलिस ने पकड़े 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली

कोसी में पुलिस के पीछा करते हो रहा था वीडियो वायरल, खनन माफियाओं में मचा हड़कंप

भास्कर समाचार सेवा

काशीपुर। थाना आईटीआई प्रभारी विद्यादत्त जोशी की ओर से अवैध खनन माफियाओं पर शिकंजा कसते हुए सिंघम फिल्म स्टाइल में अपनी जान की परवाह ना करते हुए कोसी नदी में स्कॉर्पियो गाड़ी से खनन माफियाओं पर शिकंजा कसने के लिए कमर कसते हुए की गई कार्रवाई में खनन माफिया डाल-डाल तो पुलिस पात-पात दिखाई दी। वीडियो जो वायरल हो रहा है उसमें पुलिस खनन माफियाओं का पीछा कर रही है, जहां एक तरफ वीडियो वायरल में ट्रैक्टर दिखाई दे रहा है तो उसी ट्रैक्टर को थाना आईटीआई पुलिस टीम ने पकड़ते हुए खनन माफियाओं पर शिकंजा कसा है तथा उनके हौसलों की कमर तोड़ी है। फिर एक बार थाना आईटीआई पुलिस टीम ने खनन माफियाओं पर शिकंजा कसते हुए अवैध खनन में लिप्त तीन ट्रैक्टर तीन ट्राली भी पकड़ी है।

आइटीआइ थाना पुलिस द्वारा खनन में लिप्त पकड़े गये ट्रेक्टर।

दरअसल जिला उधमसिंह नगर में अगर बात करें तो थाना आईटीआई पुलिस सबसे ज्यादा खनन माफियाओं पर शिकंजा कसने में कामयाब दिखाई दे रही है। बीते रोज सुल्तानपुर पट्टी के कोसी नदी के खनन क्षेत्र में आईटीआई थाना प्रभारी विद्यादत्त जोशी के द्वारा छापा मारा गया था, जिसमें उनके द्वारा खनन क्षेत्र में एक ट्रैक्टर का पुलिस की कार से लगातार पीछा करता हुआ वीडियो वायरल हो रहा था। शुक्रवार को उसी ट्रैक्टर को आईटीआई थाना प्रभारी विद्यादत्त जोशी और उनकी टीम ने पकड़ लिया। इस संबंध में आईटीआई थाना प्रभारी विद्यादत्त जोशी ने फोन पर भी बातचीत में बताया कि कोसी नदी खनन क्षेत्र में स्कॉर्पियो से जिस ट्रैक्टर का पीछा किया जा रहा था उस ट्रैक्टर को पुलिस ने पकड़ लिया है, साथ ही अवैध खनन में लिप्त तीन अन्य ट्रैक्टर ट्रालियां भी पकड़ी गई हैं। उन्होंने अवैध खनन करने वालों को आगाह करते हुए कहा कि आईटीआई थाना क्षेत्र में अवैध खनन किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध खनन करने वालों के खिलाफ इस तरह की छापामारी कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

डीएम के दरबार पहुंचा एसोसिएशन का मामला

रुद्रपुर। शहर की पॉश कॉलोनी मेट्रोपोलिस रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन मैं पिछले कई दिनों से चल रहा आरोप-प्रत्यारोप का मामला शुक्रवार को वर्तमान अध्यक्ष देवेंद्र शाही ने डीएम दरबार में रखा। जिलाधिकारी रंजना राजगुरु को दिए ज्ञापन में वर्तमान अध्यक्ष देवेंद्र शाही ने कहा कि उनकी एसोसिएशन काफी समय से ठीक-ठाक काम कर रही है और अभी उनकी एसोसिएशन का कार्यकाल भी काफी बचा है ऐसे में कॉलोनी के ही कुछ लोग एवं कुछ बाहरी व्यक्ति एसोसिएशन को भंग कर नई प्रबंध कार्यकारिणी के लिए लोगों को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समिति पहले से ही डीएम कार्यालय में पंजीकृत है और पूरी तरह से वैध है। कुछ दिनों से कुछ लोग जो कि एसोसिएशन के सदस्य भी नहीं है लेकिन वह एसोसिएशन को भंग कर नई कार्यकारिणी की तैयारी के लिए षड्यंत्र रच रहे हैं। कॉलोनी के ही लोगों को तरह-तरह से गुमराह करने का काम किया जा रहा है। वर्तमान अध्यक्ष देवेंद्र शाही ने प्रवीण कोठारी, राजीव भटनागर, अखिलेश शर्मा, चंद्रप्रकाश, असलम कोरा, बसंत जोशी, सीपी शर्मा आदि पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह लोग नई प्रबंध कार्यकारिणी के लिए षड्यंत्र रच रहे हैं। उन्होंने डीएम से कहा कि कार्यकारिणी पूरी तरह से स्वच्छ है।

दुकान का शटर तोड़ चोर ले गए हजारों का माल

भास्कर समाचार सेवा

बनबसा। मीना बाजार स्थित एक परचून की दुकान का शटर तोड़कर चोरों ने लगभग साढ़े सात हजार रूपये उड़ा लिए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दुकान स्वामी से घटना की जानकारी लेकर चोर की तलाश शुरू कर दी। मिली जानकारी के अनुसार गत रात्रि लगभग 2 बजे मीना बाजार स्थित विजय शर्मा पुत्र भूकन लाल की परचून की दुकान में धावा बोल दिया। चोर ने दुकान के शटर के थोडे से खुले ऊपरी हिस्से को किसी औजार से और खोल दिया जिसके बाद वह दुकान के अंदर दाखिल हो गया। दुकान में दाखिल होने के बाद चोर ने दुकान के गल्ले में रखी नगदी साफ कर वहां से फरार हो गया। दुकान स्वामी विजय शर्मा ने बताया कि चोर ने गल्ले में रखी 7500 रूपये की नगदी की चोरी की है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दुकान स्वामी से चोरी की घटना की जानकारी ली।

चोरी का मुकदमा दर्ज

काशीपुर। रामनगर रोड स्थित एक निजी अस्पताल के पास से बाइक चोरी हो गई। बाइक स्वामी ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने बाइक चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। आईटीआई थाना क्षेत्र के जसपुर खुर्द निवासी सुरजीत रावत ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 27 दिसंबर को उसने अपनी मोटरसाइकिल संख्या यूके18 बी 0016 को रामनगर रोड स्थित आरके शर्मा अस्पताल के पास खड़ी की थी। जब वह वापस आये तो बाईक गायब थी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बाइक चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ब्लाक प्रमुख ने किया निर्माणाधीन मोटर मार्ग का निरीक्षण

- डॉ. हरीश बिष्ट के नेतृत्व हुआ बैठक का आयोजन

भास्कर समाचार सेवा

भीमताल/नैनीताल। विकास खंड भीमताल के सुदूरवर्ती ग्राम पंचायत बोहरा गांव में समीक्षा बैठक ब्लाक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट के नेतृत्व में आहूत की गई। इस दौरान ब्लाक प्रमुख डाक्टर बिष्ट की ओर से गांव वासियों के अनुरोध पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन मोटर मार्ग का निरीक्षण किया गया। मार्ग में जगह-जगह पर कच्ची पत्थरों से सोलिंग का कार्य किया जा रहा था। ब्लाक प्रमुख की ओर से कच्चे पत्थरों को हटाकर पक्के पत्थरों का प्रयोग करने की हिदायत दी और कहा कि कच्चे पत्थर का प्रयोग ना करें इसके लिए सख्ती से मना किया गया। ग्रामीणों की ओर से बताया कि सड़क निर्माण को लेकर कई मकानों को खतरा हो गया है। कई जगह पर आवश्यकता से अधिक रोड कटाई की गई जिस कारण यह स्थिति बन गई है।

निर्माणाधीन मोटर मार्ग का निरीक्षण करते ब्लाक प्रमुख व अन्य।

ब्लाक प्रमुख ने पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस स्थान पर कलवट, नाली, वायर केट बनाए जाएं।

इस मौके पर ज्येष्ठ उप प्रमुख हिमांशु पांडे, पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता केएस बिष्ट, चंपा बिष्ट, प्रेमा बिष्ट, मनोज चनियाल, धर्मेंद्र रावत, राजू कोटलिया, भरत बिष्ट, मनोहर सिंह, खीम सिंह, सहित दर्जनों गांव के लोग मौजूद थे।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम नीरज कुमार अ रो रा (N E E R A J KUMAR ARORA) से बदलकर नीरज कुमार (NEERAJ KUMAR) रख लिया है। अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।

सूचनाकर्ताः-
नीरज कुमार
पुत्र श्री प्यारे लाल
निवासी- बोरिंग गली वार्ड नं0 11 किच्छा तहसील किच्छा, जिला ऊधम सिंह नगर

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम किरन अरोरा (KIRAN ARORA) से बदलकर कविता नागपाल (KAVITA NAGPAL) रख लिया है। अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।

सूचनाकर्ताः-
कविता नागपाल
पत्नी श्री नीरज नागपाल
निवासी-वार्ड नं. 11
किच्छा, तहसील किच्छा,
जिला ऊधमसिंह नगर।

नेशनल मिशन ऑफ हिमालयन स्टडीज और हल्द्वानी जू एंड सफारी के तत्वावधान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

उत्तराखंड में लगभग 35 सांपों की प्रजातियांः डोलिया

भास्कर समाचार सेवा

नैनीताल। सरोवर नगरी के चिड़ियाघर सभागार में भारत सरकार के सहयोग से नेशनल मिशन ऑफ हिमालयन स्टडीज और हल्द्वानी जू एंड सफारी के तत्वावधान मुख्य वन संरक्षक डॉ तेजस्वी अरविंद पाटील के निर्देशन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सांपो की प्रजाति के बारे में विभागीय अधिकारी और फील्ड कर्मचारियों को जेआरएफ विशेषज्ञ जिज्ञासु डोलिया की ओर से विस्तृत जानकारी दी गई। डोलिया ने बताया उत्तराखंड में 10 से 15 विषैले सांप पाए जाते है और दुनिया में सांप 10 करोड़ साल पहले उत्पन्न हो गए थे। सांप छिपकलियों से विकसित हुए है और सांप के पूर्वजों के अंग होते हैं। सांप दूध नहीं पीते है और अधिकतर अपने भोजन को और किसी भी चीज को जीब से ढूंढते है। दुनिया में लगभग 3846 सांप प्रजातियां पाई जाती है। अकेले भारत में 280 सांपों की प्रजाति और उत्तराखंड में लगभग 35 सांपों की प्रजातियां होती है और जिसमें 10 विषैले सांप और 8 घातक सांप होते हैं। इस कार्यशाला में सभी फील्ड कर्मचारियों को सांपों के बारे में बताकर जागरूक किया। वन क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी जीएन चिनियाल ने बताया की सभी सातों डिवीजन तराई लैंड और नैनीताल डिवीजन में यह कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा और कर्मचारियों को इसकी जानकारी दी जाएगी और सांपों को मारना कानूनी अपराध है। अगर कहीं पर सांप निकलते है उसे मारने की बजाय वन विभाग अधिकारियों को इसकी सूचना दें। इस मौके पर जीएन चन्याल, आरो जू नैनीताल अजय सिंह रावत, डीएन सुनाल, अतुल भगत, धर्म सिंह, भीम सिंह जितेंद्र रावत, आनंद, विक्रम, सहित दर्जनों विभागीय अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते विभागीय अधिकारी।

दीपक बिष्ट अध्यक्ष और किशोर सचिव चुने गए

भास्कर समाचार सेवा

- शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के चुनाव हुआ संपन्न

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ की प्रशासनिक भवन शाखा के मतदान प्रातः 11 प्रारंभ हो गए और 1 बजे तक मतदान चला जिसमें अध्यक्ष दीपक सिंह बिष्ट, उपाध्यक्ष जीवन सिंह रावत और सचिव नवल किशोर चुने गए।

निर्विरोध महिला उपाध्यक्ष आशा आर्य, उप सचिव रंजीत कीर्ति और कोषाध्यक्ष रंजीत राम पहले चुने जा चुके थे। कांटे के मुकाबले में दीपक सिंह बिष्ट 70, कुलदीप सिंह 52, उपाध्यक्ष जीवन सिंह रावत 75, चंद्रशेखर पंत 45, सचिव नवल किशोर 75, जगमोहन सिंह मेहरा को 47 मत मिले। मुख्य चुनाव अधिकारी बहादुर सिंह बिष्ट ने नवनियुक्त पदाधिकारियों बधाई देते हुए गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर सहायक निर्वाचन अधिकारी लक्ष्मण सिंह रौतेला व लीलाधर उपाध्याय ने सहयोग किया है।

दैनिक भास्कर
08 शनिवार 23 जनवरी 2021 देहरादून

संवाद

आज ही के दिन 1989 में ताजिकिस्तान में शक्तिशाली भूकंप में सैकड़ों लोगों की मौत हुई थी।

संपादकीय

विकास की रफ्तार

हमारे देश में विकास की रफ्तार कितनी तेज है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बाँध के निर्माण, सड़क-रेल-औद्योगीकरण तथा ऐसे ही अन्य दूसरी विकास योजनाओं के लिए अपनी जमीन से बेदखल किये गए देशवासी कई-कई दशक तक पूरी तरह पुनर्वासित नहीं किये जा सके हैं। इन विस्थापितों में ऐसे भी हैं जिन्हें आज तक या तो जमीन के बदले जमीन नहीं मिल सकी है अथवा अभी तक मुआवजे की पूरी रकम का भुगतान नहीं हो सका है या फिर उचित दर पर मुआवजा देना भी तय नहीं हुआ है।

देश में ऐसी एक नहीं असंख्य परियोजनाएं हैं जो न केवल बन कर तैयार हैं बल्कि कई दशक से उन पर विधिवत काम भी हो रहा है लेकिन वहाँ से बेदखल किये गए लाखों लोगों को लगभग पांच दशक बाद भी विस्थापन की परेशानियों के दौर से गुजरना पड़ रहा है।

नदियों का पानी रोक कर बनाई जाने वाली बाँध परियोजनाओं की स्थिति तो विस्थापन और मुआवजे की परेशानी के ऐसे दौर से गुजरने वाली ऐसी कुछ ख़ास परियोजनाएं हैं। एक तरफ गुजरात और मध्य प्रदेश के सैकड़ों गांवों के करोड़ों लोग नर्मदा सागर परियोजना से विस्थापित हुए हैं तो दूसरी तरफ उत्तराखंड में तिहरी बाँध परियोजना के विस्थापित भी मुआवजा तथा दूसरी समस्याओं को लेकर पांच दशक बाद भी संघर्ष कर रहे हैं। टिहरी बांध विस्थापितों के अनेक मुद्दे आज भी लंबित हैं और इन्हीं लंबित मुद्दों को हल करने की कोशिश में राज्य के सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने 22 जनवरी को केंद्र सरकार के सम्बंधित मंत्रालयों से जुड़े मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत का एक नया सिलसिला शुरू किया। यह बातचीत सफल हो तथा आपसी बातचीत का यह सिलसिला अंतिम न हो, आगे भी चलता रहे और जनता की सभी परेशानियों का समाधान हो सके, इस उम्मीद के साथ उत्तराखंड के संघर्षशील संगठन, 'माटू जनसंगठन' ने सतपाल महाराज को बैठक से पूर्व दिए गए एक पत्र में यह अनुरोध किया है कि केंद्र के साथ वार्ता की शुरुआत हो, किंतु यह बैठक अंतिम न हो बिना कोई फैसला लिए बैठक का अंत न हो।

इस संगठन के विमल भाई और पूरण सिंह राणा की तरफ से लिखे गए इस पत्र की शुरुआत उत्तराखंड के सिंचाई मंत्री को टिहरी बांध विस्थापितों के संदर्भ में केंद्वार के साथ बातचीत की शुरुआत के लिए बधाई देने के साथ की गयी है। पत्र के अनुसार स्थानीय जन संगठनों को इस बातचीत की जानकारी इस आशय की अखबारों में छपी खबर से मिली है और जनसंगठन इस बातचीत की तरफ उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं लेकिन इस सम्बन्ध में केंद्र सरकार से बातचीत करने से पहले अगर राज्य सरकार टिहरी बांध विस्थापितों के बीच काम कर रहे संगठनों, व्यक्तियों और विस्थापित व पुनर्वास स्थलों के जनप्रतिनिधियों के साथ एक लंबी बातचीत कर लेती तो कहीं बेहतर होता।

हैरानी की बात है कि विस्थापितों की परेशानियों से जुड़े इतने महत्वपूर्ण मामले पर केंद्र सरकार के साथ बातचीत करने से पहले राज्य सरकार ने टिहरी बाँध प्रभावित और पीड़ित तबके के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करना जरूरी नहीं समझा। प्रसंगवश, गौरतलब तथ्य यह है कि साल 1972 में केंद्र और अविभाजित उत्तर प्रदेश में शासन कर रही कांग्रेस सरकार के नेतृत्व में तत्कालीन सोवियत संघ की तकनीकी मदद और सहयोग से इस बाँध परियोजना का नक्शा और डिजाइन तैयार किया गया था और इसके बाद कई वर्षों तक परियोजना का निर्माण कार्य शुरू करने का सिलसिला जारी रहा। कई तरह की उठापटक और विरोध का सामना करने के बाद अंततः 2003 में पानी भरने के साथ बाँध का काम भी शुरू हो गया और बाँध के पानी से बिजली बनाने और वितरण का काम भी शुरू हो गया था। इस लिहाज से देखें, तो करीब दो दशक तो बाँध का काम शुरू हुए ही हो चुके हैं और लगभग पांच दशक पहले इस परियोजना के लिए लोगों की जमीन लेने का सिलसिला भी शुरू हो ही गया था। पर आश्चर्यजनक बात यह है कि आज तक विस्थापितों की समस्या का समाधान नहीं हो सका है .. सरकारों की उपेक्षा पूर्ण नीतियों का ही नतीजा है कि रिहरी बाँध बने इतना अरसा बीत जाने के बावजूद विस्थापितों की समस्याओं को पूरी तरह नजरअंदाज ही किया गया है और यह सब तब हो रहा है जब 2001 में केंद्र सरकार के ऊर्जा मंत्रालय ने अपने एक 'ऑफिस मेमोरेंडम' में साफ़ कहा था कि टिहरी बांध विस्थापितों के पुनर्वास में होने वाले सभी खर्चों का वाहन टीएचडीसी (टिहरी हाइड्रो पॉवर डेवलपमेंट कारपोरेशन) करेगी। यह एक ऐसा निकाय है जिसमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और केंद्र सरकार समेत कई राज्य सरकारों की भागीदारी है और विस्थापितों के पुनर्वास के साथ ही इस बाँध परियोजना के निर्माण से लेकर बिजली के उत्पादन और वितरण से लेकर तमाम प्रशासकीय कार्य इसी निगम की जिम्मेदारी और जवाबदेही पर है, पर जमीनी स्थिति यह है कि पुनर्वास कार्यालय तक के खर्चों के लिए भी टीएचडीसी पैसा मुहैया नहीं करा रही है। यही नहीं टीएचडीसी की लापरवाही और उपेक्षापूर्ण नीति के चलते न केवल अनेक दावों व वादों का उल्लंघन हो रहा है बल्कि 19 जुलाई 1990 को मिली पर्यावरणीय स्वीकृति तथा मुआवजे के सम्बन्ध में 1 सितंबर 2003 को जारी देश के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का भी उल्लंघन हो रहा है। ऐसे अनेक मुद्दें हैं जिनके सन्दर्भ में विस्थापितों की समस्याओं पर चर्चा होनी चाहिए लेकिन ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। कायदे में इसके लिए राज्य सरकार के स्तर पर एक समिति का गठन किया जाना चाहिए। इसके जो विस्थापितों की तमाम समस्याओं को सुनें उनको कलम बंद करें और बिना किसी लंबी प्रक्रिया के इन समस्याओं का समाधान किया जाए। टीएचडीसी उसके लिए आर्थिक जिम्मेदारी के लिए पूर्ण रूप से बाध्यकारी हो। इसके साथ ही मौजूदा समय में टिहरी बांध के पर्यावरण प्रभाव का आंकलन करने की भी सख्त जरूरत है।

gpjournalist@gmail.com

एक निडर स्वतंत्रता संग्रामी

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

23 जनवरी 1897 की उस अनुपम बेला को भला कौन भुला सकता है, जब उड़ीसा के कटक शहर में एक बंगाली परिवार में नामी वकील जानकी दास बोस के घर भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में चमकने वाला एक ऐसा वीर योद्धा जन्मा था, जिसे पूरी दुनिया ने नेताजी के नाम से जाना। जानकीनाथ और प्रभावती की कुल 14 संतानें थीं, जिनमें 6 बेटियां और 8 बेटे थे।

सुभाष चंद्र उनकी नौवीं संतान और पांचवें बेटे थे। सुभाष को अपने सभी भाइयों में से सर्वाधिक लगाव शरदचंद्र से था। बचपन से ही कुशाग्र, निडर, किसी भी तरह का अन्याय व अत्याचार सहन न करने वाले तथा अपनी बात पूरी दबंगता के साथ कहने वाले सुभाष बाबू ने मैट्रिक की परीक्षा 1913 में कलकत्ता के प्रेसिडेंसी कॉलेज से द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण की। एक बार कॉलेज में एक प्रोफेसर द्वारा बार-बार भारतीयों की खिल्ली उड़ाए जाने और भारतीयों के बारे में अपमानजनक बातें कहने पर सुभाष को इतना गुस्सा आया कि उन्होंने कक्षा में ही उस प्रोफेसर के मुंह पर तमाचा जड़ दिया, जिसके चलते उन्हें कॉलेज से निकाल दिया गया था। कलकत्ता विश्वविद्यालय से 1919 में बी. ए. की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद माता-पिता के दबाव के चलते सुभाष आई. सी. एस. (इंडियन सिविल सर्विस) की परीक्षा हेतु इंग्लैंड के कैमब्रिज विश्वविद्यालय चले गए। ब्रिटिश शासनकाल में भारतीयों का प्रशासनिक सेवा में जाना लगभग असंभव ही माना जाता था, लेकिन सुभाष ने अगस्त 1920 में यह परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करते हुए चतुर्थ स्थान हासिल किया। उस समय देश का माहौल इस तरह के सम्मानों के सर्वथा विपरीत था, इसलिए सुभाष इस दुविधा में थे कि वे एक आईसीएस के रूप में नौकरी करके ऐश की जिंदगी बिताएं या अंग्रेज सरकार की इस शाही नौकरी को लात मार दें। उन्होंने तब अपने पिता को पत्र भी लिखा, दुर्भाग्य से मैं आईसीएस की परीक्षा में उत्तीर्ण हो गया हूं मगर मैं अफसर बनूंगा या नहीं, यह नहीं कह सकता।

आखिर देशभक्त सुभाष ने निश्चय कर लिया कि वह ब्रिटिश सरकार में नौकरी करने के बजाय देशसेवा ही करेंगे और उसी समय उन्होंने ब्रिटेन स्थित भारत सचिव (सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इंडिया) को त्यागपत्र भेजते हुए लिखा कि वह विदेशी सत्ता के अधीन कार्य नहीं कर सकते। नौकरी छोड़कर सुभाष भारत लौटे। उस समय देशबंधु चितरंजन दास का बहुत प्रभाव था। सुभाष भी उनसे बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने चित्तरंजन दास को अपना राजनीतिक गुरु बना लिया। सिविल सर्विस छोड़ने के बाद वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के

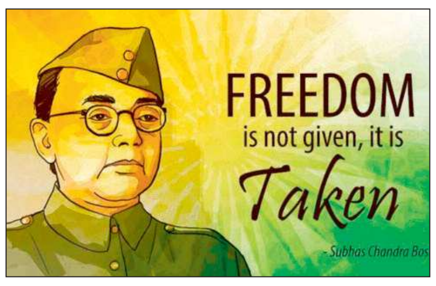

कहा जाता है कि 18 अगस्त 1945 को उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, लेकिन वास्तव में कोई नहीं जानता कि उनकी मौत कब और कैसे हुई?

साथ जुड़ गए। 1921 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सदस्यता ले ली। दिसम्बर 1921 में भारत में ब्रिटिश युवराज प्रिंस ऑफ वेल्स के स्वागत की तैयारियां चल रही थी, जिसका चित्तरंजन दास और सुभाष ने बढ़-चढ़कर विरोध किया और जुलूस भी निकाले, इसलिए दोनों को जेल में डाल दिया गया। इस तरह सुभाष 1921 में पहली बार जेल गए।

गौरतलब है कि विचारों में प्रबल विरोधाभास होने के बावजूद गांधी जी को राष्ट्रपिता कहकर सर्वप्रथम नेताजी ने ही संबोधित किया था। सुभाष पूर्ण स्वतंत्रता के हक में थे, इसलिए उन्होंने 1928 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में विषय समिति में नेहरू रिपोर्ट द्वारा अनुमोदित प्रादेशिक शासन स्वायत्तता के प्रस्ताव का डटकर विरोध किया था। 1930 में सुभाष कलकत्ता नगर निगम के महापौर निर्वाचित हुए और फरवरी 1938 में कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन में पहली बार कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए, जिसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय योजना आयोग का गठन किया, जो गांधीवादी आर्थिक विचारों के अनुकूल नहीं था।

महात्मा गांधी के प्रबल विरोध के बावजूद जनवरी 1939 में सुभाष पुनः एक गांधीवादी प्रतिद्वंदी को हराकर कांग्रेस के अध्यक्ष बने किन्तु गांधी ने इसे सीधे तौर पर अपनी हार के रूप में प्रचारित करते हुए सुभाष के अध्यक्ष चुने जाने पर स्पष्ट रूप से कहा कि सुभाष की जीत मेरी हार है। उसके बाद महसूस किया जाने लगा था कि गांधी के प्रबल विरोध के चलते सुभाष पद छोड़ देंगे और अंततः गांधी के लगातार विरोध को देखते हुए उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी। गांधी और सुभाष के विचारों में मतभेद इतना बढ़ चुका था कि अप्रैल 1939 में सुभाष ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर 5 मई 1939 को फारवर्ड ब्लॉक नामक नया दल बना लिया। उस समय तक सुभाष की गतिविधियां और अंग्रेज सरकार पर उनके प्रहार इतने बढ़ चुके थे कि अंग्रेज सरकार ने उन्हें भारत रक्षा कानून के तहत गिरफ्तार कर लिया। जेल में सुभाष ने आमरण अनशन शुरू कर दिया, जिससे उनकी सेहत बहुत बिगड़ गई, तो अंग्रेज सरकार ने उन्हें जेल से रिहा कर उनके घर में ही नजरबंद कर दिया लेकिन जनवरी 1941 में सुभाष अंग्रेजों की आंखों में धूल झोंककर वहां से भाग निकलने में सफल हो गए। वहां से निकलकर वह काबुल व पेशावर होते हुए जर्मनी की ओर कूच कर गए। उस समय द्वितीय विश्व युद्ध चल रहा था और जापानी अंग्रेजों पर भारी पड़ रहे थे, अतः सुभाष ने जापानियों की मदद से अपनी लड़ाई लड़ने का निश्चय किया। दरअसल उनका मानना था कि अंग्रेजों के दुश्मनों से मिलकर आजादी हासिल की जा सकती है।

10 अक्तूबर 1942 को उन्होंने बर्लिन में आजाद हिंद सेना की स्थापना की और 21 अक्तूबर 1943 को आजाद हिंद सेना का विधिवत गठन हुआ। आजाद हिन्द फौज के सर्वोच्च नेता की हैसियत से उन्होंने स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार बनाई, जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको तथा आयरलैंड ने मान्यता भी दी और जापान ने अंडमान-निकोबार द्वीप इस अस्थायी सरकार को दे दिए, जिसके बाद सुभाष ने उन द्वीपों का नया नामकरण किया। 1944 में आजाद हिन्द फौज ने अंग्रेजों पर पुनः आक्रमण किया और कुछ भारतीय प्रदेशों को अंग्रेजों से मुक्त भी करा लिया था। उनकी सेना के प्रतीक चिह्न पर एक झंडे पर दहाड़ते हुए बाघ का चित्र था। अपनी आजाद हिंद फौज के साथ नेताजी सुभाष 4 जुलाई 1944 को बर्मा पहुँचे, जहां उन्होंने भारत को विदेशी दासता से मुक्ति दिलाने के लिए तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा, नारे के साथ समस्त भारतवासियों का आव्हान किया। उनकी आजाद हिंद सेना में हर जाति, हर धर्म, हर सम्प्रदाय के सैनिक थे और उनके क्रांतिकारी विचारों से देशवासी इतने प्रभावित हुए कि देखते ही देखते उनके साथ एक बहुत बड़ा काफिला खड़ा हो गया। कहा जाता है कि 18 अगस्त 1945 को उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, लेकिन वास्तव में कोई नहीं जानता कि उनकी मौत कब और कैसे हुई?

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

हर भारतीय के लिए पराक्रम के प्रतीक हैं नेताजी सुभाष चंद्र बोस

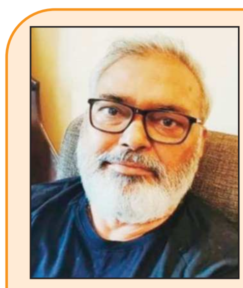

निशिकांत ठाकुर

आज हम और आप 23 जनवरी, 2021 में हैं। 21वीं सदी का अरुणिमा के साथ। भारत का यशस्वी सूर्य अंबर चढ रह है। तभी तो भारत माता के सपूत के जन्मदिन को आज पराक्रम दिवस के रूप में पहचान दी गई है। भारतीय गणराज्य के राजपत्र में इसे अंकित कर दिया गया है। ऐसा नहीं है कि अनायास ही यह शब्द गढा गया हो । जिनकी जयंती को पराक्रम दिवस कहा गया है, उनमें वह पूरा पौरूष और कौशल रहा, जिसे उनके जीवन यात्रा से आप और हम बखूबी समझ सकते हैं। हम बात कर रहे हैं भारत माटी के लाल नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की। आज भले ही उनके नाम और पराक्रम दिवस को लेकर राजनीतिक घटना-परिघटनाएं और वाद-विवाद हो, लेकिन उनके व्यक्तित्व पर किसी को तनिक भी संदेह नहीं हैं। मेरा तो व्यक्तिगत मत है कि हम अपने नौनिहालों को ऐसे सपूतों के जीवन गाथा और उनके जीवन दर्शन के बारे में बताते रहें।

असल में, कटक (तत्कालीन पश्चिम बंगाल और वर्तमान में ओडिशा का जिला) के प्रसिद्ध वकील जानकीदास तथा प्रभावती के यहां 23 जनवरी 1897 का दिन विश्व के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। इसी दिन स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक सुभाष चन्द्र बोस का जन्म हुआ था । सुभाष चंद्र बोस के पिता वरिष्ठ वकील जानकीदास ने अंग्रेजों के अन्याय के विरुद्ध 'रायबहादुर' की उपाधि लौटा दी। बालक सुभाष के मन में पिता के प्रति इस अपमान के कारण भी अंग्रेजों के प्रति कटुता कूट कूट कर भर गई। सुभाष बाबू ने अंग्रेजों को भारत से खदेड़ने का दृढ़ संकल्प लेकर राष्ट्र धर्म की रक्षा के लिए अपने को संकल्पबद्ध कर लिया।

बंगाल का बोस परिवार एक प्रतिष्ठित परिवार था और सुभाष बाबू पढ़ाई लिखाई में तेज थे । वैसे उनका पारिवारिक पेशा वकालत था , लेकिन उनके प्रखर बुद्धि को देखकर उन्हें परिवार वालों ने आईसीएस, आज उसे यूपीएससी सिविल सर्विसेज कह सकते हैं, की परीक्षा में बैठने पर जोर दिया । परिवार के दवाव में आकर वह परीक्षा में बैठे और देश में चौथे स्थान पर आए । लेकिन, नौकरी शुरू करने के बजाय उन्होंने देश सेवा का निश्चय किया और फिर पूरी ताकत से कांग्रेस ज्वाइन करके देश को आजाद कराने का निर्णय लिया।

पंडित जवाहर लाल नेहरू उनसे लगभग 8 वर्ष बड़े थे, इसलिए उनकी जोड़ी अच्छी बनी और एक बैरिस्टर , एक आइसीएस की जोड़ी जम गई। महात्मा गांधी भी इन्हें पसंद करने लगे। नेहरू जी और सुभाष इतने करीबी गांधी जी के हो गए कि आश्रम ही नहीं, रसोईघर तक में भी उनकी पहुंच होने लगी । सुभाष बाबू को चाय पीने की आदत थी , लेकिन बापू आश्रम में चाय पीना पूर्णतः वर्जित था । सुभाष बाबू बा के इतने प्यारे हो गए कि बा ने स्वयं उनके लिए चुपचाप चाय बनाना शुरू कर दिया । एक दिन अनायास बापू किचन में आ गए , बा चाय के बर्तन को छिपाने का प्रयास करने लगी । बापू ने सहज भाव से बा से कहा सुभाष बाबू ने चाय पी ली । बा ने सकुचाते हुए हां कहा, तो बापू ने बड़े प्रेम से कहा

स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है 23 जनवरी 1897 का दिन

कि मुझे मालूम है बंगाल के लोग चाय पीते हैं इसलिए इनके लिए चाय बनाना नियमित कर दें।

अब सुभाष बाबू जब भी आश्रम पहुंचते बा के पास जाकर चाय पिया करते थे । गांधी जी के सहयोगी दल में सुभाष बाबू कुछ उग्र थे, उनका कहना था कि 38 करोड़ भारतीयों पर एक लाख अंग्रेज क्यों और किस तरह राज्य करेगा । यह उनके दिल को कचोटता रहता था । उनका कहना यह भी था कि ऐसे लोगों के साथ सख्ती करके देश से बाहर करना ही उचित है , लेकिन गांधी जी की अहिंसक नीति इनके सोच में बाधक बनी हुई थी । वह इस मामले में गांधी जी से बिल्कुल ही अलग थे और कहते थे कि आजादी मांगने से नहीं छीनने से मिलती है। यूं तो महात्मा गांधी के निकटतम कई सहयोगी थे। उनमें पं. जवाहर लाल नेहरू, सरदार

बल्लभ भाई पटेल, सुभाष चंद्र बोस, जय प्रकाश नारायण, आचार्य कृपलानी, आजाद, राजेन्द्र प्रसाद और कई अन्य। सबके विचार महात्मा गांधी सुनते थे और सबको अपनी प्रतिक्रिया दिया करते थे। उनके सभी सहयोगी श्रेष्ठ कोटि के राजनीतिज्ञ थे, लेकिन उनका अपना कोई निजी स्वार्थ नहीं था और वे सारे देशहित के लिए अंग्रेज की गुलामी से भारत को आजाद कराना चाहते थे। गांधीजी अहिंसक रूप से अंग्रेजों से आजादी पाना चाहते थे, वहीं सुभाष चंद्र बोस उग्र थे। उनका यह भी कहना था कि ब्रिटिश सम्राज्य के सहस्त्र खंड होने चाहिए, केवल तभी एशिया और अफ्रीका के गरीब देश मुक्ति की सांस ले पाएंगे। सभ्यता और मानवता की डींगे हांकने वाले चर्चिल सहित सभी ब्रिटिश धुरंधरों को क्या अधिकार है कि वह हमें गुलामी के कोल्हू में पेरे? हमारे देश की जनता आजादी के निमित्त संघर्ष के लिए आतुर है, इसलिए आकाश के आंगन में उन्मुक्त विहार करने वाले पक्षी भी हमें छेड़ते हैं। पूछते हैं, तुम लड़ते क्यों नहीं? सुभाष चंद्र बोस की इस ज्वाला को बार-बार गांधीजी शांत करते रहे । बार-बार समझाने पर भी जब नहीं माने तो स्वयं गांधीजी को अपने हाथ से लिखकर अत्यंत दुखी और आर्त मन से उन्हें तीन वर्ष के लिए कांग्रेस से निलंबित कर दिया। फिर समझाया कि युद्ध किसी समस्या का निदान नहीं है, इसलिए संयम बरतें। लेकिन, सुभाष चंद्र बोस कहां रुकने वाले थे ।

जर्मनी, इटली और जापान से किसी प्रकार सहयोग मांगा। चूंकि जापान अमेरिका और इंग्लैंड से युद्ध लड़ ही रहा था, इसलिए जापान ने सहयोग देने का वचन दिया। फिर उन्होंने आजाद हिन्द फौज का गठन किया। घोर अभाव में अंग्रेजों की सेना को नुकसान पहुंचाते हुए आजाद हिन्द फौज की सेना कोहिमा में फंस गई । टोक्यो की एक सर्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए नेताजी ने कहा था- देश बांधवों, सत्ता के मद में उन्मुक्त बंदीगृह की दीवारें धराशाई होंगी, गर्व की मीनारें ढह जाएगी। छोटे-बड़े सभी स्वर्ण कण चुनेंगे। टोकयो से सिंगापुर जाते समय विमानतल पर यूरोपीय पत्रकारों ने उनसे पूछा कि कल के हिंदुस्तान में आप किस प्रकार की शासन व्यवस्था पसंद करेंगे - लोकतंत्र अथवा तानाशाही ? नेताजी ने कहा - अनुशाशनबद्ध लोकतंत्र । लेकिन, उसका परिणाम क्या हुआ, इसे बताने की जरूरत नहीं है।

वहीं, महात्मा गांधी ने अहिंसा के पुजारी बनकर गुलाम भारत को अंग्रेजों की वर्षों पुरानी दासता से मुक्त कराया।

18 अगस्त 1945 ताईपेई शहर के बाहर नाउन्नमॉन्न का फौजी अस्पताल वरिष्ठ जापानी डॉक्टर टी.ओशिमो बड़े अनमने भाव से बैठे थे। फोन की घंटी घनघना उठी । बेमन से डॉक्टर ने फोन उठाया - ' हेलो डॉक्टर मैं एयरपोर्ट से बोल रहा हूं , यहां एक बॉम्बर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है और उसके कई लोग दुर्घटनाग्रस्त हो गए हैं । कृपया तैयार रहें मैं उन्हें लेकर आ रहा हूं । डॉक्टर , जल्दी करें । यह कोई सामान्य ऑफिसर नहीं , ही इज चंद्राबोस ऑफ इंडिया ।

डॉक्टर स्तब्ध रह गया कहा , इसे तो चमत्कार ही कहना चाहिए ऐसी तीव्र वेदना को मिस्टर बोस कैसे सहन कर पा रहे है । मैं तो प्रयत्न कर ही रहा हूं इतने महान नेता के परिचर्चा का अवसर मेरे भाग्य में कभी मिलेगा ? सुभाष चन्द्र बोस नाक है हिन्दुस्थान के । सुभाष बाबू ने पानी की मांग की। पानी की बूंद उनके मुंह में टपकाई गई। 20 अगस्त को तापेपेई के शमशान घाट पर उनका हिन्दू रीति से अंतिम संस्कार कर दिया गया। 38 करोड़ भारतीयों को नेतृत्व देनेवाला स्वयं चीरनिद्रा में लीन हो चुका था । नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उनकी मृत्यु की कई जांच कराई गई। कई तथाकथित साधु संत अपने को सुभाष चन्द्र बोस होने का निरर्थक दावा करते रहे , लेकिन सब बकवास । नेताजी सुभाष चन्द्र बोस तो अपनी अनंत यात्रा पर निकल चुके थे, जिन्हे ढूंढ पाना किसी के लिए संभव नहीं होता । आज भी कुछ आशाओं के साथ उन्हें खोजने के लिए तरह तरह के व्यर्थतम प्रयास किए जा रहे हैं । उस दिव्यतम महापुरुष को शत शत प्रणाम ।

(इस लेख में कुछ कोट स्वरूप विश्वास पाटिल की किताब महानायक से कुछ अंश साभार लिए गए हैं)।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक हैं)।

ज्ञान संस्कार

एक निःस्वार्थ सच्चे देशप्रेमी

दिलीप शुक्ला

उनके हृदय में राष्ट्र के लिए मर मिटने की चाह थी। उनके व्यक्तित्व एवं वाणी में एक ओज एवं आकर्षण था। उनके पिता जानकी दास बोस एक प्रसिद्ध वकील थे। वे जो कहते थे, उसे करके भी दिखाते थे। उनकी हर वाणी से ही लगता कि वे पक्के देशभक्त हैं। उन्होंने ही इंडियन नेशनल आर्मी का नेतृत्व किया था। यह अंग्रेजों के खिलाफ लड़कर भारत को स्वाधीन करने के लिए बनाई गई थी। आजाद हिन्द ने यह फैसला किया कि वे लड़ते हुए दिल्ली पहुंचकर अपने देश की आजादी की घोषणा करेंगे या वीरगति को प्राप्त हो जाएंगे। जी हां, मैं बात कर रहा हूं नेताजी सुभाष बोस की, जिन्होंने कहा था ... तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। सच तो ये ही है कि इस नारे को भारत में ही नहीं, बल्कि समस्त भू मंडल पर प्रवाहित करने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस वह नाम है जो शहीद देशभक्तों के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा है। इस नारे ने भारत में राष्ट्रभक्ति का ज्वार पैदा किया, जो भारत की स्वतंत्रता का बहुत बड़ा आधार भी बना। जी हां, पूरे देश में नेताजी के इस नारे को सुनकर राष्ट्रभक्ति की अलख जगी। जो यह कहते हैं कि शांति और अहिंसा के रास्ते से भारत को आजादी मिली, उन्हें एक बार नेताजी के जीवन चरित्र का अध्ययन करना चाहिए।

दरअसल, इसी कारण नेताजी सुभाष चंद्र बोस के कथनों से विश्व के बड़े दिग्गज भी घबराते थे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की कथनी और करनी में गजब की समानता थी। सुभाष चंद्र बोस की लोकप्रियता इतनी अधिक थी कि भारत के लोग उन्हें प्यार से नेताजी कहते थे। कम पैसों और सीमित संख्या में सैनिक होने पर भी नेताजी ने जो किया, वह प्रशंसनीय है। नेताजी के हर कदम से अंग्रेज सरकार घबराती थी। उन्होंने आम भारतीय के हदय में इसी चाह की अलख जगा दी। सुभाष चंद्र बोस की वीरता की गाथा भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी सुनाई देती है। उन्होंने ही फारवर्ड ब्लाक की स्थापना की। उन्होंने पूर्ण स्वराज्य का लक्ष्य रखा। उनका नारा था जय हिन्द।

सुभाष चन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को उड़ीसा प्रांत में कटक में हुआ था। प्रारम्भिक शिक्षा कटक में प्राप्त करने के बाद यह कलकत्ता में उच्च शिक्षा के लिये गये। आईसीएस की परीक्षा उत्तीर्ण करके इन्होंने अपनी योग्यता का परिचय दिया। देश के लिये अटूट प्रेम के कारण वे अंग्रेजों की नौकरी नहीं कर सके। बंगाल के देशभक्त चितरंजन दास की प्रेरणा से वे राजनीति में आये। गाँधी जी के साथ असहयोग आन्दोलन में भाग लेकर वे जेल भी गये। 1939 में यह कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। लेकिन कांग्रेस और गाँधी जी के अहिंसावादी विचार इनके क्रान्तिकारी विचारों से मेल नहीं खाते थे इसलिए इन्होंने कांग्रेस छोड़ दी। तत्पश्चात सुभाष जी ने पूर्ण स्वराज का आशय भारतीय संस्कारों से आप्लावित राज्य। आज भी हमें पूर्ण स्वराज की तलाश है।

गांधी के अनुयायी के तौर पर भारत छोड़ो आंदोलन में उनकी महत्वपूर्ण भागीदारी थी। इस आंदोलन ने भारत को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एक उच्च जाति के परिवार में जन्मे, वे अक्सर विरोध करने और राष्ट्रीय आंदोलनों का हिस्सा बनने के लिए और सभी के साथ समान व्यवहार की वकालत करने के लिए अपने निस्वार्थ प्रयासों के लिए जाने जाते थे।

उनके तीव्र क्रांतिकारी विचारों और कार्यों से त्रस्त होकर अंग्रेजी सरकार ने उन्हें जेल भेज दिया। जेल में उन्होंने भूख हड़ताल कर दी जिसकी वजह से देश में अशांति फैल गयी थी। जिसके फलस्वरूप उनको उनके घर पर ही नजरबंद रखा गया था। नेताजी ने जो आह्वान किया वह सिर्फ आजादी प्राप्त तक ही सीमित नहीं था बल्कि भारतीय जन-जन को युग-युग तक के लिए वीर बनाना था। नेताजी भारत के ऐसे सपूत थे जिन्होंने भारतवासियों को सिखाया कि झुकना नहीं बल्कि शेर की तरह दहाड़ना चाहिए। खून देना एक वीर पुरुष का ही काम होता है।

नेताजी भारत को एक महान विश्व शक्ति बनाना चाहते थे। उनकी नजर में भारत भूमि वीर सपूतों की भूमि थी, इसी भाव को वह हर हृदय में फिर से स्थापित करना चाहते थे। उन्होंने अंडमान निकोबार को भारत से पहले ही स्वतंत्र करा दिया।

बंगाल के बाघ कहे जाने वाले नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अग्रणी स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उनके नारों 'दिल्ली चलो' और तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' से युवा वर्ग में एक नये उत्साह का प्रवाह हुआ था।

कहा जाता है कि वीर पुरुष एक ही बार मृत्यु का वरण करते हैं, लेकिन वे अमर हो जाते हैं। उनके यश और नाम को मृत्यु मिटा नहीं पाती है। सुभाष चन्द्र बोस जी ने स्वतंत्रता के लिए जिस रास्ते को अपनाया था वह सबसे अलग था।

page-9_page 1 1/22/2021 9:38 PM Page 1

सारसुर्खियां

सभासद पत्नी ने अपने पति को कराया थाने में बंद

गदरपुर। गदरपुर नगर पालिका की सभासद की ओर से अपने ही पति को गिरफ्तार कर बंद करा दिया। शराब का नशा इस कदर चढ़ कर बोला कि एक सभासद प्रतिनिधि पति ने शराब के नशे में अपनी सभासद पत्नी से अभद्रता कर डाली। पत्नी ने इसकी सूचना पुलिस को देकर पति को गिरफ्तार कराया। एक मामला गदरपुर वार्ड की सभासद के पति का सामने आया है जहां सभासद ले पुलिस को जानकारी देकर बताया कि उनके पति ने शराब के नशे में उनके साथ अभद्रता की जिनके काफी समझाने पर भी वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आए, मजबूर होकर सभासद को पुलिस का सहारा लेना पड़ा और गदरपुर थाने फोन कर अपने पति की करतूतों के बारे में जानकारी दी जिसमें पुलिस की ओर से तत्परता से कार्रवाई करते हुए सभासद प्रतिनिधि को थाने ले आई। वहीं थाना पुलिस का कहना है कि सभासद की ओर से फोन कर पहले भी इनके खिलाफ शिकायत की जा चुकी है।

मारपीट के आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर भड़के विद्युत कर्मचारी

- विजिलेंस टीम को बंधक बनाकर मारपीट करने का मामला

भास्कर समाचार सेवा

गदरपुर। विजिलेंस टीम को बंधक बनाकर एवं मारपीट करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी ना होने से गुस्साए विद्युत कर्मियों ने ग्राम मजरा शीला स्थित विद्युत घर में धरना दिया।

बता दें विगत कुछ दिन पूर्व 16 जनवरी को विजिलेंस टीम व विद्युत विभाग की गदरपुर टीम ने छापामारी अभियान चलाया था जिसमें पूर्व बीडीसी सदस्य अशफाक हुसैन व उनके परिवार ने छापामारी करने आई विजिलेंस टीम के ऊपर हमला कर जेई विद्याधर पाठक एवं लाइनमैन सत्येंद्र कुमार को बंधक बना लिया था जिसमें विजिलेंस विभाग की ओर से दी गई तहरीर के बाद भी कोई ना करते हुए अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया जिस पर नाराज होकर विद्युत विभाग कर्मियों ने धरना दिया। उत्तराखंड पावर इंजीनियर के संयोजक महेश चंद्र ने कहा कि यदि पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की तो विद्युत विभाग कर्मचारी आंदोलन तेज करेंगे जिसमें हड़ताल की रणनीति को भी तैयार किया जाएगा।

मजरा शीला स्थित विद्युत घर में धरना देते कर्मचारी।

एसडीओ गदरपुर दीपक पाठक ने पुलिस की कार्यवाही पर सवालिया निशान उठाए, उन्होंने कहा जिस दिन यह घटना घटी थी उस दिन थानाध्यक्ष व पुलिस द्वारा जेई विद्याधर पाठक व लाइनमैन सत्येंद्र कुमार को स्वयं उनके द्वारा ही छुड़वाया गया था तो मौके पर ही तुरंत ही दोषियों को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया। सभी आला अधिकारियों से अपील की गई है कि वह तुरंत ही इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए अग्रिम कार्रवाई करें। इस दौरान उत्तराखंड पावर इंजीनियर्स एसोसिएशन के सचिव प्रवीण कुमार, जेई मेहता अली, एक्शन बृजमोहन भट्ट, दीपक पाठक, अंशुल मदान, विवेक उपाध्याय, पुष्पेंद्र शर्मा, मनीष कुमार, संजय सिन्हा, फरमान अली, नसीम अहमद, विनीता देवी सहित भारी संख्या में विद्युत विभाग कर्मचारी उपस्थित थे।

एडीएम ने दिए अमीनो को कर्ज वसूली के निर्देश

- तहसील कार्यालय पहुंचकर वसूली रजिस्टर्ड चेक किए

भास्कर समाचार सेवा

बाजपुर। एडीएम उत्तम सिंह चौहान ने तहसील कार्यालय पहुंचकर संग्रह अमीनो के वसूली रजिस्टर्ड चेक किए गए और उन्हें सख्त निर्देश किए गए हैं कि जल्द से जल्द कर्ज वसूली की जाए। और उन्होंने कहा है कि सुबह 10 बजे से 5 बजे तक कर्मचारी अपने ऑफिस में मौजूद रहेंगे जल्दी जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ नोटिस देने के बाद कार्रवाई की जाएगी। जनता के काम में किसी तरह की भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने चकबंदी अधिकारियों की शिकायतों पर उन्होंने कहा है कि जल्द ही चकबंदी अधिकारियों को चकबंदी करने के निर्देश दिए गए हैं इसके साथ ही उन्हें ऑफिस में समय के अनुसार बैठ कर जनता के कार्य करने होंगे ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। जल्द ही चकबंदी सीओ चकबंदी सहायक चकबंदी सीओ को अपने ऑफिस में बैठकर जनता के कार्य कर रहे होंगे इसके लिए डीएम से वार्ता करके उनको बोल दिया जाएगा। उन्होंने अवैध खनन को लेकर कहा है कि जल्द ही राजस्व प्रशासन एसडीएम को साथ लेकर अवैध खनन के खिलाफ छापामार अभियान चलाया जाएगा किसी भी कीमत पर अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर तहसीलदार प्रेम सिंह चौहान, नायब तहसीलदार आरके चंद्रपाल सिंह, कानूनगो धन सिंह आदि मौजूद थे।

वसूली रजिस्टर्ड चेक करते एडीएम उत्तम सिंह चौहान।

पशु सेवा केंद्रों में लटका ताला, पशुपालक परेशान

पशु बिमार होने पर काटने पड़ते हुए बेरीनाग और गंगोलीहाट मुख्यालय के चक्कर

प्रदीप महरा

बेरीनाग। सरकारी योजनाओं की धरातल पर कैसी स्थिति है और योजनाओं का लाभ कैसे लोगों को मिल पाता है। यह देखने को मिल रहा है गंगोलीहाट विधानसभा क्षेत्र में स्थित पशुपालन विभाग की योजनाओं पर। पहाड़ की रीड़ और पहाड़ में 60 प्रतिशत से अधिक लोग पशुपालन पर निर्भर है। यहां के लोगों की मुख्य आजिविका का साधन भी है। लेकिन पशुपालन विभाग की यह योजनायें सिर्फ कागजों में घास चर रही है। विधानसभा के अंतर्गत अधिकांश पशु सेवा केन्द्रों में लम्बे समय से ताले लटके हुए है।

क्षेत्र में 13 पशुधन केन्द्र है लेकिन 9 पशुधन केन्द्रों में लम्बे समय से ताला लटका हुआ है। जिससे आये दिन पशुपालकों को पशु बिमार होने पर बेरीनाग और गंगोलीहाट तहसील मुख्यालय के चक्कर काटकर डाक्टर के आगे मन्नतें करनी पड़ती है। बेरीनाग विकास खंड में चामाचैड़, भुवनेश्वर, जयनगर, कोटमन्या, चौसला पशु सेवा केन्द्रों में लम्बे समय से ताले लटके हुए है। पुरानाथल के पशुधन प्रसार अधिकारी के पास 6 केन्द्रों की जिम्मेदारी है। पहाड़ों में 6 केन्द्रों को देख पाना बहुत मुशिकल कार्य है। गंगोलीहाट विकास खंड में पोखरी, चहज,चौनाला, गणाई, सिमलता में भी लम्बे समय से अधिकारी नही होने से ताला लटका हुआ है। कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधि यहां पर अधिकारियों की नियुक्ति की मांग कर चुके है लेकिन मांग फाइलों तक सीमित होकर रह गयी है। यदि ग्रामीण में क्षेत्रों में कोई पशु बिमार हो जाय तो पशुपालकों के आगे बड़ी परेशानी खड़ी हो जाती है। यह समस्या आये दिन देखने को मिल रही है। जब इस सन्दर्भ मे पशुपालन मंत्री रेखा आर्या को फोन कर उनका पक्ष जानने की कोशिश की तो उन्होने फोन नही उठाया। जिस कारण उनका पक्ष पता नही चल पाया।

पाताल भुवनेश्वर में बंद पशु सेवा केन्द्र।

सम्बद्धता खत्म होने के बाद कैसे हो रहे सम्बद्ध !

बेरीनाग। कुछ वर्षो में सरकार ने सभी विभाग अधिकारियों और कर्मचारियों की सम्बद्धता को खत्म कर दिया था। लेकिन उसके बाद आये दिन कुछ विभागीय अधिकारी कर्मचारी नियमों को ताक में रखकर मनचाही स्थलों पर तैनाती करवा दे रहे है। यही हाल पशुपालन विभाग में हो रहा है। जिस कारण आज इन केन्द्रों में कार्यरत पशुधन प्रसार अधिकारियों में मनचाही स्थानों पर अपने को सम्बद्ध करा दिया है। यही हाल रहा है अधिकांश सरकारी कार्यालयों में ताला लगने में भी देरी नही होगी।

> ग्रामीण क्षेत्रों में लम्बे समय से पशुधन प्रसार अधिकारी नही होने से आये दिन पशुपालकों का परेशानी उठानी पड़ती है। कई स्थानों पर पशुओं को समय पर उपचार नही मिलने के कारण मौत भी हो जा रही है। अधिकाश पशुओं पालकों की आय भी पशुओं से होती है इस हाल में कैसे लोगों पशुओं को पालेगे। सरकार को शीघ्र यहां पर केन्द्र खोलने की व्यवस्था करनी चाहिए।
> **-रेखा भंडारी प्रदेश सचिव कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ**

> क्षेत्र में स्थित केन्द्र बंद होने की जानकारी है। पूर्व में पशुपालन मंत्री रेखा आर्या के इस समस्या से अवगत कराया है। शीघ्र केन्द्रों में अधिकारियों की नियुक्ति कराई जायेगी।
> **-मीना गंगोला विधायक गंगोलीहाट**

> जिले के अधिकाश केन्द्रों में कर्मचारियों की कमी कारण बंद हो रहे है। आसपास के अधिकारियों को केन्द्रों का अतिरिक्त कार्यभार देकर केन्द्र खोलने को कहा गया है। कर्मचारियों की कमी के संदर्भ में प्रशासन को अवगत करा दिया गया है।
> **-डॉ. विद्यासागर कापड़ी मुख्य पशु चिकित्साधिकारी**

चार सौ कलाकारों को सम्मानित किया

खटीमा। थारू सांस्कृतिक संगठन द्वारा आयोजित थारू कलाकारों का सम्मान समारोह मे क्षेत्र के चार सौ कलाकारों को सम्मानित किया गया। थारू विकास भवन में आयोजित दो दिवसीय सम्मान समारोह मे शुभारम्भ शुक्रवार को विधायक पुष्कर सिंह धामी ने किया। सम्मान समारोह के दूसरे दिन आयोजित कार्यक्रम मे थारू जनजाति के कलाकारों ने झींझी नृत्य, होली गायन, लोक गीत, वाद्य यंत्रों व लोक नृत्यों की प्रस्तुति देकर लोगो को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह के दौरान विधायक धामी ने खटीमा, नानकमत्ता व सितारगंज के लगभग 150 कलाकारों को सम्मानित किया। विधायक धामी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से कलाकारों का उत्साहवर्धन होता है। दो दिवसीय कार्यक्रम मे विनायक अस्पताल बरेली की ओर से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाकर मरीजों के आखों की जांच की गई। कार्यक्रम अध्यक्ष बंटी राना ने दो दिवसीय सम्मान समारोह कार्यक्रम मे क्षेत्र के 400 थारू कलाकारों को सम्मानित किया गया। इस दौरान केवल सिंह, मनोहर सिंह, रिंकू राना, हरीश आदि मौजूद रहे।

खबर एक नजर

व्यापार मंडल ने व्यापारियों को बांटे मास्क

नैनीताल। सरोवर नगरी में शुक्रवार को मां नयना देवी नैनीताल व्यापार मंडल के संस्थापक पुनीत टंडन के नेतृत्व में सदस्यों द्वारा मल्लीताल के तिब्बती बाजार के व्यापारियों को कोविड से बचाव के लिए मास्क का वितरण किया गया। संस्थापक पुनीत टंडन ने कहा आज भोटिया मार्केट न्यू पालिका मार्केट में लगभग 400 व्यापारियों को मास्क बांटे गए है। आगे भी व्यापार हित सही सामाजिक कार्यों के कार्य मां नैना देवी नैनीताल व्यापार मंडल द्वारा किए जाएंगे इस मौके पर विकास जयसवाल,मोंटू साह, जितेंद्र जेठी,अमरप्रीत सिंह, शैलेन्द्र साह, मयंक टंडन, विनोद कुमार, शंकर मजमुदार सहित अन्य व्यापारी सदस्य मौजूद थे। व्यापारियों ने उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की है।

पाताल भुवनेश्वर मंदिर में चलाया सफाई अभियान

बेरीनाग। तीन दिन पूर्व में पाताल भुवनेश्वर में प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिधियों, मंदिर कमेटी के सदस्यों ने बैठक कर सामूहिक प्रयास से यहां की समस्याओं को दूर करने का निर्णय लिया था। जिसके तहत अब पाताल भुवनेश्वर को जाने वाले पैदल मार्ग की सफाई के लिए मंदिर कमेटी के पदाधिकारी, गाइड, स्थानीय लोग आये और पूरे मार्ग को साफ करने के साथ लम्बे समय से गंदे पड़े पानी के स्त्रोतों की भी सफाई की। आसपास के लोगों और व्यापारियों से मार्ग में कूडा नही फकडने और सफाई करने की अपील की। इस मौके पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष नीलम भंडारी, सचिव जगत रावल, केदार सिंह, राजेन्द्र सिंह, लक्ष्मण सिंह, भगवान सिंह, महेश सिंह, नरेन्द्र सिंह, शेर सिंह, मनोहर सिंह, नरेन्द्र सिंह, महिपाल सिंह, उमेद राम सहित आदि मौजूद थे। इधर ग्रामीणों के इस पहल का एसडीएम अभय प्रताप सिंह ब्लाक प्रमुख विनीता बाफिला ने स्वागत करते हुए सरहाना भी की है।

बालिका को भगा ले जाने वाला गिरफ्तार

लालकुआं। बालिका को बगा ले जाने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक महिला निवासी गांधीनगर, लालकुआं ने 31 दिसंबर को अपनी पुत्री के विगत माह को किसी व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने के संबंध में तहरीर दी थी। मामले में पुलिस कार्रवाई के दौरान वरिष्ठ उप निरीक्षक रोहताश सिंह के नेतृत्व में थाना स्तरीय पुलिस टीम का गठन कर विवेचना महिला उपनिरिक्षक सीमा आर्या के सुपुर्द की। बता दें कि गठित पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विगत 31 दिसंबर को अपहरण की गई बालिका को पुलिस ने 2 जनवरी को ही मीरगंज बरेली से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द किया व पीड़ति के बयान व साक्ष्यों के आधार पर अभियोग दर्ज किया गया था। पुलिस टीम ने जानकारी हासिल कर जनपद की सर्विलांस टीम की मदद से गुड़गांव हरियाणा से वाजिद अली निवासी हल्दी खुर्द थाना मीरगंज बरेली को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

थिएटर के लिए 36 लाख स्वीकृत

नैनीताल। सरोवर नगरी के रंग कर्मियों के लिए खुशी की खबर है। विधायक संजीव आर्य ने बताया नैनीताल के लोग ओपन थिएटर की मांग निरंतर रंगकर्मी-रंगमंच एवं नाट्य कला से जुड़े रंगकर्मियों की ओर से लगातार की जा रही थी। इसी क्रम में मेरे द्वारा मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत से कई बार वार्ता के बाद जल्दी बीएम शाह पार्क का जीर्णोद्धार 36 लाख से किया जा रहा है। शहर और उसके आसपास के रंगकर्मियों को शहर का पहला ओपन एयर थिएटर का जीर्णोद्धार कार्यदायी संस्था पेयजल निर्माण निगम की ओर से निर्माण की सभी कार्यवाही कर ली गयी है। जल्दी ही कार्य प्रारंभ हो जाएगा। इस कार्य के लिए विधायक संजीव आर्य ने मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत का आभार व्यक्त किया है और सभी रंगकर्मियों को बधाई दी है।

पंचायत निधि से कराया सड़क का किया लोकार्पण

जसपुर। कृषि कानूनों के विरोध के चलते ग्राम पंचायत मनोरथपुर के ग्राम मलपुरी में कुछ ग्राम वासियों की ओर से गुरुवार को भाजपा नेताओं के ग्राम में नहीं आने के ग्राम के बाहर बोर्ड लगा दिए थे। शुक्रवार को भाजपा नेता डॉ शैलेंद्र मोहन सिंघल ने कार्यकर्ताओं के साथ ग्राम में पहुंचकर ग्रामीणों के साथ बैठक की। नाराज किसानों को व लोगों को समझाते हुए तथा ग्राम पंचायत निधि से बनाई गई 110 मीटर टाइल्स रोड का लोकार्पण किया तथा ग्रामीणों के साथ बैठक कर समस्याओं को सुना। साथ ही समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सुरेन्द्र चौहान, सुधीर विश्नोई, डॉ सुदेश, विनोद, गुरचरण सिंह, सिमरनजीत कौर, सरफराज अहमद, सरवन सिद्धू, सरदारा सिंह, सुखदेव सिंह, दीपक कुमार, गुरदीप सिंह दीपा, मुख्त्यार सिंह, कुलदीप सिंह, दीपक सैनी, बूटा सिंह, गुरदेव सिंह,आदि उपस्थित रहे।

89 लोगों को लगा कोरोना का टीका

नैनीताल। कोरोना संक्रमण वैक्सीन टीकाकरण शुक्रवार को रैमजे अस्पताल में एसीएमओ डॉ. रश्मि पंत सहित 89 लोगों को लगाया गया। बीडी पांडे अस्पताल के पीएमएस डॉ. केएस धामी ने बताया कि मेडिकल टीम रैमजे अस्पताल में पूरे दिन टीकाकरण अभियान में जुटी रही। कोरोना की रोकथाम के लिए बीते तीन दिनों तक बीडी पांडे अस्पताल में कोरोना का टीकाकरण किया गया।

ग्रामीणों को दी सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी

भास्कर समाचार सेवा

बेरीनाग। सड़क सुरक्षा माह के तहत बेरीनाग पुलिस ने चौकोड़ी में शिविर लगाकर ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा माह की जानकारी देने के साथ परिवहन नियमों को विस्तार पूर्वक बताया। थानाध्यक्ष सुशील जोशी ने ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा, यातायात व्ययवस्था, दो पहिया वाहन में हैलमैट पहने,बाल एव महिला संरक्षण के बारें में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस दौरान चौकोड़ी क्षेत्र के लोगों ने टैक्सी चालकों के मनमाना किराये वसूलने और शराब पीकर आंतक मचाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने लोगों शराब पीकर हुड़दंग मचाने पर पुलिस को जानकारी देने के साथ 112 नम्बर पर काल इसकी जानकारी देने को कहा और बताया कि समय समय पर पुलिस के औचक निरीक्षण भी किया जायेगा। इस मौके पर एसआई मनोज धौनी, रमेश पाठक, मिनाक्षी रौतेला, ग्राम प्रधान ज्योति सानी, निर्मला चुफाल, मनोज सानी, हरीश कोंरगा, माया पांडे, चन्द्र सिंह कार्की, हरीश चुफाल, जीवन शाह आदि मौजूद रहे।

खेत में जबरन रास्ता बनाने का आरोप

बाजपुर। नमाज़ अदा करने वालों की ओर से दंपत्ति की जमीन में जबरन रास्ता निकाला गया है, विरोध करने पर गांव से निकालने की धमकी दी जा रही है। जिसको लेकर दंपत्ति ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की है। मुंडियापिस्तौर निवासी मेहबूब पुत्र अहमद हुसैन ने कोतवली में दी गयी तहरीर में बताया कि उसके घर के पास क़रीब 6 वर्ष पूर्व मदरसा बना था जिसका रास्ता उत्तर की तरफ है। मदरसे के पास ही मस्जिद भी है। वहीं पीड़ति की कुछ जमीन खाली पड़ी है। जिसमें वहां के लोगों ने पीड़ति से कहा कि कुछ समय तक नमाज़ अदा करने वाले बच्चों को निकलने दो।

गणतंत्र दिवस परेड को लेकर पुलिस ने की रिहर्सल

नैनीताल। डीएसए ग्राउंड मल्लीताल में गणतंत्र दिवस परेड पूवारभ्यास पूर्वाभास पुलिस की छह अलग-अलग टोलियो द्वारा रिहर्सल करी गई। प्रातः से ही महिला और पुरुष पुलिस जवान रिहर्सल के लिए एकत्र होकर कई घंटों रियल कर तैयारी कर रहे है। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर भव्य परेड का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष कोविड-19 के चलते वह उत्साह कम नजर आ रहा है। प्रशासन ने पहले ही साफ कर दिया था कि सादगी के साथ मनाया जाएगा। गणतंत्र दिवस पर होने वाली परेड को लेकर चल रही रिहर्सल क्षेत्राधिकारी विजय थापा के नेतृत्व में चल रही है। इस मौके पर थाना अध्यक्ष तल्लीताल विजय मेहता, वरिष्ठ उप निरीक्षक कोतवाली कश्मीर सिंह के अलावा अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

एसएसपी-एडीएम की किसानों से वार्ता विफल, ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर दिल्ली कूच रोकने को लेकर बुलाई थी बैठक

दिल्ली गाजीपुर बॉर्डर के लिए आज रवाना होंगे किसान

भास्कर समाचार सेवा

बाजपुर। तीन कृषि कानूनों के विरोध में शनिवार को हजारों की संख्या में ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर जिले से किसान दिल्ली रवाना होंगे। किसानों के आंदोलन को टालने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर, एडीएम उत्तम सिंह चौहान, प्रशिक्षु आईएएस जय किशन, एसपी राजेश भट्ट, सीओ दीपशिखा अग्रवाल, तहसीलदार प्रेम सिंह चौहान ने सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस में किसानों के साथ वार्ता की। वार्ता में किसानों को रोकने को कहा गया जिस पर किसानों ने रुकने से इंकार कर दिया। भाकियू के प्रदेश अध्यक्ष करम सिंह पड्डा ने कहा है किसान शांतिपूर्ण तरीके से ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर के लिए रवाना होंगे। किसान अपने रूट चेंज कर सकते हैं लेकिन किसान दिल्ली हर कीमत पर पहुंचेंगे।

किसानों से वार्ता करते एसएसपी व एडीएम।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर ने कहा आप लोग दिल्ली ना जाए । इसके साथ ही उन्होंने सुरक्षा एवं रोकने के लिए भारी संख्या में बॉर्डर पर पुलिस फोर्स तैनात किया है। वहीं रामपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने यूपी दोराहा बॉर्डर पर भारी मात्रा में पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। रैली को लेकर दोनों प्रदेशों की पुलिस बॉर्डर पर तैनात कर दी गई है। किसानों ने हर कीमत पर दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर पर जाने का ऐलान किया है उससे पीछे हटने को तैयार नहीं है। इस मौके पर दलजीत सिंह रंधावा, कुलविंदर सिंह किदा, ज्ञान सिंह , सुभाष बेहड़, बिक्रमजीत सिंह गिल, हरदयाल सिंह, राजेंद्र सिंह गिल, प्रीत ग्रोवर, हरमीत सिंह नीटू, सेवक सिंह, खुशाल सिंह, अमित जोशी, गुरमीत सिंह, तेजेंद्र सिंह, प्रकाश सिंह, सरबजीत सिंह, सुरेश कंबोज, प्रताप सिंह संधू आदि किसान मौजूद थे।

सम्मोहन से ठगी करने का मुकदमा दर्ज

हल्द्वानी। सम्मोहन कर सोने की अंगूठी व चेन उड़ा ले जाने का मुकदमा दर्ज कराया गया है। तहरीर में डा. प्रमोद चन्द्र गुरुरानी अवकाश प्राप्त संयुक्त निदेशक स्वास्थ विभाग 9 जगत मंगला कालोनी तल्ला लोहरिया साल ऊंचापुल हल्द्वानी ने बताया कि बीती 19 जनवरी को दोपहर 12.45 बजे घर के बाहर टहल रहा था, इस दौरान दो मोटर साईकिल सवार लोगों ने मुझको बातों में लगाकर तथा मेरे पैर छु कर व सम्मोहित कर चेन व सोने की अंगूठी फोटो खिंचवाने के बहाने ले ली और मोटर साईकिल में ले भागे, मैं भी काफी दूर तक उनके पीछे भागा, परन्तु वह तेज रफ्तार से भाग गये, मोटर साईकिल का कलर लाल व काला था तथा उसमें अप्लाइड फॉर लिखा था। एक व्यक्ति की जैकेट का रंग पीला था।

page-10_page 1 1/22/2021 9:53 PM Page 1

आज ही के दिन 2004 में मध्य प्रदेश में गोवंश वध पर पूर्णतया प्रतिबंध लागू हुआ था।

बिल्डर पर दर्ज हुआ धोखाधड़ी का मुकदमा

- कॉलोनीवासियों ने कब्जा न देने व अभद्र व्यवहार का भी लगाया आरोप

भास्कर समाचार सेवा

ओमेक्स रिवेरा निवासी रजनीश राय ने तहरीर दी थी जिसमें उन्होंने किरतपुर स्थित पंचवटी कॉलोनी के स्वामी पर धोखाधड़ी की बात रखी। प्रथमदृष्टया इस पर मुकदमा पंजीकृत किया गया है और विवेचना की जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएगा, उस आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।
-नित्यानंद पंत, कोतवाली थाना प्रभारी, रुद्रपुर।

रूद्रपुर। ओमेक्स रिवेरा निवासी व्यक्ति ने कॉलोनी स्वामी द्वारा मकान पर कब्जा नहीं देने और अभद्र व्यवहार का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामले में कालोनी स्वामियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम ओमेक्स रिवेरा निवासी रजनीश राय ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उन्होने ग्राम कीरतपुर स्थित पंचवटी कॉलोनी में एक आवास खरीदा था, जिसकी रजिस्ट्री और बनने के बाद कॉलोनी स्वामियों ने पजेशन देने का आश्वासन दिया था। आरोप है कि कॉलोनी स्वामी ने अभी तक उन्हें मकान का पजेशन नहीं दिया है। साथ ही कॉलोनी में घुसने भी नहीं दिया जा रहा है और घुसने के एवज में पांच लाख रूपये की मांग की जा रही है। कॉलोनी में जाने पर कॉलोनी स्वामी द्वारा सुरक्षाकमियों के साथ मिलकर अभद्र व्यवहार किया गया और जान से मारने की धमकी दी गई।

आरोप है कि बेचा गया मकान ले-आउट प्लान में भी नही है, जिससे प्रतीत होता है कि कॉलोनी स्वामी ने उन्हें फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मकान बेचा तथा धोखाधड़ी की गई। स्थानीय पुलिस द्वारा सुनवाई नहीं करने पर पीड़ित ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई, जिसके बाद कोतवाली पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के अनुसार एलायंस किंगस्टन इस्टेट कालोनी निवासी सुरेंद्र कुमार और सुधीर चावला के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ब्लड बैंक में रक्त की कमी पर चिंता जताई

हल्द्वानी। कोरोना काल की सोशल दूरी के मानकों की बाध्यता के बाद प्रेस क्लब की विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रेस क्लब के संरक्षक संजय तलवार ने इस दौर में रक्तकोष में रक्त की कमी पर गहरी चिंता जताई। उन्होने इस संदर्भ में शीघ्र विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ रक्दान शिविर लगाये जाने का प्रस्ताव रक्खा जिस पर सभी ने सहमति व्यक्त की। बैठक में ही पत्रकार अनुपम गुप्ता के पुत्र की संदिग्ध मौत की जांच की धीमी गति पर असंतोष जाहिर किया। एयूजे के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश जोशी ने विभिन्न विभागों के अपेक्षित सहयोग ना प्रदर्शित होने पर चिंता व्यक्त करते हुए बदलाव लाने पर जोर दिया।

हरीश के चेहरे पर लड़ा जाए चुनाव: हसनैन

भास्कर समाचार सेवा

- कांग्रेस सरकार के दौरान किए थे कई एतिहासिक कार्य
- उत्तराखंड की जनता में हैं सर्वाधिक लोकप्रिय

सितारगंज। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व पूर्व दर्जा राज्यमंत्री हसनैन मलिक ने अपने आवास पर प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि कांग्रेस की हाईकमान को 2022 में होने जा रहे उत्तराखंड विधानसभा के चुनाव में हरीश रावत के चेहरे पर कांग्रेस को चुनाव लड़ना चाहिए। हरदा जमीन से जुड़ा नेता हैं और उत्तराखंड का सबसे लोकप्रिय नेताओ में उसका नाम सबसे ऊपर है। उत्तराखंड की जनता भी भली भांति जानती है और हरदा को चाहती भी है। क्योंकि जब हरीश रावत उत्तराखंड के मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई थीं, जिससे लोगों को बहुत लाभ भी हुआ था। पूरा प्रदेश रावत को पुनः उत्तराखंड का मुख्यमंत्री देखना चाहता है। प्रदेश की कमान गलत लोगों के हाथ में जाने से उत्तराखंड पहले ही काफी पीछे चला गया है इसलिए अब उत्तराखंड को ईमानदार, कर्मठ, जुझारू, निडर, दूरदृष्टि नेता हरीश रावत की जरूरत है, जो उत्तराखंड को विकास की गति देकर ऊंचाइयों तक ले जाएं।

उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में किसी कमजोर चेहरे को आगे करने का साफ मतलब होगा दूसरी पार्टी को सहयोग करना। कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने पिछले चार सालों से पूरी ताकत झोंक रखी है। इसलिए 2022 में उत्तराखंड विधानसभा के चुनाव में हरीश रावत को ही मुख्यमंत्री का चेहरा बनाया जाए और रावत के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा जाना चाहिए। 2022 में उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार बनना तय है।

सारसुर्खियां

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर होंगे कई कार्यक्रम

हल्द्वानी। आगामी 25 जनवरी को जनपद में विगत वर्षों की भांति राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। सूचना विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 11वें मतदाता दिवस की विषय वस्तु 'हम हैं सशक्त, सतर्क, सुरक्षित एवं जागरूक' निर्धारित की गई है। मतदाता दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में कोविड-19 संबंधी दिशा-निर्देशों का अनिवार्य रूप से अनुपालन किया जाएगा। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर ई-एपिक भी लांच किया जाएगा।

काटे चालान

हल्द्वानी। चौकी भोटिया पड़ाव में शांति व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, कोविड 19, यातायात के नियमों का उल्लंघन,बिना मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई की गई। पुलिस अभियान में यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर चार के चालान कर 2000 रु. शुल्क वसूल किया गया। बिना मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न करने वाले 25 व्यक्तियों के विरुद्ध कुल 25 चालान कर 3900 रुपया संयोजन शुल्क वसूल किया गया।

हजारों परिवारों को मिले मालिकाना हक: ठुकराल

विधायक ठुकराल ने नगर विकास मंत्री मदन कौशिक को सौंपा ज्ञापन, मंत्री ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

- अध्यादेश लाकर बस्तियों का विनियमितीकरण करे सरकार

भास्कर समाचार सेवा

नजूल के मामले को लेकर शहरी विकास मंत्री को ज्ञापन सौंपते विधायक राजकुमार ठुकराल।

अधिकारियों की बैठक लेते शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक।

रुद्रपुर। विधायक राजकुमार ठुकराल ने रुद्रपुर पहुंचे शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक से मुलाकात कर उत्तराखंड के विभिन्न नगरों सहित रुद्रपुर शहर की नजूल भूमि पर बसे हजारों परिवारों को नजूल भूमि पर मालिकाना हक दिए जाने के संबंध में ज्ञापन सौंपा। उन्होंने ज्ञापन में कहा कि सरकार अध्यादेश लाकर रुद्रपुर में बसी बस्तियों का विनियमितीकरण करे, जिससे नजूल जमीन पर 30 से 40 वर्षों से निवास कर रहे हजारों परिवारों को उनके घर का मालिकाना हक मिल सके।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में भी दान की जमीनों पर भी सैकड़ों परिवार निवास कर रहे हैं। उनका भी विनियमितीकरण हो उनको भी मालिकाना प्राप्त हो।

इस दौरान विधायक ठुकराल ने पुष्प गुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। विधायक ठुकराल ने कहा कि उत्तराखंड राज्य सहित रुद्रपुर शहर में हजारों उपेक्षित परिवार पिछले 30 से 40 वर्षों से नजूल भूमि पर निवास कर रहे हैं, जिसमें पूर्व की सरकारो द्वारा बनाई गई नजूल नीति के अनुरूप कई परिवारों ने सरकार को राजस्व देकर जमीन की रजिस्ट्री फ्रीहोल्ड आदि भी करवा चुके हैं। उन्होंने कौशिक को बताया कि रुद्रपुर की नजूल भूमि पर दर्जनों मलिन बस्तियों का विस्तार हो चुका है, जहां सरकारी योजनाओं से करोड़ों अरबों रुपये के विकास के कार्य भी हुए हैं एवं सरकारी प्राथमिक विद्यालय, सामुदायिक भवन, आंगनबाड़ी केंद्र सहित सड़कों, सार्वजनिक पार्कों सहित धार्मिक एवं सामाजिक स्थलों का निर्माण एवं पुनरोद्धार कार्य भी पूर्व एवं वर्तमान सरकारों द्वारा किया गया है। विधायक ठुकराल ने ज्ञापन के माध्यम से सुझाव दिया और प्रदेश सरकार एक मजबूत एवं पारदर्शी नजूल नीति अध्यादेश के जरिये लाए और बस्तियों का विनियमितीकरण कर नजूल जमीन पर बसे प्रदेश एवं रुद्रपुर के हजारों परिवारों को उनकी जमीन का मालिकाना हक दे सके।

शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक विधायक ठुकराल को आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार जनता के हितों एवं अधिकारों के लिए कार्य कर रही है जनता का हित ही सरकार के लिए सर्वोपरि हैं। राज्य सरकार प्रत्येक वर्ग के हितों की रक्षा के लिए पूर्णरूप से कटिबद्ध है। उन्होंने ठुकराल को आश्वासन दिया कि इस मामले पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

शत-प्रतिशत होनी चाहिए निकायों की वसूली

रूद्रपुर। जनपद प्रभारी एवं शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक ने कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण एवं नगर निकायों द्वारा किये गए विकास कार्यो की समीक्षा बैठक ली। मंत्री ने विकास प्राधिकरण द्वारा किये गये निर्माण कार्यों व काशीपुर में स्टेडियम निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना, रुद्रपुर में ट्रांसपोर्टनगर परियोजन की स्थिति, खटीमा में बस अड्डा, सुपर कांप्लेक्स, नानकमत्ता में पार्किंग व सभी नगर निकायों के कार्यों एवं कूड़ा निस्तारण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नगर निकाय यह सुनिश्चित करें कि हाउस टैक्स एवं कमर्शियल टैक्स वसूली में विशेष रूप से अभियान चलाते हुए शत प्रशिशत टैक्स वसूली करें। जिन नगर निकायों में वसूली प्रतिशत कम होगा, उसमें संबंधित ईओ की संपूर्ण जिम्मेदारी होगी। जिन विकास कार्यों में टेंडर प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है, उनमें 15 दिन में टेंडर प्रक्रिया पूरी करें व विकास कार्यों में गति लाएं, ताकि आम लोगों को विकास कार्यों का लाभ मिल सके। इस अवसर पर जिलाधिकारी रंजना राजगुरु, क्षेत्रीय विधायक राजकुमार ठुकराल, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु खुराना, जिलाध्यक्ष शिव अरोरा, उपाध्यक्ष जिला विकास प्राधिकरण बंशीधर तिवारी, सचिव जिला विकास प्राधिकरण पंकज उपाध्याय, ओसी नरेश चंद्र दुर्गापाल, मुख्य नगर आयुक्त रिंकू बिष्ट, संयुक्त मजिस्ट्रेट गौरव कुमार, उप जिलाधिकारी निर्मला बिष्ट, विवेक कुमार, राजकुमारी गिरी सहित नगर निकायों के ईओ आदि उपस्थित थे।

अगले राउंड में पहुंची महाकाल इलेवन

खटीमा। श्री बागनाथ ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट में महाकाल इलेवन ने एनईआर इलेवन को 6 विकेट से हराकर अगले राउंड में प्रवेश किया।

श्री बागनाथ ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट झनकईया-पकड़िया की ओर से बंगाली कालोनी वन चौकी स्थित मैदान में शुक्रवार को लीग मैच का शुभारंभ कर प्रधान पति माधव चंद ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। एनईआर इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओवर में 98 रन बनाकर आलआऊट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी महाकाल इलेवन के खिलाड़ियों ने 10.3 ओवर में 4 विकेट खोकर 99 रन बनाकर मैच जीतकर अगले चक्र में प्रवेश किया। महाकाल इलेवन की ओर से महेश चंद ने 26 गेदों पर 52 रन बनाए। उन्हें मैन ऑफ द मैच पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

महेश को प्रधान पति माधव चंद ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मैच में अम्पायर की भूमिका गोपी भट्ट एवं असीत व्यापारी ने निभाई। इस दौरान कमेटी संरक्षक संजय सिंह पिलख्वाल, अध्यक्ष इन्द्रपाल सिंह, दीपक सामंत, पान सिंह बसेड़ा, दिलीप राय, सुरज बसेड़ा, पान सिंह भाटिया, तारा दत्त भट्ट, मनोज जोशी, मनोज चुफाल, दीपक सोनकर आदि मौजूद थे।

प्रिंस गुप्ता बने भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष

- अहम जिम्मेदारी सौंपने पर संगठन का जताया आभार
- जरूरतमंदों तक पहुंचाएंगे सरकारी योजनाओं का लाभ

भास्कर समाचार सेवा

सितारगंज। भाजपा ने सितारगंज नगर निवासी प्रिंस गुप्ता को भाजपा युवा मोर्चा संगठन ने अहम जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें भाजपा सितारगंज युवा मोर्चा का मंडल अध्यक्ष बनाया गया है। प्रिंस युवा मोर्चा में काफी समय से सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से उनको जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका बखूबी पालन किया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का जन-जन में प्रचार-प्रसार किया जाएगा। साथ ही जरूरतमंदों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाएगा। प्रिंस गुप्ता युवा मोर्चा का मंडल अध्यक्ष बनने पर क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त किया है और क्षेत्र के लोगों ने उनको बधाइयां दी हैं। उन्होंने कहा कि इस पद को मैं ईमानदारी के साथ निभाऊंगा और मेहनत से लगन से कार्य करूंगा। जरूरतमंदों तक सरकार की जनहितकारी योजना का लाभ पहुंचाया जाएगा।

कांग्रेस नेत्री ने बिजली विभाग के अधिकारियों को बताई समस्या

- क्षेत्र में बिजली के पोल बन रहे खतरा

भास्कर समाचार सेवा

अधिशासी अभियंता से मुलाकात कर समस्या के निराकरण की मांग करतीं मीना शर्मा।

रुद्रपुर। उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्षा और रुद्रपुर नगरपालिका परिषद की पूर्व अध्यक्ष मीना शर्मा के नेतृत्व में भदईपुरा रेशम कॉलोनी और दूधियानगर के कांग्रेस कार्यकर्ता और दर्जनों ग्रामीणों ने शुक्रवार को भदईपुरा स्थित विद्युत वितरण खंड में अधिशासी अभियंता राजेश कुमार से मुलाकात की। उन्होंने अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपते हुए अवगत कराया कि शनि मंदिर के पीछे ईटों के फड़ के आसपास भदईपुरा में दूर-दूर तक बिजली के पोल नहीं हैं, जिस कारण उन पर लगे बिजली के तार हमेशा जमीन तक झूलते रहते हैं और कभी भी बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता। कमोबेश यही स्थिति रेशम कॉलोनी और दूधिया नगर में भी है। यहां भी विद्युत पोल ना होने से बिजली की तारें नीचे तक झूल रही हैं। बारिश में करंट फैलने का खतरा हमेशा बना रहता है।

उन्होंने अधिशासी अभियंता से मांग की कि वह जल्दी से जल्दी इन स्थानों पर बिजली के पोल लगाकर तारों को व्यवस्थित कराएं, जिससे संभावित दुर्घटना से बचा जा सके। अधिशासी अभियंता राजेश कुमार ने अवर अभियंता को जल्दी रिपोर्ट देने का आदेश दिया। इस अवसर पर उनके साथ कांग्रेस नेता अजय यादव, रवि कठेरिया, कमलेश गुप्ता, राजीव यादव, वीरेंद्र शर्मा, संदीप थापा, मनोज, प्रेमशंकर लौकी राम सैनी आदि मौजूद थे।

चैंपियन पर क्यों कार्रवाई नहीं करती भाजपा: आप

भास्कर समाचार सेवा

- प्रदेश प्रवक्ता ने खानपुर विधायक पर बोला हमला
- विवादित बयानों के बाद भी भाजपा क्यों है मौन

हल्द्वानी। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता समित टिक्कू ने हल्द्वानी में एक प्रेस नोट जारी कर अपने कारनामों से चर्चा में रहने वाले खानपुर विधायक प्रणव सिंह चैंपियन पर जमकर हमला बोला। आप प्रवक्ता ने कहा कि प्रणव चैंपियन को पार्टी में रखना आखिर बीजेपी की कौन सी मजबूरी बन गया है, जो समय-समय पर प्रदेश को शर्मसार करते रहते हैं और उसके बावजूद भी बीजेपी उनकी हरकतों पर पर्दा डालकर बैठी है।

उन्होंने कहा कि कभी विधायक चैंपियन उत्तराखंड की पुलिस को नामर्द कहते हैं, कभी ये हथियार लहराकर लोगों में डर फैलाते हैं, कभी छात्रों को धमकी देते हैं और कभी पार्टी के ही विधायक को अपशब्द कहते हैं। इन्होंने तो देवभूमि उत्तराखंड और यहां के लोगों को भी अपशब्द कहने से गुरेज नहीं किया, जिसकी वजह से इनको बीजेपी से निष्कासन भी सहना पड़ा, लेकिन बीजेपी संगठन ने अपने इस बदमिजाज विधायक को कुछ समय में ही माफ करके पार्टी में ले लिया। इसके बाद भी चैंपियन की हरकतों में सुधार नहीं आया।

सूर्या फाउंडेशन ने सिलाई प्रशिक्षण केंद्र पर प्रशिक्षित महिलाओं और प्रशिक्षिका को बांटे प्रमाण पत्र

महिलाओं को आत्मनिर्भरता की राह दिखा रहा सूर्या

भास्कर समाचार सेवा

सूर्या फाउंडेशन द्वारा दिए गए सिलाई प्रशिक्षण के प्रशस्ति पत्र।

काशीपुर। सूर्या फाउंडेशन द्वारा ग्राम बसई का मझरा स्थित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र पर प्रशिक्षित माताओं बहनों एवं प्रशिक्षिका को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विकास विश्वकर्मा, आइडियल विलेज इंचार्ज, नीतीश कुमार क्षेत्र प्रमुख, छत्रपाल सैनी सेवाभावी, हरीश कुमार क्षेत्र पंचायत सदस्य, मोनिका सैनी शिक्षिका सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केंद्र, अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ में मां भारती के श्रीचरणों में पुष्प अर्पण कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। इस दौरान प्रशिक्षित महिलाओं के अनुभव भी सुने गए। मुख्य अतिथि विकास विश्वकर्मा व नीतीश कुमार ने बताया कि सूर्या फाउंडेशन पूरे भारत भर में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु सारा सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केंद्र चला रहा है, जिसमें से एक आदर्श गांव बसई का मजरा में भी है। जिस प्रकार महिलाओं को एक महिला ने प्रशिक्षित किया है, इसी प्रकार आप भी प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अनेकों अनेक परिवार की माताओं बहनों को प्रशिक्षित करें, ऐसा सूर्या फाउंडेशन का सपना है और परिवार में माताओं बहनों को किसी पर निर्भर न रहना पड़े, अपना स्वयं अपने ही कार्य से आत्मनिर्भर माताएं बहनें रहें, इस उद्देश्य के साथ सूर्या फाउंडेशन पूरे देश भर में सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केंद्र चला रहा है।

राजेंद्र हिंदुस्तानी ने बताया कि इस सिलाई प्रशिक्षण केंद्र को सन 2019 से चलाया जा रहा है, जिसमें अभी तक 24 महिलाएं विभिन्न प्रकार की सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं। कार्यक्रम के दौरान पुष्पा देवी, राजबाला, उमा रानी, ज्योति, ललिता, आंचल, ज्योति कुमारी, बबीता आदि उपस्थित रहीं।

आज काशीपुर पहुंचेगी टीकाकरण जागरूकता यात्रा

भास्कर समाचार सेवा

- रोटरी इनरव्हील क्लब के तत्वावधान में नगर निगम में होगा आयोजन

काशीपुर। रोटरी इनरव्हील क्लब द्वारा शुरू किए गए 1500 किलोमीटर के राष्ट्रीय कोरोना टीकाकरण जागरूकता यात्रा अभियान के तहत रोटरी क्लब ऑफ काशीपुर, इनरव्हील क्लब ऑफ काशीपुर व रोटरी क्लब ऑफ काशीपुर कॉर्बेट के संयुक्त तत्वावधान में आज नगर में पैदल मार्च कर जागरूकता रैली निकाली जाएगी। तत्पश्चात नगर निगम सभागार में कोविड टीकाकरण जागरूकता सभा का आयोजन भी किया जाएगा। रैली में बैनर्स, पोस्टरों व स्लोगन के माध्यम से कोविड टीकाकरण को लेकर लोगों में फैली भ्रांतियां दूर की जाएंगी।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में रोटरी क्लब ऑफ काशीपुर के अध्यक्ष मधुप मिश्रा ने बताया कि 11 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों को संबोधित करते हुए रोटरी अंतरराष्ट्रीय व इनरव्हील अंतरराष्ट्रीय से राष्ट्रीय टीकाकरण कार्य में जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया था। इसके तहत रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3110 व इनरव्हील इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 311 ने 1500 किलोमीटर की राष्ट्रीय कोरोना टीकाकरण जागरूकता यात्रा अभियान की योजना बनाई। इस यात्रा का शुभारंभ रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3110 के मंडलाध्यक्ष दिनेश चंद्र शुक्ला व इनरव्हील इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 311 की मंडल प्रधान उदिता शर्मा की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश सरकार की मंत्री नीलिमा कटियार द्वारा कार रैली के रूप में 22 जनवरी को कानपुर से किया गया। यात्रा के सदस्य कानपुर से इटावा, आगरा, हाथरस, अलीगढ़, बदायूं, बिसौली, रामपुर होते हुए आज देर शाम काशीपुर पहुंचेंगे। तत्पश्चात रामनगर हल्द्वानी, रुद्रपुर, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव होते हुए यात्रा 25 जनवरी की पूर्व संध्या पर वापस कानपुर पहुंच जाएगी।

प्रशासनिक दृष्टि से इस यात्रा अभियान को पांच सेक्टर में बांटा गया है, जिसमें तृतीय सेक्टर बिसौली, रामपुर-काशीपुर, रामनगर, हल्द्वानी, रुद्रपुर, पीलीभीत का नेतृत्व रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3110 के मनोनीत मंडलाध्यक्ष पवन अग्रवाल के निर्देशन में किया जाएगा।

आज ही के दिन 2009 में फिल्मी और टीवी कार्यक्रमों में धूम्रपान दृश्यों पर लगा प्रतिबंध समाप्त हो गया था।

सारसुर्खियां

हुड्डा मौजूदा घरेलू सत्र से किये गए निलंबित

बड़ौदा। बड़ौदा क्रिकेट संघ (बीसीए) ने अपने खिलाड़ी दीपक हुड्डा को घरेलू क्रिकेट सत्र 2020-21 से बाहर कर दिया है। वह इस पूरे सत्र में नहीं खेल पाएंगे। बीसीए की शीर्ष परिषद ने कुछ सदस्यों के विरोध के बीच गुरुवार को यह निर्णय लिया। हुड्डा सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट से पहले टीम के कप्तान क्रुणाल पांड्या के साथ झगड़े के बाद टीम से हट गए थे, जिस पर बीसीए ने नाराजगी जताई थी। हुड्डा ने क्रुणाल पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाया था। बीसीए के प्रेस एवं प्रचार समिति के अध्यक्ष सत्यजीत गायकवाड ने कहा कि शीर्ष परिषद ने फैसला किया है कि हुड्डा मौजूदा घरेलू सत्र में बड़ौदा टीम का प्रतिनिधित्व नहीं करेंगे। टीम प्रबंधक और कोच से इस घटना के बारे में रिपोर्ट के साथ-साथ हुड्डा से बातचीत पर विचार के बाद यह निर्णय लिया गया है।

बांग्लादेश जीती सीरीज

ढाका। ऑफ स्पिनर मेहदी हसन (25 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी, कप्तान तमीम इकबाल (50) के अर्धशतक और शाकिब (30 रन पर दो विकेट और नाबाद 43) से बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज को सात विकेट से हरा सीरीज से 2-0 की बढ़त बना ली। बंगलादेश को दो वनडे जीतने से वनडे वर्ल्ड कप सुपर लीग में 20 अंक हासिल हो चुके हैं। हर टीम को मैच जीतने पर 10 अंक मिलते हैं। बंगलादेश की तरफ से हसन ने 25 रन पर चार विकेट, शाकिब ने 30 रन पर दो विकेट और मुस्ताफिजुर रहमान ने 15 रन पर दो विकेट लिए। मेहदी हसन को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

सुशील के बिना ही 'दंगल' में 74 किग्रा का घमासान

- 23 से नोएडा में शुरू होगी फ्रीस्टाइल सीनियर नेशनल कुश्ती चैम्पियनशिप

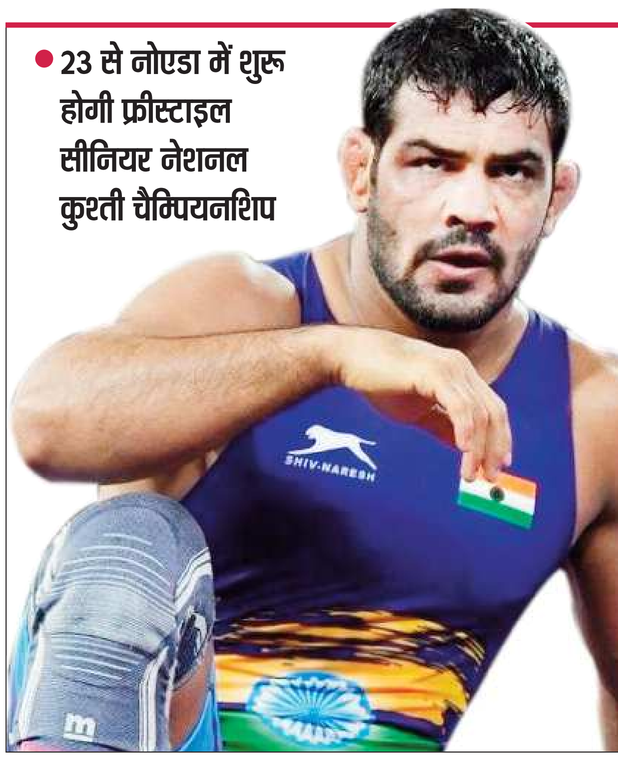

नई दिल्ली। दो बार के ओलम्पिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार 23 और 24 जनवरी 2021 को नोएडा में आयोजित 65वीं पुरुष फ्रीस्टाइल सीनियर नेशनल कुश्ती चैम्पियनशिप में नहीं उतर रहे हैं, लेकिन उनके बिना भी 74 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में घमासान होगा।

भारतीय कुश्ती महासंघ ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के विभिन्न वजन वर्गों के लिए पहलवानों की सूची जारी की है जिसमें 74 किग्रा वर्ग में सुशील को छोड़कर देश के अन्य सभी प्रमुख पहलवानों के नाम शामिल हैं। इन पहलवानों में नरसिंह यादव भी शामिल हैं, जिन पर 2016 के रियो ओलंपिक में उनके मुकाबले की पूर्वसंध्या पर डोपिंग के कारण चार साल का प्रतिबंध लग गया था। नरसिंह पर लगा प्रतिबंध पिछले साल समाप्त हो गया था। टोक्यो ओलम्पिक एक साल के लिए स्थगित होने के कारण नरसिंह के लिए 74 किग्रा वर्ग में मौका बन गया है।

नरसिंह ने रियो ओलम्पिक के लिए कोटा हासिल किया था। इस वजन वर्ग में भारत को अभी तक ओलम्पिक कोटा नहीं मिला है। 74 किग्रा वर्ग में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के अन्य सभी बड़े पहलवान भाग ले रहा हैं जिनमें प्रवीण राणा और जितेंद्र शामिल हैं।

उत्तराखंड के सुमित पेश करेंगे चुनौती

74 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में आंध्र प्रदेश से के सुधाकर, बिहार से मनीष, चंडीगढ़ से संदीप, छत्तीसगढ़ से नितेश यादव, दिल्ली से विकास, गुजरात से कपिल खेरनार, हरियाणा से अमित धनखड़ और प्रवीण, हिमाचल प्रदेश से गौरव, जम्मू-कश्मीर से हफीज, झारखंड से मोतीलाल, कर्नाटक से सदाशिव, केरल से अभिषेक, मध्य प्रदेश से अंकुश, महाराष्ट्र से नरसिंह, पंजाब से संदीप सिंह, पुडुचेरी से अजय, राजस्थान से कुलदीप जाखड़, रेलवे से जितेंद्र और प्रवीण राणा, सर्विसेस से विनोद और सचिन, तमिलनाडु से विजय, तेलंगाना से चन्दन, उत्तराखंड से सुमित सिंह, उत्तर प्रदेश से मिर्जा जीशान तथा पश्चिम बंगाल से अनर्जित चुनौती पेश करेंगे।

हरियाणा के धनखड़ से होगा असली मुकाबला

आयोजकों के अनुसार इस वजन वर्ग में असली मुकाबला हरियाणा के अमित धनखड़, रेलवे के जितेंद्र और प्रवीण राणा और महाराष्ट्र के नरसिंह यादव के बीच होने की उम्मीद है। भारत को कुश्ती में ओलंपिक कोटा हासिल करने के अभी दो मौके मिलने हैं और राष्ट्रीय चैंपियनशिप का विजेता ओलम्पिक क्वालीफायर में जाने के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करेगा।

सिराज टीम इंडिया की बड़ी खोजः शास्त्री

पिता के निधन के बाद भी ऑस्ट्रेलिया से अंतिम टेस्ट मुकाबले में किया कमाल का प्रदर्शन

- सिराज ने झटक लिये थे कंगारुओं के 13 विकेट

नई दिल्ली। टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम के कोच रवि शास्त्री ने मोहम्मद सिराज को टीम इंडिया की सबसे बड़ी खोज बताया है। सिराज ने अपने पिता के निधन के बाद भी भारत न लौटकर टेस्ट मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया था।

ऑस्ट्रेलिया के साथ सीरीज के अंतिम टेस्ट में शुभमन गिल, टी नटराजन, वाशिंगटन सुंदर व मोहम्मद सिराज जैसे नवोदित खिलाड़ी शामिल थे। मोहम्मद सिराज ने कंगारू टीम के खिलाफ मेलबर्न में टेस्ट डेब्यू किया और तीन टेस्ट मैचों में उन्होंने भारत की तरफ से सबसे ज्यादा 13 विकेट हासिल किए। रवि शास्त्री ने ट्वीट कर कहा कि सिराज जिस तरह से आपने विरोधी टीम पर अपनी गेंदबाजी से आक्रमण किया आप इस टूर के सबसे बड़े खोज रहे। सिराज ने अपने पिता के निधन और इसके बाद उन पर जिस तरह से नस्लीय टिप्पणी की गई और वो इन सबसे जिस तरह से लड़े, खुद को संभाला वो कमाल का रहा। इस दौरे से पहले सिराज के पिता का निधन हो गया था और इसके बाद बोर्ड ने उन्हें घर वापस जाने को कहा था, लेकिन वो अपने पिता का सपना पूरा करने के लिए ऑस्ट्रेलिया में रुके रहे और उन्हें टेस्ट में डेब्यू करने का मौका मिल गया। वहीं, सिराज ने बताया कि ये एक अलग तरह का अनुभव था। क्योंकि मैं 6-7 महीनों के बाद घर आया था।

क्वारंटाइन में रहेंगे नटराजन

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-1 से ऐतिहासिक टेस्ट श्रृंखला जीत का हिस्सा रहे भारतीय तेज गेंदबाज टी नटराजन का गुरुवार को तमिलनाडु के उनके सलेम जिले में प्रवेश करने पर भव्य स्वागत हुआ, लेकिन उन्हें क्वारंटाइन में रहने के लिए कहा गया है। गुरुवार को स्वदेश लौटने पर अपने राज्य की आंखों का नूर बने नटराजन रथ पर सवार होकर जुलूस के साथ अपने मूल निवास सलेम जिले के चिन्नापम्पपट्टी गांव पहुंचे, जहां गांववासियों और जिला अधिकारियों ने उनका माला पहना कर स्वागत किया। इस बीच राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी उनके घर पहुंचे और उन्हें अनिवार्य 14 दिन के क्वारंटाइन में रहने के लिए कहा।

आईपीएल में चेन्नई से खेलेंगे उथप्पा

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स ने अपने बल्लेबाज रोबिन उथप्पा की चेन्नई सुपरकिंग्स से ट्रेडिंग की है और उथप्पा आईपीएल के 2021 सत्र में महेंद्र सिंह धोनी की चेन्नई टीम की तरफ से खेलेंगे। राजस्थान ने उथप्पा को 2020 सत्र के लिए आईपीएल नीलामी में खरीदा था और इस बल्लेबाज ने यूएई में खेले गए सत्र में 12 मैच खेले थे। राजस्थान ने उथप्पा को चेन्नई के साथ नयी पारी शुरू करने के लिए अपनी शुभकामनाएं दी हैं। उथप्पा ने भी कहा कि अब उन्हें चेन्नई के साथ नयी पारी शुरू करने का इन्तजार है।

लद्दाख में देश का सबसे बड़ा आइस हॉकी केंद्र

- केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू ने की घोषणा

लद्दाख। केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू लद्दाख में खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों में शामिल हुए और उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश में खेलों के बुनियादी ढांचे के विकास का आश्वासन दिया।

रिजिजू ने साथ ही कहा कि भारत के सबसे बड़े आइस हॉकी केंद्र को लद्दाख में स्थापित किया जाएगा। जांस्कर शीतकालीन खेल और युवा महोत्सव 2021 का शुभारंभ 18 जनवरी को हुआ था। ये शीतकालीन खेल 30 जनवरी को सम्पन्न होंगे। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की सुरम्य जांस्कर घाटी में खुले इलाके में होने वाली खेल गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। लद्दाख प्रशासन द्वारा आयोजित पहले ज़ांस्कर शीतकालीन खेल और युवा महोत्सव के मुख्य आकर्षण चदर ट्रैक, स्नो स्कीइंग, स्नो स्कूटर और हाइकिंग, आइस हॉकी और अन्य खेल शामिल हैं।

रिजिजू ने कहा कि वह लेह और लद्दाख के हर गांव में खेल सुविधाओं का निर्माण करेंगे। अगले दो से ढाई वर्षों में हम करगिल, लेह और आसपास के सभी छोटे जिलों में खेल सुविधाएं बनाएंगे। हम एस्ट्रो टर्फ, एथलेटिक्स सिंथेटिक ट्रैक, तीरंदाजी केंद्र और बहुत कुछ सुविधाएं प्रदान करेंगे। हम भारत के सबसे बड़े आइस हॉकी केंद्र को लद्दाख में स्थापित करेंगे।

मुश्ताक अली का क्वार्टरफाइनल लाइनअप हुआ तय

- सरदार पटेल स्टेडियम में होंगे मुकाबले

अहमदाबाद। सैयद मुश्ताक अली टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट की क्वार्टरफाइनल लाइनअप तय हो गई है और ये नॉकआउट मुकाबले अहमदाबाद के नवनिर्मित सरदार पटेल स्टेडियम में खेले जाएंगे जो दर्शक क्षमता के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है।

मुश्ताक अली टूर्नामेंट के ग्रुप मुकाबले 19 जनवरी को समाप्त हुए थे। क्वार्टरफाइनल मुकाबले 26 और 27 जनवरी को खेले जाएंगे। दोनों सेमीफाइनल 29 जनवरी को होंगे जबकि फ़ाइनल 31 जनवरी को होगा। ये सभी मुकाबले सरदार पटेल स्टेडियम में होंगे। इस बार के टूर्नामेंट में सभी छह ग्रुप की शीर्ष टीम और उसके बाद एलीट ग्रुप की अगली दो सर्वश्रेष्ठ टीमों को क्वार्टरफाइनल में प्रवेश मिलना था। एलीट ग्रुप ए से पंजाब (20 अंक), बी ग्रुप से तमिलनाडु (20 अंक), सी ग्रुप से बड़ौदा (20 अंक), डी ग्रुप से राजस्थान (16 अंक), ई ग्रुप से हरियाणा (20 अंक) और प्लेट ग्रुप से बिहार (20 अंक) ने क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। इसके बाद ग्रुप सी की दूसरे नंबर की टीम हिमाचल प्रदेश (16 अंक) और ग्रुप ए की दूसरे नंबर की टीम कर्नाटक (16 अंक) ने क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

क्वार्टरफाइनल लाइनअप

26 जनवरी ●कर्नाटक बनाम पंजाब (क्वार्टरफाइनल-1) ●तमिलनाडु बनाम हिमाचल प्रदेश (क्वार्टरफाइनल-2)
27 जनवरी ●हरियाणा बनाम बड़ौदा (क्वार्टरफाइनल-3) ●बिहार बनाम राजस्थान (क्वार्टरफाइनल-4)

सात्विकसैराज और अश्विनी जीते

बैंकाक। भारत के सात्विकसैराज रेंकीरेड्डी और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी ने टोयोटा थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सात्विकसैराज रेंकीरेड्डी और अश्विनी पोनप्पा पांचवीं सीड मलेशियाई जोड़ी चान पेंग सून आउट गोह लियू यिंग को एक घंटे 15 मिनट तक चले तीन गेमों के कड़े संघर्ष में 18-21 24-22 22-20 से पराजित किया।

भारत को घर में हराना मुश्किलः स्वान

- अब एशेज से परे होकर सोचना है जरूरी

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व ऑफ स्पिनर ग्रीम स्वान ने कहा है कि भारत को अब उसके घर में हराना एशेज जीतने से ज्यादा मुश्किल है। इंग्लैंड की टीम फरवरी में भारत दौरे पर आने वाली है। भारतीय टीम पिछले आठ वर्षों से अपने देश में इंग्लैंड से नहीं हारी है।

स्वान ने कहा कि अब इंग्लैंड की टीम को एशेज में प्रदर्शन से नहीं आंकना चाहिए। इंग्लैंड को अब एशेज से परे होकर सोचना चाहिए, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया अब दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम नहीं है। भारत ने हाल में ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में चार मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से पराजित कर ऑस्ट्रेलिया में लगातार दूसरी बार टेस्ट सीरीज जीती। पूर्व स्पिनर स्वान ने कहा कि भारत के हाल के प्रदर्शन के मद्देनजर उसे उसके घर में हराना एक बड़ी उपलब्धि होगी। स्वान ने कहा कि अगर आप दुनिया की सबसे अच्छी टीम बनना चाहते हैं तो बन कर दिखाएं। हमें एशेज श्रृंखला के बारे में सोचना बंद करना होगा जो इंग्लैंड की एक मानसिकता है। अब ऑस्ट्रेलिया दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम नहीं है। इसके लिए ऑस्ट्रेलिया ने भी बहुत मेहनत की थी और लगातार प्रयास करती थी।

जेके टायर ने की रिकॉर्ड तिमाही वित्तीय घोषणा

- समेकित बिक्री 26 प्रतिशत तक बढ़ी

नई दिल्ली। भारतीय टायर उद्योग के प्रमुख जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए रिकॉर्ड वित्तीय की घोषणा की। समेकित बिक्री 2,776 करोड़ रूपए में 26 प्रतिशत बढ़ी, जो तिमाही के लिए सबसे अच्छी बिक्री है।

जेके टॉयर के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. रघुपति सिंघानिया ने बताया कि ईबीआईटीडीए इसी क्रेट की तुलना में दोगुना होकर 507 करोड़ रूपए और पीबीटी बढ़कर 343 करोड़ रूपए हो गया। स्टैंडअलोन आधार पर बिक्री 12 करोड़ रुपये की ईबीआईटीडीए के साथ 1851 करोड़ और 196 करोड़ रूपए के पीबीटी एकत्र हुए। बिक्री और लाभप्रदता के मामले में काफी हद तक पैसेंजर, कमर्शियल वाहन के साथ फार्म के टायर की बढ़ती मांग से प्रेरित था। परिचालन क्षमता में सुधार और ब्याज लागत में कमी पर लगातार ध्यान केंद्रित करने से लाभ में सुधार में योगदान हुआ। भारत में सभी नौ जेके टायर प्लांट क्यू 3 के दौरान 96 प्रतिशत क्षमता उपयोग के साथ संचालित होते हैं।

पेट्रोल व डीजल के दाम फिर बढ़े

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल के दाम दो दिन स्थिर रहने के बाद शुक्रवार को फिर से बढ़ गए। देश में पेट्रोल की कीमतें इस समय रिकॉर्ड स्तर पर हैं। दिल्ली को छोड़कर अन्य शहरों में डीजल के दाम भी ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर हैं।

दिल्ली में पेट्रोल शुक्रवार को 25 पैसे महंगा होकर कीमत 85.45 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गई। मुंबई और कोलकाता में 24-24 पैसे बढ़कर कीमत 92.04 रुपये और 86.87 प्रति लीटर हो गई। चेन्नई में 22 पैसे बढ़ी और पेट्रोल 88.07 रुपये का बिका। पेट्रोल मुंबई में पहली बार 92 रुपये और चेन्नई में पहली बार 88 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंचा है।

भारतबेंज और मदरसन ग्रुप ने लॉच की 'बीसेफ एक्सप्रेस'

- कोविड वैक्सीन को लेकर किया गया है डिजाइन

नई दिल्ली। डायमलर इंडिया कमर्शियल व्हीकल्स ने मदरसन ग्रुप के साथ गठबंधन कर शुक्रवार को भारतबेंज़ 'बीसेफ एक्सप्रेस' का लॉच किया।

डायमलर इंडिया कमर्शियल व्हीकल्स के मैनेजिंग डॉयरेक्टर एवं सीईओ सत्काम आर्य ने बताया कि बीसेफ एक्सप्रेस नई विकसित की गई रेफ्रिजरेशन यूनिट्स का उपयोग करता है, जो सुनिश्चित करती हैं कि वैक्सीन के तापमान एवं स्थिरता की निगरानी प्रभावशाली तरीके से हो और ये डिलीवरी के सभी चरणों में सुरक्षित बने रहें। भारत बेंज़ का 'बीसेफ एक्सप्रेस' भारत के कोल्ड-चेन इन्फ्रास्ट्रक्चर की चुनौती के लिए सर्वश्रेष्ठ समाधान है। इस ट्रक के द्वारा हम वैक्सीन दूर दराज के इलाकों में भी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में पहुंचा सकेंगे। वहीं, मदरसन ग्रुप के चेयरमैन विवेक चांद सहगल ने बताया कि मदरसन ने कोविड वैक्सीन के लिए सुरक्षित व भरोसेमंद वितरण समाधान प्रदान करने का अपना वादा पूरा किया। हमारा अभिनव एवं इंटीग्रेटेड उत्पाद तापमान का नियंत्रण एवं टैंपर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करता है।

नई दिल्ली में 'बीसेफ' लॉच करते मदरसन ग्रुप के चेयरमैन वीसी सहगल व डेमलर इंडिया कमर्शियल व्हीकल के मैनेजिंग डॉयरेक्टर एवं सीईओ सत्यकाम आर्य। एजेंसी

धातु, बैंकिंग, वित्त, ऊर्जा और रियलिटी समूहों में रही बड़ी गिरावट, सिर्फ ऑटो समूह के सूचकांक में ही तेजी

शेयर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स 746 अंक लुढ़का

- निफ्टी में भी 218 अंक की दर्ज हुई गिरावट

मुंबई। विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में निवेश धारणा कमजोर हुई और सेंसेक्स तथा निफ्टी डेढ़ प्रतिशत लुढ़क गए। शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। सेंसेक्स 746.22 अंक टूटकर 48,878.54 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 218.45 अंक की गिरावट के साथ 14,371.90 अंक पर बंद हुआ।

एशिया और यूरोप में लगभग सभी प्रमुख शेयर बाजार लाल निशान में रहे। इससे घरेलू स्तर पर भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। धातु, बैंकिंग, वित्त, ऊर्जा और रियलिटी समूहों में बड़ी गिरावट रही। सिर्फ ऑटो समूह के सूचकांक में ही बड़ी तेजी देखी गई। निवेशकों ने मझोली और छोटी कंपनियों में भी बिकवाली की। बीएसई का मिडकैप 1.19 प्रतिशत टूटकर 18,761.87 अंक पर और स्मॉलकैप 1.04 प्रतिशत गिरकर 18,422.05 अंक पर रहा।

सेंसेक्स में एक्सिस बैंक का शेयर साढ़े चार प्रतिशत से अधिक लुढ़का। एशियन पेंट्स में भी सवा चार फीसदी की गिरावट रही। भारतीय स्टेट बैंक, इंडसइंड बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में तीन से चार प्रतिशत के बीच गिरावट रही। बजाज ऑटो का शेयर 10 प्रतिशत से अधिक चढ़ा। एशिया में हांगकांग का हैंगसेंग 1.60 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.64 प्रतिशत, जापान का निक्की 0.44 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.40 प्रतिशत टूट गया। यूरोप में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.86 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.59 प्रतिशत मजबूत हुआ। सेंसेक्स 29.81 अंक की बढ़त में 49,594.95 अंक पर खुला और शुरुआती कारोबार में 49,676.88 अंक तक चढ़ने के बाद पूरे दिन लाल निशान में रहा।

रुपये में दो पैसे की मजबूती दर्ज

मुंबई। तेल आयातकों की ओर से अमेरिकी मुद्रा की मांग कम रहने से अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया दो पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 72.97 रुपये का बिका। घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट से शुरू में रुपये पर दबाव रहा। यह चार पैसे टूटकर 73.03 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। पूरे दिन यह 73.09 रुपये प्रति डॉलर और 72.97 रुपये प्रति डॉलर के सीमित दायरे में रहा। अंत में दो पैसे की मजबूती के साथ 72.97 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

मैक्स बूपा ने किया सहारनपुर में प्रवेश

सहारनपुर। मैक्स बूपा इंश्योरेंस ने शुक्रवार को सहारनपुर में अपने कारोबार का प्रवेश करने की घोषणा की है। कंपनी का यह कदम यूपी में कारोबार के विस्तार की योजना के तहत है।

कंपनी अब सहारनपुर में अपना कामकाज शुरू कर रही है और इसका मकसद अगले पांच सालों में करीब 7500 लोगों को हेल्थ इंश्योरेंस के दायरे में लाना है। मैक्स बूपा के ग्राहक सहारनपुर में 8 नेटवर्क अस्पतालों और देश भर में 6000 से अधिक अस्पतालों में कैशलेस इलाज की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इसके साथ ही उन्हें 30 मिनट के भीतर कैशलेस क्लेम की पूर्व मंजूरी की सुविधा जैसे लाभों तक भी पहुंच मिलेगी, जिससे गुणवत्तापूर्ण हेल्थकेयर को और सुलभ बनाया जा सकेगा।

पोटाश की खुदाई के लिए तीनपक्षीय समझौता

- खुलेगा अध्ययन का नया रास्ताः जोशी

नई दिल्ली। राजस्थान में पोटाश की खुदाई के लिए व्यावहारिकता अध्ययन करने को लेकर राजस्थान सरकार के खदान एवं भूसर्वेक्षण विभाग, राजस्थान स्टेट माइंस एंड मिनरल्स लिमिटेड तथा मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एमईसीएल) के बीच तीन पक्षीय समझौता हुआ है।

कोयला एवं खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि इस एमओयू से सॉल्यूशन माइनिंग के जरिये पोटाश की खुदाई की व्यावहारिकता जानने के लिए अध्ययन का रास्ता खुलेगा। इस एमओयू के जरिये राजस्थान जो खनिज संपदा से भरपूर है, उसकी अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा यह देश का पहला पोटाश की खुदाई का केंद्र होगा। जोशी एमओयू पर हस्ताक्षर के मौके पर वर्चुअल रूप से उपस्थित थे। उनके अलावा भारी उद्योग मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी उपस्थित रहे। एमईसीएल की परियोजना में एक अंतराष्ट्रीय परामर्शदाता के रूप में प्रोजेक्ट मैनेजर के रूप में काम करेगा। राजस्थान के नागौर और गंगानगर नदी घाटी के 50 हजार किलोमीटर के क्षेत्र में पोटाश और हैलाइट यानी रॉक सॉल्ट पाया जाता है।

देश-विदेश

आज ही के दिन 2002 में अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल का पाकिस्तान के कराची से अपहरण कर बाद में उनकी हत्या कर दी गई थी।

सारसुर्खियां

अफगानिस्तान में 16 आतंकवादी ढेर

काबुल। अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में सुरक्षाबलों के अभियान में तालिबान इस्लामी समूह के 16 आतंकवादी मारे गए हैं। क्षेत्रीय अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि सुरक्षाबलों ने नंगरहार के खोगयानी और शेरजाद जिलों में अभियान चलाया था। इस अभियान में आतंकवादी समूह के पांच वरिष्ठ सदस्यों सहित 16 आतंकवादी मारे गए हैं। आतंकवादियों के इलाके में सुरक्षा चौकियों पर हमले के बाद यह अभियान चलाया गया था।

आईएस ने ली जिम्मेदारी

बगदाद। आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट ने इराक की राजधानी बगदाद में हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। फ्रांस प्रेस ने आईएस मीडिया सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। बगदाद के बाब अल शरकी क्षेत्र में गुरुवार की सुबह दो आत्मघाती हमले हुए थे। इराक के कमांडर-इन-चीफ के प्रवक्ता ने बताया कि हमलावरों ने विस्फोटक उपकरणों से विस्फोट किया था। इस हमले में 32 लोग मारे गए तथा 110 लोग घायल हुए हैं।

खुली रहें सीमाएं: मिशेल

ब्रसेल्स। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने एकल बाजार के संचालन को बनाए रखने के लिए यूरोपीय संघ की आंतरिक सीमाओं को खुला रखने की वकालत की है। मिशेल ने कहा कि हमें यकीन है कि हमें एकल बाजार के संचालन को बनाए रखने के लिए यूरोपीय संघ की सीमाओं को खुला रखना होगा।

चार लोगों की मौत

होशियारपुर। पंजाब में होशियारपुर जिले के तलवाडा में बस स्टैंड बैरियर के समीप शुक्रवार को एक प्राइवेट ट्रांसपोर्ट कंपनी की तेज रफ्तार बस की कार से सीधी भिडंत में कार में सवार चार लोगों की मौके पर मौत हो गई। मृतकों की शिनाख्त सुशील कुमार (20), कुलदीप (21), सरबजीत सिंह और तीन साल के बच्चें के रूप में की गई है। ये सभी रोली गांव के हैं। करतार कंपनी बस तलवाडा से मुकेरियां जा रही थी। हादसे के बाद बस चालक और कंडक्टर मौके से फरार हो गए।

जोधपुर में इंडो-फ्रेंच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'डेजर्ट नाइड' के दौरान उड़ान भरते भारतीय वायुसेना के विमान।

फरवरी में ट्रंप पर महाभियोग की सुनवाई

• सीनेट में मैककोनल ने रखा है प्रस्ताव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट (उच्च सदन) में अल्पसंख्यक नेता मिच मैककोनेल ने फरवरी में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के महाभियोग पर सुनवाई करने का प्रस्ताव रखा।

ट्रंप पर कैपिटल हिल पर गत छह जनवरी को दंगे भड़काने के आरोप में अमेरिकी उच्च सदन ने पिछले सप्ताह महाभियोग चलाया था। ट्रंप ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कैपिटल हिल में प्रदर्शनकारियों के आने से पहले उन्होंने जो भाषण दिया वह पूरी तरह से उचित था। समर्थक कांग्रेस को राष्ट्रपति जो बाइडेन की चुनावी जीत को प्रमाणित करने से रोकने की कोशिश कर रहे थे।

मैककोनेल ने कहा कि महाभियोग पर 28 जनवरी को होने वाली सुनवाई के लिए पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के पास चार फरवरी को महाभियोग पर जवाब देने के लिए उस दिन से एक सप्ताह का समय है। मैककॉनेल के कार्यालय ने कहा कि उच्च सदन का प्री-ट्रायल बहुत संक्षिप्त होगा। पूर्व राष्ट्रपति के पास एक सप्ताह का समय होगा। वह 11 फरवरी तक प्री-ट्रायल पर संक्षिप्त रूप से अपना जवाब प्रस्तुत कर सकेंगे। कुल मिलाकर ट्रंप के पास जवाब देने के लिए 14 दिन का समय है। सदन इस पर दो दिन में 13 फरवरी तक जवाब देगा। उन्होंने कहा कि सीनेट के प्रमुख नेता चक शूमर को प्रस्ताव भेजा है।

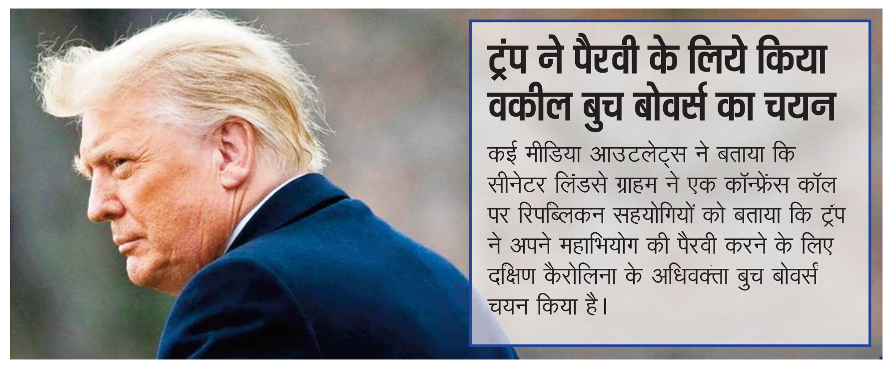

ट्रंप ने पैरवी के लिये किया वकील बुच बोवर्स का चयन

कई मीडिया आउटलेट्स ने बताया कि सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने एक कॉन्फ्रेंस कॉल पर रिपब्लिकन सहयोगियों को बताया कि ट्रंप ने अपने महाभियोग की पैरवी करने के लिए दक्षिण कैरोलिना के अधिवक्ता बुच बोवर्स चयन किया है।

अमेरिका के 20 प्रांतों में फैला नया स्ट्रेन

कोरोना महामारी से अबतक 9.74 से अधिक संक्रमित और 20 लाख से भी ज्यादा हुईं मौतें

• भारत में तेजी से बढ़ रहा है रिकवरी रेट

वाशिंगटन, एजेंसी। ब्रिटेन में सामने आए कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन अमेरिका के 20 या उससे ज्यादा राज्यों में मौजूद है। वहीं, विश्व के 192 देशों में कोरोना वायरस से नौ करोड़ 74 लाख 76 हजार 740 लोग संक्रमित हुए हैं और इससे 20 लाख 88 हजार 799 लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिका के राष्ट्रीय एलर्जी एवं संक्रामक रोग संस्थान के निदेशक एंथोनी फौसी ने कहा कि कोरोना का ब्रिटेन वाला वैरिएंट अमेरिका के 20 से ज्यादा राज्यों में है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नया वैरिएंट पुराने वैरिएंटे से 70 प्रतिशत तेजी से फैलता है। कोरोना के नए स्ट्रेन के मद्देनजर कई देशों ने सीमाएं बंद कर दी हैं तथा ब्रिटेन की यात्रा को निलंबित कर दी है, जिसके कारण यह अधिक नहीं फैल सका। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केंद्र के अनुसार कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित अमेरिका में संक्रमितों की संख्या 2.46 करोड़ के पार हो चुकी है, जबकि करीब 4.10 लाख से अधिक मरीजों की मौत हुई है। भारत में रिकवरी दर तेजी से बढ़ रही है। यहां स्वस्थ्य होने वालों की संख्या एक करोड़ दो लाख 83 हजार 708 तक पहुंच गई है और संक्रमितों का आंकड़ा एक करोड़ छह लाख 25 हजार 428 पहुंच गया है। जबकि मृतकों का आंकड़ा 1,53,032 तक पहुंच गया है।

ब्राजील में कोरोना वायरस से संक्रमित होने वालों की संख्या 86.97 लाख से ज्यादा हो गई और इस महामारी से 2.14 लाख से ज्यादा मरीजों की मौत हो चुकी है। रूस में संक्रमितों की संख्या 36.16 लाख से अधिक और 66,810 लोगों की मौत हो गई है। ब्रिटेन में 35.53 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 94,765 लोगों की मौत हुई है। फ्रांस में करीब 30.46 लाख से अधिक लोग इस वायरस से प्रभावित हुए हैं और 72,139 मरीजों की मौत हो चुकी है।

कोलंबिया में 50 हजार मौत

बोगोटा। कोलंबिया में कोरोना वायरस के कारण पिछले 24 घंटों के दौरान 395 मरीजों की मौत हुई है तथा इससे साथ ही इससे होने वाली मौतों की संख्या 50,187 हो गई है। कोलंबिया के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इस दौरान देश में इस संक्रमण के 15,366 नए मामले सामने आए और इसके बाद इससे अब तक प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या 19, 72,345 हो गई। देश में इस समय कोविड-19 के 1,15,000 सक्रिय मामले हैं।

स्पेन में 44,357 नए मरीज

मैड्रिड। स्पेन में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस महामारी के एक दिन में सर्वाधिक 44,357 नए मामले दर्ज किए गए है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि नए मामले सामने आने देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2,456,675 पहुंच गई है। इसी अवधि में 404 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़ कर 55,041 पहुंच गई। वर्तमान में 26 हजार से अधिक लोग विभिन्न अस्पतालों में भर्ती है। जिनमें से 3,700 लोग सघन चिकित्सा इकाई में भर्ती है।

खुफिया विभाग करेगा रूसी गतिविधियों की समीक्षा

• नए राष्ट्रपति जो बाइडन ने दी अहम जिम्मेदारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने खुफिया विभाग को रूस की गतिविधियों की समीक्षा करने का काम सौंपा है।

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जेन साक ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि चूंकि हम अमेरिकी हितों को आगे बढ़ाने के लिए रूस के साथ काम करते हैं, इसलिए हम उसके लापरवाह और प्रतिकूल कार्यों को पता लगाने का भी कार्य करते हैं।

राष्ट्रपति ने जो बाइडेन ने 2020 के चुनाव में रूसी हस्तक्षेप तथा विपक्षी नेता एलेक्सी नवालनी के खिलाफ रासायनिक हथियारों के उपयोग जैसे कार्य खुफिया विभाग को सौंपे हैं।

रूस से संधि पांच साल तक बढ़ाई

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जेन साकी ने कहा है कि राष्ट्रपति जो बिडेन का लक्ष्य रूस के साथ नए स्टार्ट संधि को पांच साल तक बढ़ाने का होगा। मैं पुष्टि कर सकता हूं कि अमेरिका संधि के इजाजत के रूप में न्यू स्टार्ट को पांच साल के विस्तार देगा। राष्ट्रपति लंबे समय से स्पष्ट तौर पर कह रहे हैं कि नई स्टार्ट संधि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में है। इसका विस्तार उस समय और भी आवश्यक हो जाता है, जब रूस के साथ हमारा संबंध प्रतिकूल है। न्यू स्टार्ट रूसी परमाणु बलों के लिए एकमात्र बची हुई संधि है और दोनों देशों के बीच रणनीतिक स्थिरता का सहारा है।

थ्री स्टॉर होटल बनेगा विवि गेस्ट हाउस

• कार्य परिषद में जल्द रखा जाएगा प्रस्ताव

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का गेस्ट हाउस बहुत जल्द थ्री-स्टार होटलों की फेहरिस्त में शामिल होने जा रहा है। विवि प्रशासन ने इसे लेकर योजना बना ली है।

गेस्ट हाउस को होटल में तब्दील करने के लिए विवि ने उसे पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप में चलाने का फैसला किया है। इस बाबत प्रस्ताव को जल्द विश्वविद्यालय के कार्य परिषद में रखा जाएगा। विश्वविद्यालय की आय बढ़ाने के क्रम में गेस्टहाउस को होटल में तब्दील करने की योजना बनाई गई है। इसे लेकर विभिन्न होटल ग्रुपों से संपर्क साधा जा रहा है।

बेंगलुरु के लिये हवाई सेवा फिर शुरू

शुक्रवार को गोरखपुर से बेंगलुरु के लिए 13 माह बाद इंडिगो की हवाई सेवा शुरू हो गई। तकनीकी वजह से बीते साल 30 नवंबर से उड़ान बंद हो गई थी। मौसम खराब होने के कारण इंडिगो का विमान ढाई घंटा की देरी से सुबह 11 बजे बेंगलुरु से गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचा। एयरपोर्ट निदेशक ने 45 मिनट बाद हरी झंडी दिखाकर विमान को बेंगलरु लिए रवाना किया।

सहारनपुर में दीवार गिरी, बहनों की मौत

सहारनपुर। गागलहेड़ी क्षेत्र में कच्ची दीवार गिरने से दो बहनों की मौत हो गई।खजूरी अकबरपुर निवासी जोगेंद्र सिंह की पुत्री परि (4) व वैष्णवी (2) घर से निकलकर जा रही थी। उसी दौरान एक दीवार गिर गई और दोनों बहनें उसके मलबे में दब गईं। ग्रामीणों ने मलबा हटाकर दोनों बालिकाओं को बाहर निकाला और अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

एससी मोर्चा सर्वश्रेष्ठ मोर्चों में एक: मनोज

• छात्रवृति योजनाओं पर किया गया जागरूक

पूर्वी दिल्ली (भास्कर)। उत्तर पूर्वी दिल्ली के भाजपा कार्यालय पर जिला अध्यक्ष मोहन गोयल व सांसद मनोज तिवारी प्रभारी सत्यनारायण द्वारा अनुसूचित जाति मोर्चों पद परिचय बैठक का आयोजन कार्यकर्ताओं की उपस्थित में किया गया।

मनोज तिवारी ने बाबा भीमराव अम्बेडकर को याद करते हुए कहा कि एससी मोर्चा सर्वश्रेष्ठ मोर्चों में एक है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 59048 करोड़ के निवेश वो अनुमोदन प्रदान किया है। जिसमे से केंद्र सरकार 35534 करोड़ रुपये खर्च करेगी, शेष राशि राज्य सरकारों द्वारा खर्च की जाएगी। इस योजना में मौजूद प्रतिबद्ध देयता प्रणाली को प्रतिस्थापित करेगी। योजना में केंद्र की पुरी भागीदारी अधिक है। अनुसूचित जनसंख्या के शैक्षिक सशक्तिकरण क्षेत्र में अनुसूचित छात्रों के मैट्रिककोत्तर छात्रवृत्ति योजना भारत सरकार का सर्वाधिक एकल हस्तक्षेप है। गोयल ने कहा गरीब से गरीब परिवारों के 10वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्रों को अपनी इच्छानुसार उच्चतर शिक्षा पाठ्यक्रमों मे नामित करने के लिए एक अभियान चलाया जाएगा। 1.36 करोड़ ऐसे सबसे गरीब छात्र है जो वर्तमान में 10वी कक्षा के बाद अपनी शिक्षा जारी नही रख पा रहे हैं। अगले 5 वर्षों में उच्चतर शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत लाया जाएगा।

जियोग्राफिक का 23 जनवरी से 'स्पॉटलाइट'

बॉलीवुड हलचल

नई दिल्ली। नेशनल जियोग्राफिक इंडिया का 'स्पॉटलाइट' 23 जनवरी, 2021 से हर शनिवार को सर्वश्रेष्ठ और बहु-प्रशंसित फिल्मों का विशेष प्रीमियर करेगा।

नेशनल जियोग्राफिक इंडिया 'स्पॉटलाइट' नामक इस पेशकश के तहत 23 जनवरी 2021 से हर शनिवार को श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ और बहु-प्रशंसित फिल्मों का विशेष प्रीमियर करेगा। नेशनल जियोग्राफिक इंडिया का स्पॉटलाइट विश्व के बेहतरीन फिल्म निर्माताओं की विचारोत्तेजक और वैश्विक रूप से प्रासंगिक वृत्त चित्रों की श्रृंखला प्रस्तुत करेगा। रीबिल्डिंग पैराडाइस, द केव, द लास्ट आइस, द वायरस हन्टर्स जैसी फिल्मों और रॉन हॉवर्ड, जेम्स कैमरन, लियोनार्डो डीकैप्रियो जैसे विश्व प्रसिद्ध अनेक निर्देशकों की फिल्मों की दमदार श्रृंखला के साथ दर्शकों को नेशनल जियोग्राफिक के कथावाचन की असली और विशिष्ट शैली के अनुरूप उत्कृष्ट और मनोरंजक प्रोग्रामिंग का विस्मयकारी अनुभव प्राप्त होगा। स्टार और डिज्नी इंडिया के प्रेसिडेंट और हेड-इंफोटेनमेंट, किड्स एवं क्षेत्रीय मनोरंजन चैनल्स, केविन वाज़ ने कहा कि "स्पॉटलाइट की ओर से हम नेशनल जियोग्राफिक की सर्वोत्तम कहानियां प्रस्तुत कर रहे हैं। ये सारी कहानियां फिल्म निर्माण की सुन्दरता और शक्ति के माध्यम से दुनिया के बारे में हमारी जानकारी और समझ को नया विस्तार देतीं हैं।

'अजनबी' के लिये रोमांचित है गुंजन

मुंबई। भोजपुरी अभिनेत्री गुंजन पंत फिल्म अजनबी के लिये रोमांचित है। गुंज की आने वाली भोजपुरी फिल्म 'अजनबी' की डबिंग कंप्लीट हो गई है। फिल्म का ट्रेलर भी जल्द रिलीज होगा। गुंजन पंत ने ने फिल्म के निर्माता अरूण दुबे और मनीषा सिंह का आभार भी व्यक्त किया। गुंजन पंत ने कहा कि इतनी खूबसूरत फिल्म में मौका देने के लिए मैं उनका आभार व्यक्त करती हूं। उन्होंने एक अच्छी फिल्म बनाई है। पहली बार मैं एक ऐसा किरदार कर रही हूं, जिसमें मेरे माता-पिता अलग अलग धर्म से ताल्लुक रखते हैं। फिल्म में मेरे अपोजिट प्रेम सिंह हैं। गौरतलब है कि श्री सदगुरू इंटरटेंमेंट हाउस और अथर्वादित्य फिल्म के बैनर से बन रही ओम सिने वीजन प्रस्तुत भोजपुरी फिल्म 'अजनबी' का फर्स्ट लुक पहले ही आउट हो चुका है।

गणतंत्र दिवस पर रिलीज होगी 'भारत'

मुंबई। भोजपुरी फिल्मों के सुपर स्टॉर दिनेशलाल यादव निरहुआ की शॉर्ट फिल्म भारत इस वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर रिलीज होगी। दिनेश लाल यादव निरहुआ इस गणतंत्र दिवस पर देशभक्ति पर आधारित अपनी एक शॉर्ट फिल्म भारत देश को समर्पित करेंगे। फिल्म 'भारत' 26 जनवरी को रिलीज की जायेगी। इस फिल्म का निर्माण हां फिल्म्स प्रा. लि. के बैनर तले किया गया है। इस फिल्म के प्रोड्यूसर-एडिटर सुधांशु शेखर हैं। शॉर्ट फिल्म 'भारत' एक देशभक्ति फिल्म है, जिसमें एक खास संदेश छुपा है। कुछ मौका परस्त लोग जिस तरह से देश में हिंदू-मुसलामान को देश के खिलाफ करने की कोशिश करते हैं, उसको यह फिल्म मुंहतोड़ जवाब देगी।

पांच लाख हुनरमंदों को रोजगार के अवसर: नकवी

• दस्तकारों और शिल्पकारों को मजबूत प्लेटफार्म

लखनऊ। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शुक्रवार को दावा किया कि देश के विभिन्न स्थानो पर अब तक आयोजित हुए हुनर हाट के जरिये न सिर्फ देश के हुनरमंद दस्तकारो और शिल्पकारों को एक मजबूत प्लेटफार्म मिला है। बल्कि इस विधा से जुड़े पांच लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार के मौके मिले हैं।

नकवी ने कहा कि पांच वर्षों में हुनर हाट से पांच लाख से ज्यादा दस्तकारों, शिल्पकारों, कारीगरों और उनसे जुड़े लोगों को रोजगार और रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं। हुनर हाट से देश की शानदार पारम्परिक दस्तकारी, शिल्पकारी की विरासत को मजबूती और पहचान मिली है। शुक्रवार से शुरू हुआ 24वां 'हुनर हाट' देश के दस्तकारों, शिल्पकारों और कारीगरों को न सिर्फ मौका और बाजार उपलब्ध कराएगा। बल्कि एक जिला एक उत्पाद योजना को नई दिशा देगा। अवध शिल्पग्राम में चार फरवरी तक चलने वाले हुनर हाट का औपचारिक उद्घाटन कल 23 फरवरी को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करेंगे।

लखनऊ में हुनर हाट मेला में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को देखती केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी।

अपनी क्षमता को पहचाने एवं नवीनता और सृजनशीलता के साथ सशक्तीकरण की प्रक्रिया में लगे रहें विद्यार्थी

निशंक ने छात्राओं को दिये सफलता के गुरुमंत्र

• बिना किसी भय के आगे बढ़ें छात्राएं

केपी मलिक

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कोयंबटूर के अविनाशिलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइन्स एंड हायर एजूकेशन फॉर वुमेन के 32वें दीक्षांत समारोह पर छात्राओं को उनकी डिग्री पूरी करने पर बधाई देते हुए कहा कि अपनी क्षमता को पहचाने एवं नवीनता और सृजनशीलता के साथ सशक्तीकरण की प्रक्रिया में लगे रहें और अर्जित ज्ञान को देश के हर क्षेत्र में ले जाने का प्रयास करें।

डॉ. निशंक ने डिग्री प्राप्त करने वाली छात्राओं को बिना डरे आगे बढ़ने को प्रेरित करते हुए कहा कि आप कुछ बातों का पालन करके जीवन में सफलता प्राप्त कर सकती हैं। पहली, आप यह समझने की कोशिश करें कि आप क्या करने जा रही हैं। दूसरी, गहराई से विश्लेषण करें कि आप क्या हासिल करना चाहती हैं। तीसरी, केंद्रित रहें। चौथी, अपना रोल मॉडल ढूंढ लें। पांचवीं, अनुभव इकट्ठा करें, छठवीं, बड़े सपने देखें, सातवीं, गलतियों से सीखें। आठवीं, ईश्वर पर विश्वास करें और नौवीं, तब तक प्रयास करें जब तक आप सफल न हो जाएं।

उन्होंने कहा कि यह संस्था यूजीसी के एक्ट 1956 के अधीन, अनुभाग 12वीं के तहत मान्यता प्राप्त एवं केंद सरकार की सहायता प्राप्त एक अनोखी डीड महिला विश्वविद्यालय है, जो सामुदायिक विकास के उन्मुख सभी क्षेत्रों की महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में कार्यरत है। यह संस्थान एक बड़े वट वृक्ष के रूप में विकसित हुआ है और वर्तमान में यहां पर पीएचडी, एम.फिल, पीजी और यूजी कार्यक्रमों में 8233 छात्राएं पढ़ रही हैं। इस संस्थान के सात स्कूलों के गृह विज्ञान, भौतिक विज्ञान के तहत 34 विभाग शामिल हैं और कम्प्यूटेशनल विज्ञान, जैव विज्ञान, कला और सामाजिक विज्ञान, वाणिज्य और प्रबंधन, शिक्षा और इंजीनियरिंग के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और मूल्य की शिक्षा भी दी जाती है।

शिक्षा वही, जिससे हो चरित्र का निर्माण

डॉ. निशंक ने स्वामी विवेकानंद को याद करते हुए कहा कि स्वामी जी ने शिक्षा के नतीजे को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया है कि हम चाहते हैं कि शिक्षा वही है, जिसके द्वारा चरित्र का निर्माण हो, मन की शक्ति बढ़े, बुद्धि का विकास हो और जिसके द्वारा व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा हो सके। इसके अलावा जब तक महिलाओं की स्थिति में सुधार नहीं होगा, दुनिया का कल्याण नहीं हो सकता, एक पक्षी के लिए एक पंख पर उड़ना संभव नहीं है।

ईसा मसीह

क्षमा से पुनरूत्थान तक

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी
सहज योग संस्थापिका एवं
कुण्डलिनी जागरण द्वारा आत्म–साक्षात्कार दात्री

हम हर जगह पढ़ते आये हैं कि ईश्वर एक ही है और एक वृक्ष के समान है। प्रत्येक धर्म उसका एक फल है और सभी अवतरणों का परस्पर सम्बन्ध है। अगर हमने यह तत्व समझ लिया तो हम अपने आपको हिन्दू, मुसलमान या ईसाई समझ कर आपस में लड़ने की भावना नहीं रखेंगे। इसके अलावा जो नासमझी मनुष्य सदियों से करता आया है वह है, जब-जब परमेश्वर ने अवतरण लिया या सन्त-महात्मा हुए तब-तब लोगों ने उन्हें कष्ट दिया है और उनके जाने के बाद उनके नाम पर धर्म बना दिए, बड़ी-बड़ी संस्थाएं बना दी और अपने आपको उनका सबसे बड़ा अनुयायी समझने लगे। चाहे वो संत तुकाराम हो या ज्ञानेश्वर महाराज या फिर गुरूनानक या पैगम्बर मोहम्मद।

अपने अहंभाव के कारण लोगों ने ईसा मसीह को तो सूली पर ही चढ़ा दिया, क्योंकि कोई मनुष्य परमेश्वर का अवतार बन कर आ सकता है ये उन की बुद्धि को मान्य नहीं था। ईसा मसीह ने ऐसा कौन सा अपराध किया था कि जिस से उनको सूली पर लटकाया गया? लोगों के लिए हमेशा अच्छाई करते हुए भी मनुष्य ने उन्हें दुःख दिया, परेशान किया। इतनी नासमझी कि जब उनसे पूछा गया कि 'एक चोर का छोड़ दिया जाए या ईसा मसीह को?',तो लोगों ने चोर को छोड़ने की बात की। इसके बदले उन्होंने उन लोगों के लिए क्या किया? परमात्मा से उनकी मूर्खता के लिए क्षमा मांगी।

क्रिसमिस के शुभ अवसर पर आइये हम भारतीय संस्कृति और बाइबल की कुछ समानताओं पर ध्यान दें। एक बड़ी दिलचस्प समानता ईसा मसीह और श्री गणेश के जन्म में है, श्री गणेश को माता पार्वती ने कौमार्य अवस्था में बिना अपने पति की सहायता से बनाया था। उसी प्रकार मदर मैरी ने भी बिना किसी पुरूष की सहायता से ईसा मसीह को अपने गर्भ में धारण किया था।

ईसा मसीह का जीवन

ईसा मसीह का महान जीवन हमें बहुत कुछ सिखाता है। उनका जन्म न किसी अमीर आदमी के घर हुआ और न ही किसी महल के आरामदायक बिस्तर पर बल्कि एक अस्तबल में जानवरों के बीच हुआ था। जन्म के बाद उन्हें एक ऐसे पालने में रखा गया जिसमें सूखी घास बिछी हुई थी। यह सब इस बात का प्रतीक है कि आध्यात्मिकता को भौतिकवाद, सुख-साधनों तथा दिखावे की आवश्यकता नहीं है। ऐसे व्यक्ति को धन-सम्पदा से कोई लगाव नहीं होता है, न वह इससे प्रभावित होता है। यह अन्तर्शक्ति है, अन्तर्ज्योति है जो हमारे व्यवहार में स्वयं अभिव्यक्त होती है।

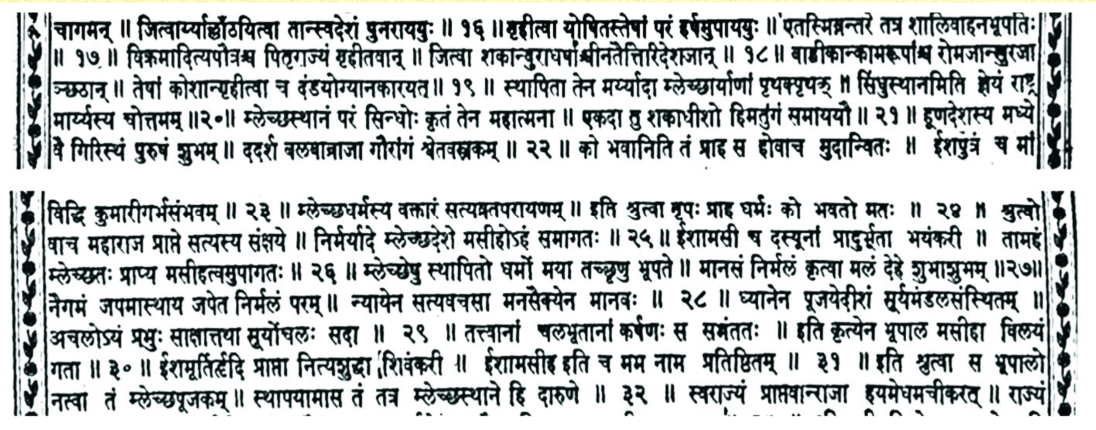

चागमन् ॥ जित्वार्य्यान्लोंठयित्वा तान्स्वदेशं पुनराययुः ॥ १६ ॥ गृहीत्वा योषितस्तेषां परं हर्षमुपाययुः ॥ एतस्मिन्नन्तरे तत्र शालिवाहनभूपतिः ॥ १७ ॥ विक्रमादित्यपौत्रश्च पितृराज्यं गृहीतवान् ॥ जित्वा शकान्दुराधर्षांश्चीनतैत्तिरिदेशजान् ॥ १८ ॥ बाह्लीकान्कामरूपांश्च रोमजान्खुरजान्छठान् ॥ तेषां कोशान्गृहीत्वा च दंडयोग्यानकारयत् ॥ १९ ॥ स्थापिता तेन मर्य्यादा म्लेच्छार्याणां पृथक्पृथक् ॥ सिंधुस्थानमिति ज्ञेयं राष्ट्रमार्य्यस्य चोत्तमम् ॥ २० ॥ म्लेच्छस्थानं परं सिन्धोः कृतं तेन महात्मना ॥ एकदा तु शकाधीशो हिमतुंगं समाययौ ॥ २१ ॥ हूणदेशस्य मध्ये वै गिरिस्थं पुरुषं शुभम् ॥ ददर्श बलवान्राजा गौरांगं श्वेतवस्त्रकम् ॥ २२ ॥ को भवानिति तं प्राह स होवाच मुदान्वितः ॥ ईशपुत्रं च मां

विद्धि कुमारीगर्भसंभवम् ॥ २३ ॥ म्लेच्छधर्मस्य वक्तारं सत्यव्रतपरायणम् ॥ इति श्रुत्वा नृपः प्राह धर्मः को भवतो मतः ॥ २४ ॥ श्रुत्वोवाच महाराज प्राप्ते सत्यस्य संक्षये ॥ निर्मर्यादे म्लेच्छदेशे मसीहोऽहं समागतः ॥ २५ ॥ ईशामसी च दस्यूनां प्रादुर्भूता भयंकरी ॥ तामहं म्लेच्छतः प्राप्य मसीहत्वमुपागतः ॥ २६ ॥ म्लेच्छेषु स्थापितो धर्मो मया तच्छृणु भूपते ॥ मानसं निर्मलं कृत्वा मलं देहे शुभाशुभम् ॥ २७ ॥ नैगमं जपमास्थाय जपेत निर्मलं परम् ॥ न्यायेन सत्यवचसा मनसैक्येन मानवः ॥ २८ ॥ ध्यानेन पूजयेदीशं सूर्यमंडलसंस्थितम् ॥ अचलोऽयं प्रभुः साक्षात्तथा सूर्योऽचलः सदा ॥ २९ ॥ तत्त्वानां चलभूतानां कर्षणः स समंततः ॥ इति कृत्येन भूपाल मसीहा विलयं गता ॥ ३० ॥ ईशमूर्तिर्हृदि प्राप्ता नित्यशुद्धा शिवंकरी ॥ ईशामसीह इति च मम नाम प्रतिष्ठितम् ॥ ३१ ॥ इति श्रुत्वा स भूपालो नत्वा तं म्लेच्छपूजकम् ॥ स्थापयामास तं तत्र म्लेच्छस्थाने हि दारुणे ॥ ३२ ॥ स्वराज्यं प्राप्तवान्राजा हयमेधमचीकरत् ॥ राज्यं

भविष्य पुराण के चतुर्भज खंड के 19 वें अध्याय के श्लोक 17-32

एक किताब "Jesus Lived in India (Holger Kersten)" में एक घटना का उल्लेख है जब वे अपनी युवा अवस्था में भारत आये और शालिवाहन राजा से मिले। जब राजा ने उनसे उनका नाम पूछा जो उन्होंने बताया, "मेरा नाम ईसा है और मैं मलेच्छों (मल की इच्छा करने वालों) के देश से आया हूँ। मुझे लगता है कि यही देश मेरा है।" लेकिन शालिवाहन राजा ने कहा कि तुम्हें वहीं जाकर अपने लोगों को बचाना चाहिए और उन्हें निर्मल तत्वम् प्रदान करना चाहिए। जब वे वापिस अपने देश गये, तो उन्हें साढ़े तीन साल में ही सूली पर लटका दिया गया।

वापिस जाकर ईसा मसीह ने लोगों को बहुत सी अच्छी बातें सिखाईं और बहुत से चमत्कार दिखाए। उन्होंने मृत व्यक्ति को जीवित किया, पानी पर चलकर दिखाया, 5000 लोगों को केवल पाँच रोटियों और दो मछलियों से भोजन कर के दिखाया, तब भी लोगों के दिमाग में नहीं आया कि वे परमेश्वर के पुत्र थे। मुश्किल से वे कुछ मछुआरों को ही इकट्ठा कर पाए, क्योंकि और कोई लोग उनके साथ आने के लिए तैयार नहीं थे। परन्तु उनके शिष्यों ने सोचा वे केवल बीमार लोगों को ठीक करते हैं। इसलिए वे बीमार लोगों को ही उनके पास ले जाते थे। जबकि उनके जीवन का असली लक्ष्य परमात्मा के साम्राज्य में जाने के लिए द्वार खोलना था और मानव जाति को अपने अहंकार से ऊपर उठाकर उसे आने वाले उद्धारक के उपदेशों को समझने के लिए तैयार करना था।

ईसा मसीह एक द्वार है–कौन सा द्वार?

So Jesus said to them again, "I tell you the solemn truth, I am the door for the sheep… I am the door. If anyone enters through me, he will be saved, and will come in and go out, and find pasture. (John 10:7-9)

उन्होंने बहुत ही स्पष्ट कहा कि अपनी स्वयं की इच्छा और पिता की आज्ञा से अपने प्राणों की बलि दे कर साधकों को बचाने आए हैं और उनको अपने आपको वापिस जीवित करने का भी अधिकार प्राप्त है। (John 10:15-18) आज्ञा चक्र, जिसके रक्षक ईसा मसीह हैं, अत्यन्त सूक्ष्म द्वार है जिसे पार करना आसान बनाने के लिए उन्होंने इस पृथ्वी पर अवतार लिया और अपना बलिदान करके उन्होंने स्वयं यह द्वार पहले पार किया। इसलिए उन्होंने कहा है कि 'मैं द्वार हूँ'।

अपने को सूली चढ़ाने वालों को भी क्षमा करके वे हमारे सामने एक महान उदाहरण प्रस्तुत कर गए। वस्तुतः क्षमा बहुत बड़ा आयुध है क्योंकि उससे मनुष्य अहंकार से बचता है। अगर हमें किसी ने दुःख दिया, परेशान किया या हमारा अपमान किया तो अपना मन बार बार यही बात सोचता रहता है और उद्विग्न रहता है। हम दूसरों के कारण होने वाली इन परेशानियों से उनको क्षमा करके बड़ी आसानी से छुटकारा पा सकते हैं।

आज्ञा चक्र का सूक्ष्म द्वार उनके द्वारा दी गई प्रार्थना 'दी लार्डस् प्रेअर' करने से खुलता है। मार्क 9:40 में लिखा है "जो मेरे विरोध में नहीं है, वो मेरे साथ हैं।" इसका अर्थ है कि हमें उनकी शिक्षाओं में विश्वास कर, उनका अपने जीवन में पालन करना होगा न कि हमें ईसाई धर्म अपनाना होगा। ये द्वार पार करने के बाद कुण्डलिनी शक्ति अपने मस्तिष्क में तालू (Limbic Area) में प्रवेश करती हे, उसी को परमात्मा का साम्राज्य कहते हैं। लेकिन यह बड़ी ध्यान देने योग्य बात है कि कहीं पर भी उन्होंने यह नहीं कहा कि वे हमारी मंजिल हैं।

फिर मंजिल क्या है? – पुनर्जन्म (Baptism)

Nicodemus said to Him, "How can a man be born when he is old? He cannot enter a second time into his mother's womb and be born, can he?"

Jesus answered, "Truly, I say to you, unless one is born of water and the Spirit he cannot enter into the kingdom of God. Whoever is born from human parents is a human; and whoever is born from the Holy Spirit is a spiritual being. (John 3:3-8)

उन्होने कहा था कि आपका दुबारा जन्म होना चाहिए अर्थात आपको द्विज होना पड़ेगा। संस्कृत में द्विज पक्षी को बोला जाता है, क्योंकि उसका दो बार जन्म होता है, एक बार अंडे के रूप में और दूसरी बार चूजे के रूप में। उसी प्रकार मनुष्य का पहला जन्म उसके माता-पिता द्वारा नश्वर शरीर के रूप में होता है और उसका दूसरा जन्म कुण्डलिनी जागृति से होता है। तत्पश्चात ही वह परमात्मा के साम्राज्य में प्रवेश का अधिकारी होता है।

वास्तव में बपतिस्मा देने का अर्थ है कुण्डलिनी शक्ति को जागृत करना और उसके बाद उसे सहस्रार तक लाना। इसलिए बपतिस्मा में पानी को तालू भाग पर डाला जाता है, क्योंकि कुण्डलिनी जब वहां पर आती है तो एक पानी के छोटे से फव्वारे की अनुभूति देती है, संयोग से इस भाग को अंग्रेजी में Fontanelle Bone भी कहा जाता है, जिसका ग्रीक भाषा में अर्थ पानी का फव्वारा ही होता है।

एल ग्रेको द्वारा पेंटेकॉस्ट पेंटिंग
(प्राडो संग्रहालय)

लोगों ने इसका ये अर्थ लगाया कि जब परमात्मा का अवतरण होगा और तब वे पानी की जगह आग से बपतिस्मा देंगे। वस्तुतः इसका सही मतलब ये है कि एक ऐसा अवतरण होगा जो कुण्डलिनी शक्ति जागृत करने में सक्षम होगा। कुण्डलिनी शक्ति जब जागृत होती है तो वह हमारे सहस्रार चक्र का भेदन करते हुए बाहर आती है जिसे बाइबल में Tongues of Flame कहा गया है, और जो बहुत से चित्रकारों ने दिखाया भी है।

ईसा मसीह ने बड़े ही गूढ़ तरीके से कुण्डलिनी के बारे मे बताया है, उन्होने उसे कहीं पर एक सांप कहा, कहीं अग्नि की ज्वाला कहा या फिर कहीं Holy Spirit अर्थात एक पवित्र आत्मा कहा है।

ईसा मसीह और धर्म गुरू

वर्तमान समय में कुण्डलिनी जागृत करने के लिए अनेक धर्म गुरू हर जगह फैले हुए हैं। लेकिन ये धर्म गुरू कुछ लाभ करने के बजाय साधक को नुकसान ही पंहुचाते हैं। ईसा मसीह ने हमें पादरियों, पंडितों, मौलवियों या हर धर्म के गलत धर्म गुरूओं के बारे में पहले ही चेतावनी दे दी थी-

Beware of false prophets, which come to you in sheep's clothing, but inwardly they are ravening wolves. (Matthew 7:15/24:24/John 4:1/10:10-13)

उन्होंने उन्हें चोर और डाकू बताया जो अपने आध्यत्मिक शब्दों के माध्यम से भोले साधकों को झूठे चमत्कार दिखा कर, उन्हें आध्यत्मिकता के बारे में गलत बातें सीखा कर, गुमराह करके उनकी कुण्डलिनी को क्षति पहुंचा देते हैं और उसकी जागृति में बाधक बनते हैं। ऐसे लोगों को ईश्वर से कोई भी अधिकार प्राप्त नहीं होता है और जो किसी नौकर की भांति होते हैं। जो केवल पैसे के लिए कार्य करता है और जैसे ही साधक पर कोई मुसीबत आती है वो उसे छोड़ कर भाग जाते हैं। अतः हमें ऐसे बहरूपियों से बचना चाहिए।

इस मंजिल को कैसे प्राप्त किया जा सकता है?

But the Comforter, which is the Holy Spirit, whom the Father will send in my name, he shall teach you all things, and bring all things to your remembrance, whatsoever I have said unto you. (John 14:26/15:26)

बाइबल में मैथ्यू (28:19) में उन्होने पिता, पुत्र और जिस Holy Spirit या पवित्र आत्मा की बात की है, वह एक नारी शक्ति ही हो सकती है, न कि पुरूष। कुण्डलिनी शक्ति ही Holy Spirit हैं और उसको जो जागृत कर सके ऐसी शक्ति को ही Comforter कहा गया है, जिसे परमपिता ईसा मसीह के बाद भेजेंगे। उन्होंने कहा कि वह पवित्र आत्मा हमें सत्य का रास्ता दिखाएंगी, सभी धर्मो को एक करेंगी, सभी धर्मो के प्रणेताओं ईसा मसीह, गुरूनानक, पैगम्बर मुहम्मद द्वारा कही हुई बातों को सत्य साबित करेंगी और हम सबको ईसा मसीह की तरह पुनरूत्थान (Resurrection) प्रदान करेंगी अर्थात आत्म-साक्षात्कार प्रदान करेंगी।

सहज योग के माध्यम से श्रीमाताजी निर्मला देवी ने यह कार्य बड़ी ही सुगमता से सफल बनाया है। सहज में ही हमारी कुण्डलिनी शक्ति का जागरण कर हमें चारों और फैली परमात्मा की शक्ति से योग कराया है। हमारी उत्क्रांति और आध्यमिक उन्नति के लिए, हमारी रीढ़ की हड्डी में सात चक्र और कुण्डलिनी शक्ति स्थित है। ये सभी चक्र हमारे शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए उत्तरदायी हैं। जब कुंडलिनी जागृत होती है, तो वह चक्रों को पोषित करती है और उन्हें संघटित करती हुई हमें परमात्मा के दिव्य प्रेम की सर्वव्यापी शक्ति से जोड़ देती हैं। इस को बाइबल में 'Cool Breeze of the Holy Ghost', कुरान में 'रूह' और भारतीय ग्रंथों में 'परमचैतन्य' कहा जाता है पातंजलि ने इस 'ऋतंभरा प्रज्ञा' कहा है। कुंडलिनी जागरण ओर चक्रों के पोषण का एक महत्वपूर्ण लाभ यह होगा कि व्यक्ति में एक आंतरिक संतुलन आएगा और वह स्वस्थ हो जाएगा।

मानव का सूक्ष्म तंत्र

अब पुनरूत्थान का समय आ गया है, जिसके लिए ईसा मसीह ने अपना बलिदान दिया था। जब तक कुण्डलिनी शक्ति आज्ञा चक्र को पार नहीं कर जाती तब तक निर्विचार स्थिति प्राप्त नहीं होती। साधक में निर्विचारिता प्राप्त होना, साधना की पहली सीढ़ी है। जिस समय कुण्डलिनी शक्ति आज्ञा चक्र को पार करती है, उस समय निर्विचारिता स्थापित होती हे, तब हम अंदर से एकदम शांत हो जाते हैं। जिस व्यक्ति ने यह शांति प्राप्त कर ली, वह शांति को प्रसारित करने लगता है और अपने चारों ओर एक शांतिपूर्ण वातावरण निर्मित करता है।

ईसा मसीह ने सारी मनुष्य जाति के कल्याणार्थ व उद्धारार्थ जन्म लिया था। वे किसी जाति या समुदाय की निजी सम्पदा नहीं हैं। परन्तु उनका शरीर आत्म तत्व से बना था इसलिए मृत्यु के बाद उनका पुनरूत्थान हुआ और उस पुनरूत्थान के बाद ही उनके शिष्यों ने जाना कि वे साक्षात् परमेश्वर थे। यदि लोग उनके उस स्वरूप को, अवतरण को पहचान कर अपनी आत्मोन्नति करें तो चारों तरफ आनन्द ही आनन्द होगा।

आईये नव वर्ष में ऑनलाईन कार्यक्रम द्वारा आत्मसाक्षात्कार का अनुभव प्राप्त करें

रविवार, 24 जनवरी 2021
हिन्दी भाषा सत्र प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक
अंग्रेजी सत्र दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक

अनुवर्ती कार्यक्रमः मंगलवार, 26 जनवरी 2021
हिन्दी भाषा सत्र दोपहर 2 बजे से 3 बजे तक
अंग्रेजी भाषा सत्र सांय 4 बजे से 5 बजे तक

सहज योग अंतर्राष्ट्रीय विश्व निर्मल धर्म

अन्तर्राष्ट्रीय सहज योग स्वर्ण जयंती वर्ष — स्वर्ण जयंती १९७० - २०२० आध्यात्मिक उत्थान के 50 वर्ष — परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी

सीधे प्रसारण के लिए जुड़ेः http://youtube.com/c/nirmaldhamlive | +91 9310177207

सहज दर्शन प्रचार और प्रसार समितिः sahajayoga.org.in | nirmaldham.org | Toll Free 1800-2-700-800 | Jhansi-98891 58145 | Dehradun-94120 47547